www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार... राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 सितम्बर, 2025 | वर्ष-18 | अंक-151 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

केंद्र और राज्य सरकारें मानवीय रुख अपनाएं 02
■ कांग्रेस कर्मचारियों के संघर्ष में सहयोग करने के...
■ दिल्ली-एनसीआर में अब खूनी हो रही रेलवे... 03
■ ट्रंप की टैरिफ नीति के बीच अमेरिकी सांसद से मिले...
■ अमेरिका को अखर सकती है किम, शी व पुतिन... 07
हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे : जेनेलिया डिसूजा 10

सार संक्षेप

ममता बनर्जी ने विधानसभा में लगाए वोट चोर के नारे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को बंगाली प्रवासियों पर हो रहे अत्याचारों पर चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। भाजपा विधायक विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के निलंबन का विरोध कर रहे थे। स्पीकर बिमान बनर्जी ने अव्यवस्था फैलाने के आरोप में भाजपा के चीफ व्हिप शंकर घोष को विधानसभा से सस्पेंड कर दिया। घोष के अलावा चार अन्य भाजपा विधायकों को भी सदन से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, स्पीच के दौरान सीएम ममता ने मोदी चोर और वोट चोर के नारे लगाए।

पीएमएलए मामले में शिखर धवन ईडी के समक्ष पेश

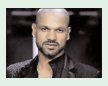

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप वनएक्सबेट से जुड़े धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के एक मामले में आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम धवन से पूछताछ कर रही है और इस मामले में उनका बयान दर्ज कर रही है। जांच एजेंसी को संदेह है कि धवन के कुछ विज्ञापनों और प्रचारों के जरिए इस ऐप से संबंध थे। इससे पहले ईडी ने इस मामले में पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना से पूछताछ की थी।

एनडीए विपक्ष को बदनाम करने की साजिश रच रहा : स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने पीएम मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी मामले में दावा किया है कि यह भाजपा की साजिश है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष ने साजिश के तहत इसे अंजाम दिया, जिससे विपक्ष को बदनाम किया जा सके। बिहार बंद पर मौर्य ने कहा कि जिस व्यक्ति ने अपशब्द कहे, उसकी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ कई तस्वीरें सामने आई हैं। उन्होंने इस पूरी घटना को भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रायोजित एक साजिश करार दिया, जिसका उद्देश्य विपक्ष को बदनाम करना है।

पुलिस ने पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया

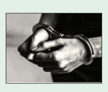

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। यह कार्रवाई 2 सितंबर को चिंतलनार थाना क्षेत्र के रावगुड़ा, किस्टावरम और आसपास के जंगलों में की गई। गिरफ्तार नक्सलियों में से एक पर 1 लाख रुपए का इनाम था। गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान माड़वी राकेश, कमलू देवा , कुहराम बुधरा, मड़कम मुया और कवासी पोज्जे के रूप में हुई है।

बारिश से हो रही तबाही पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई

अवैध पेड़ कटाई का बदला ले रही प्रकृति

■ सुप्रीम कोर्ट ने चार राज्यों को नोटिस भेजा

■ दो हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा

'प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई की गई है और यही हालिया आपदा का एक बड़ा कारण हो सकता है।'

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उत्तर भारत के कई राज्यों में आई बाढ़ और भूस्खलन पर गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए चार राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने जिन चार राज्यों को नोटिस जारी किया, उसमें पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। कोर्ट ने इन राज्यों की सरकारों को नोटिस जारी कर उनसे दो हफ्तों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई की गई है और यही हालिया आपदा का एक बड़ा कारण हो सकता है।

बड़ी संख्या में लकड़ी के गट्ठर बहते नजर आए

अदालत ने मीडिया रिपोर्टों पर संज्ञान लेते हुए कहा कि हमने हिमाचल प्रदेश के दृश्य देखे, जहां बड़ी संख्या में लकड़ी के गट्ठर बाढ़ में बहते हुए नजर आए। यह अनियंत्रित पेड़ कटाई का संकेत है। वहीं, पंजाब में खेत और गांव तबाह हो गए हैं। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी मामले की गंभीरता को रेखांकित किया। उन्होंने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे पर वे पर्यावरण मंत्रालय के सचिव से बात करेंगे और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से भी संवाद स्थापित करेंगे।

प्रभावित राज्यों को इस पर ठोस जवाब देना होगा

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रभावित राज्यों को इस पर ठोस जवाब देना होगा कि बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए और आगे ऐसी आपदाओं से बचाव के लिए उनकी क्या योजना है।

बिहार बंद | भाजपा कार्यकर्ताओं की गुंडई पर भड़के लालू

बिहारियों को हल्के में ना लें गुजराती

पटना, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में खुले मंच से पीएम मोदी को मां की गाली देने के खिलाफ गुरावार को एनडीए ने आधे दिन का बिहार बंद बुलाया था। बंद के दौरान राज्य के अलग-अलग हिस्सों से बीजेपी कार्यकर्ताओं की गुंडई की खबरें सामने आईं। अब इसको लेकर आरजेडी चीफ लालू प्रसाद ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। लालू ने एक्स पर लिखा, क्या प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपाइयों को आदेश दिया है कि आज पूरे बिहार और बिहारियों की माताओं-बहनों और बेटियों को गाली दो? गुजराती लोग बिहारियों को इतने हल्के में ना लें? यह बिहार है। बीजेपी के गुंडे-मव्वाली सम्मानित शिक्षिकाओं, राह चलती महिलाओं, छात्राओं, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और पत्रकारों को गालियां दे रहे है, उनके साथ हाथापाई कर दुर्व्यवहार कर रहे है? क्या यह उचित है? शर्मनाक!

एनडीए में शामिल दलों का बिहार बंद को मिला समर्थन

भाजपा के बिहार बंद को एनडीए में शामिल तमाम दलों ने अपना समर्थन दिया और गुरुवार को सुबह सात बजे से ही सड़कों पर उतर गए। इस दौरान राज्य के कुछ जिलों में महिलाओं और आम लोगों के साथ बीजेपी कार्यकर्ताओं के द्वारा अभद्रता की खबरें सामने आईं।

भाजपा के दिग्गज नेता सड़क पर उतरे

प्रधानमंत्री मोदी की मां के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 'बिहार बंद' बुलाया था। गुरुवार को राजधानी पटना समेत प्रदेशभर के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन किए गए। इस दौरान, भाजपा के दिग्गज नेता भी सड़कों पर उतरे। पटना में भाजपा और जदयू कार्यकर्ताओं ने शहर भर के प्रमुख चौराहों पर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और पार्टी के दिग्गज नेता संजय मयूख ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री के खिलाफ विपक्ष की टिप्पणी की निंदा करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'इतनी बेशर्मी क्यों है? क्या आप प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करते हैं और आपके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकलता है?'

देश में परिस्थितियां लोकतंत्र के अनुकूल नहीं : रेड्डी

■ संविधान की रक्षा के लिए उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बना

■ मेरी पृष्ठभूमि सियासी नहीं और मैं किसी भी दल का सदस्य नहीं

पटना, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में इंडिया गठबंधन के साझा उम्मीदवार और सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी ने आज कहा कि करीब 52 साल तक संविधान की सेवा करने के बाद आज मैं जिस पद के लिए खड़ा हूं, वह सियासी नही संवैधानिक पद ही है।

जस्टिस रेड्डी ने गुरुवार को पटना में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस समय देश मे परिस्थितियां लोकतंत्र और संविधान के अनुकूल नही है और ऐसे समय मे मेरे जैसे संविधान के जानकारों की भूमिका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि मेरी पृष्ठभूमि सियासी नही है और मैं किसी भी राजनीतिक दल का सदस्य नही हूं। जस्टिस रेड्डी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के अलावा आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल और कुछ और छोटी पार्टियों ने समर्थन का वादा किया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों का मुझे समर्थन मिल रहा है उनका देश की जनता के बीच प्रतिनिधित्व करीब 63 प्रतिशत है और देश भर के भ्रमण के दौरान जिस तरह का समर्थन प्राप्त हो रहा है, उसे देख कर अच्छे भविष्य की उम्मीद बन रही है। रेड्डी ने कहा कि युवा अवस्था से ही उनका रुझान राममनोहर लोहिया की समाजवादी विचारधारा की तरफ था। उन्होंने कहा कि विचारधारा के स्तर पर बिहार में लोहिया ने बहुत से प्रयोग किए और कर्पूरी ठाकुर का उन्हें साथ मिला। उन्होंने कहा कि बिहार में लोकतंत्र की पृष्ठभूमि दो हजार साल से ज्यादा पुरानी है। इस धरती से भगवान बुद्ध, भगवान महावीर और अशोक जैसे महान विभूति और शासक पैदा हुए।

देशभर में बारिश-बाढ़ से तबाही

पंजाब के 23 जिले और 1655 गांव बाढ़ से प्रभावित

पंजाब में बाढ़ से अब तक 37 की मौत

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। देशभर के कई राज्यों में मॉनसूनी बारिश ने आफत मचाई हुई है। भूस्खलन और बाढ़ से हाल बेहाल है। मूसलाधार बारिश से हर जगह पानी ही पानी नजर आ रहा है। पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड से लेकर मैदानी राज्यों दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र तक बारिश से बुरा हाल है। बात पंजाब की करें तो बारिश और बाढ़ के चलते राज्य में अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 तक पहुंच गई। पंजाब के 23 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक लगभग 1655 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। अगर पूरे पंजाब में बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या गिनी जाए तो 3 लाख 55 हजार 709 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हजारों वाहन फंसे

मुगल रोड, एसएसजी, सिंथन मार्ग बंद

जम्मू। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 3,000 से ज्यादा वाहन, जिनमें ज्यादातर भारी मोटर वाहन हैं, फंसे हुए हैं। साथ ही, केंद्र शासित प्रदेश के सभी प्रमुख मार्ग ताजा बारिश के बाद बंद रहे। एक अधिकारी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और गिरते पत्थरों के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग कई जगहों पर अवरुद्ध हो गया। श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी (एसएसजी) मार्ग भी अवरुद्ध है, जबकि सिंथन टाप रोड और मुगल रोड भारी बारिश के कारण कई जगहों पर असुरक्षित हो गए हैं।

दिल्ली में ओल्ड यमुना ब्रिज व आईएसबीटी जलमग्न

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। यह स्थिति हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण हुई है। गुरुवार सुबह 10 बजे यमुना का जलस्तर 207.47 मीटर दर्ज किया गया है जो खतरे के निशान से करीब दो मीटर अधिक है। आईएसबीटी के सामने स्थित मोनास्ट्री मार्केट और यमुना बाजार में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। यहां तक कि बस टर्मिनल से बाहर जाने वाली मुख्य सड़कों पर भी पानी जमा है, जिससे ट्रैफिक बुरी तरह से प्रभावित है। राजधानी में अब तक 8,018 लोगों को राहत शिविर कैंपों में ले जाया गया है।

जीएसटी दरों में बदलाव पर बोले चिदंबरम

सरकार को गलती सुधारने में 8 साल लगे

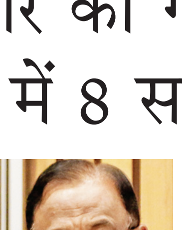

अर्थशास्त्रियों ने बार-बार इन गलतियों को सुधारने की मांग की थी

मदुरै, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने गुरुवार को मदुरै एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्र सरकार के हालिया जीएसटी दरों में बदलाव पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी सच है कि उसे अपनी गलती स्वीकार करने में आठ साल का समय लग गया। चिदंबरम ने कहा कि हम जीएसटी में बदलाव का स्वागत करते हैं, लेकिन सरकार ने आठ साल बाद अपनी गलती को समझा है। जब 1 जुलाई 2017 को यह कानून लागू हुआ था, तभी हमने कहा था कि यह गलती है और इतने तरह-तरह के टैक्स स्लैब नहीं होने चाहिए। मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमणियन ने भी यह सलाह दी थी, लेकिन वित्त मंत्रियों और अन्य नेताओं ने उस समय किसी की बात नहीं सुनी। हमने संसद में भी कई बार इस मुद्दे को उठाया था। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि कई नेताओं और अर्थशास्त्रियों ने बार-बार इन गलतियों को सुधारने की मांग की थी। अब कम से कम सरकार ने यह मान लिया।

जीडीपी का 0.05 प्रतिशत नुकसान हो सकता है : बर्नस्टीन

नई दिल्ली। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा घोषित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में व्यापक बदलावों का सार्वजनिक वित्त पर मामूली प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि केंद्र पर केवल 18,000 करोड़ रुपए का राजकोषीय बोझ पड़ने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वित्त वर्ष 26 के लिए भारत के अनुमानित जीडीपी का केवल 0.05 प्रतिशत है।

कांग्रेस ने इथेनॉल नीति पर मोदी सरकार को घेरा

'वोट चोरी' की तरह 'पेट्रोल चोरी' की गई

गडकरी के बेटों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को इथेनॉल नीति पर बीजेपी और मोदी सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि इथेनॉल से संबंधित सरकार की नीति से सीधे तौर पर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के बेटों की कंपनियों को फायदा हुआ और इस नीति के जरिए 'वोट चोरी' की तरह 'पेट्रोल चोरी' की गई है। पवन खेड़ा ने यह सवाल भी किया कि क्या लोकपाल 130वें संविधान संशोधन विधेयक के पारित होने से पहले गडकरी और उनके बेटों पर लगे आरोपों की जांच करने का साहस करेगा?

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, गडकरी के दोनों पुत्र इथनॉल को लेकर पिता की नीतियों के बल पर जबरदस्त कमाई कर रहे हैं। उनके पुत्रों की कंपनियों से सबसे ज्यादा इथनॉल की आपूर्ति हो रही है और पिता द्वारा बनाई गई पॉलिसी पर बेटे पैसा बना रहे हैं। उनकी दोनों कंपनियों का राजस्व 2024 में 55 करोड़ रुपए था जो बढ़कर अब 1361 करोड़ रुपए हो गया है।

मणिपुर में शांति बहाली के लिए समझौते पर हस्ताक्षर

कुकी-जो परिषद राष्ट्रीय राजमार्ग-दो को खोलेगी

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। मणिपुर में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में उग्रवादी संगठन कुकी-ज़ो परिषद (केजेडसी) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को यात्रियों और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आवाजाही के लिए खोलने तथा वहां तैनात सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करने का निर्णय लिया है। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि यह निर्णय कुकी-जो और उसके अधिकारियों के बीच सिलसिलेवार बैठकों के बाद लिया गया। गृह मंत्रालय, मणिपुर सरकार और कुकी राष्ट्रीय संगठन (केएनओ)-यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक के बाद एक समझौते एसओओ पर भी हस्ताक्षर किए गए।

उपलब्धि | यूनिवर्सिटी में आईआईएससी और कॉलेजों में हिंदू कॉलेज टॉप पर

एनआईआरएफ रैंकिंग में आईआईटी मद्रास फिर नंबर वन

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)-2025 रैंकिंग जारी की। शिक्षा मंत्रालय की इस रैंकिंग में ओवरऑल रैंकिंग और इंजीनियरिंग संस्थानों में आईआईटी मद्रास ने पहला स्थान हासिल किया है। अगर मैनेजमेंट संस्थानों की बात करें तो यहां आईआईएम अहमदाबाद टॉप पर है।

वहीं, कॉलेजों की रैंकिंग में दिल्ली विश्वविद्यालय का हिंदू कॉलेज पहले स्थान पर है। मेडिकल कॉलेजों की रैंकिंग में नई दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एम्स) नंबर वन है। यूनिवर्सिटी रैंकिंग में आईआईएससी बेंगलुरु टॉप पर है। यह रैंकिंग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जारी की। इस रैंकिंग में बीते वर्ष की ही तरह इस साल भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान यानी आईआईटी मद्रास का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। आईआईटी मद्रास ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। इंजीनियरिंग श्रेणी में आईआईटी मद्रास ने लगातार 10वें वर्ष प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं, ओवरऑल रैंकिंग की श्रेणी में आईआईटी मद्रास को लगातार 7वीं बार शीर्ष स्थान हासिल हुआ है। इसके अलावा इनोवेशन की श्रेणी में इस वर्ष आईआईटी मद्रास को प्रथम स्थान मिला है। सस्टेनेबिलिटी डेवलपमेंट गोल्स श्रेणी, जो इस वर्ष पहली बार शामिल की गई, उसमें भी आईआईटी मद्रास को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

■ मैनेजमेंट संस्थानों में आईआईएम अहमदाबाद टॉप पर

■ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जारी की रैंकिंग

'लगातार टॉपर बने रहना एक टीम प्रयास'

आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी कामकोटि ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, लगातार टॉपर बने रहना एक सामूहिक, संगठित और केंद्रित टीम प्रयास का परिणाम है। हम ईश्वर के प्रति आभार प्रकट करते हैं कि हमें इतनी शानदार टीम मिली।

देश

उवाच “ अमर्यादित भाषा को कभी जस्टिफाई नहीं किया जा सकता है। कहा कि राजनीति में भारतीय भाषाओं की यही खूबसूरती है कि आप कोई भी बात मर्यादित ढंग से बोल सकते हैं। लेकिन, अपशब्द को कभी जायज नहीं ठहराया जा सकता है: **चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.0	21.0
मुंबई	31.0	24.0
कोलकाता	32.0	26.0
चेन्नई	34.0	27.0

जीएसटी सुधार को लेकर खरगे का सरकार पर वार, बोले

देश के इतिहास में पहली बार किसानों पर लगा टैक्स

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को जीएसटी सुधार को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार किसानों पर टैक्स लगा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कृषि क्षेत्र की कम से कम 36 वस्तुओं पर जीएसटी लगाया था। इसीलिए हमने भाजपा के इस जीएसटी को 'गब्बर सिंह टैक्स' का नाम दिया।

खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और लिखा, 'कांग्रेस पार्टी ने अपने 2019 और 2024 के घोषणा पत्रों में सरल और तर्कसंगत कर व्यवस्था के साथ जीएसटी 2.0 की मांग की थी। हमने जीएसटी के जटिल कंप्लायंस को भी सरल बनाने की मांग की थी, जिससे एमएसएमई और छोटे व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुए थे। 28 फरवरी 2005 को कांग्रेस-यूपीए सरकार ने लोकसभा में जीएसटी की औपचारिक घोषणा की थी। 2011 में ही जब तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी जीएसटी बिल लेकर आए थे तब भाजपा ने इसका विरोध किया था। उस समय नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उन्होंने भी जीएसटी का विरोध किया था। आज यही भाजपा सरकार रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन का जश्न मनाती है, जैसे कि आम जनता से टैक्स वसूलकर उसने कोई बहुत बड़ा काम किया हो।' उन्होंने आगे लिखा, 'देश के इतिहास में पहली बार किसानों पर टैक्स लगाया गया है। इस मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र की कम से कम 36 वस्तुओं पर जीएसटी लगाया था। दूध-दही, आटा-अनाज, यहां तक कि बच्चों की पेंसिल-किताबें, ऑक्सीजन, इंशोरेशन और

कांग्रेस-यूपीए सरकार ने लोकसभा में जीएसटी की औपचारिक घोषणा की थी। 2011 में ही जब तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी जीएसटी बिल लेकर आए थे तब भाजपा और नरेंद्र मोदी ने जीएसटी का विरोध किया था। आज यही भाजपा सरकार रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन का जश्न मनाती है: **मल्लिकार्जुन खरगे**

अस्पताल के खर्च जैसी रोज इस्तेमाल करने वाले वस्तुओं पर भी जीएसटी लगाया गया। इसीलिए हमने भाजपा के इस जीएसटी को 'गब्बर सिंह टैक्स' का नाम दिया। कुल जीएसटी का दो-तिहाई यानी 64 प्रतिशत हिस्सा गरीबों और मध्यम वर्ग की जेब से आता है, लेकिन अरबपतियों से केवल 3 प्रतिशत जीएसटी लिया जाता है, जबकि कॉर्पोरेट टैक्स की दर 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दी गई है। वहीं, पिछले 5 वर्षों में इनकम टैक्स वसूली में 240 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और जीएसटी वसूली में 177 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।'

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आखिर में लिखा, 'ये अच्छा है कि सरकार की 8 वर्ष देर से ही सही जीएसटी पर कुंभकर्णी नींद खुली और उन्होंने जागकर रेट रेशनलाइजेशन की बात की है। सभी राज्यों को 2024-25 को आधार वर्ष मानकर 5 वर्षों की अवधि के लिए कंपनसेशन दिया जाए, क्योंकि दरों में कटौती से उनके राजस्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है।'

जीएसटी 2.0 पर जयराम रमेश का सवाल, 'क्या परिषद एक औपचारिकता रह गई है?'

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने जीएसटी 2.0 को लेकर केंद्र सरकार की हालिया घोषणाओं पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से जीएसटी 2.0 की वकालत करती रही है। मैं पूछता हूं कि क्या जीएसटी परिषद अब केवल एक औपचारिकता बनकर रह गई है? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लंबे समय से जीएसटी 2.0 की वकालत करती रही है, जो दरों की संख्या घटाए, बड़े पैमाने पर उपभोग होने वाली वस्तुओं पर टैक्स की दरें कम करे, टैक्स चोरी, गलत वर्गीकरण और विवादों को न्यूनतम करे, इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर (जहां इनपुट पर आउटपुट की तुलना में अधिक टैक्स लगता है) समाप्त करे, एमएसएमई पर प्रक्रियागत नियमों का बोझ कम करे और जीएसटी के दायरे का विस्तार करे। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कल शाम संवैधानिक निकाय जीएसटी परिषद की बैठक के बाद बड़े ऐलान किए। हालांकि, जीएसटी परिषद की बैठक से पहले ही प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2025 के अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में इसके निर्णयों की सारगर्भित घोषणा कर दी थी। क्या जीएसटी परिषद अब केवल एक औपचारिकता बनकर रह गई है? जयराम रमेश ने जीएसटी 1.0 पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, निजी खपत में कमी, निजी निवेश की सुस्त दरें और अंतहीन वर्गीकरण विवादों के बीच केंद्र सरकार को अब मानना पड़ा है कि जीएसटी 1.0 अपनी अंतिम सीमा तक पहुंच चुका है। दरअसल, जीएसटी 1.0 की डिजाइन ही त्रुटिपूर्ण थी और कांग्रेस ने जुलाई 2017 में ही इस पर ध्यान दिला दिया था, जब प्रधानमंत्री ने अपना यू-टर्न लेकर इसे लागू करने का निर्णय लिया था।

'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लंबे समय से जीएसटी 2.0 की वकालत करती रही है, जो दरों की संख्या घटाए, बड़े पैमाने पर उपभोग होने वाली वस्तुओं पर टैक्स की दरें कम करें, टैक्स चोरी, गलत वर्गीकरण और विवादों को न्यूनतम करें: **जयराम रमेश, कांग्रेस नेता**

प्राकृतिक आपदाओं पर मायावती की प्रतिक्रिया, बोलीं

केंद्र और राज्य सरकारें मानवीय रुख अपनाएं

लखनऊ, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने देश के कई हिस्सों में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से उत्पन्न हालात पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इन आपदाओं के कारण पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, असम सहित कई राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रों में जान-माल और पशुधन की भारी क्षति हो रही है। साथ ही गुरुग्राम और नोएडा जैसे शहरी इलाकों में जलभराव की समस्या ने करोड़ों लोगों की जिंदगी को प्रभावित किया है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि इन कठिन हालातों में जनता को भारी परेशानियों और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद के लिए आम लोगों की तरफ से स्वयं आगे आने की खबरें और तस्वीरें संतोषजनक हैं और यह मानवता की भावना को दर्शाता है।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि वे इस आपदा के समय अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाएं और पीड़ितों की हर संभव सहायता करें। मायावती ने कहा कि सरकारों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए तत्काल राहत पहुंचाने के लिए कदम उठाने चाहिए।

बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी बसपा

मोतिहारी। बहुजन समाज पार्टी ने इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ी घोषणा की है। बसपा ने पूरी ताकत से चुनावी मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया है। बसपा के बिहार प्रभारी अनिल कुमार ने गुरुवार को पूर्वी चंपारण के मुख्यालय मोतिहारी में कार्यकर्ताओं के साथ एक अहम बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस बार बसपा राज्य की सभी 243 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि न एनडीए और न ही महागठबंधन से कोई समझौता किया जाएगा। अनिल कुमार ने कहा कि जनता अब दोनों बड़े गठबंधनों से तंग आ चुकी है। उन्होंने कहा, 'एनडीए और महागठबंधन दोनों ने जनता से सिर्फ झूठे वादे कर उन्हें ठगने का काम किया है। अब बिहार की जनता बदलाव चाहती है और वह बदलाव बहुजन समाज पार्टी लेकर आएगी।'

सार संक्षेप

भाजपा की नौटंकी नहीं चलेगी, बिहार बंद पूरी तरह असफल : संजय यादव

पटना। सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की तरफ से बुलाए गए 'बिहार बंद' का प्रदेशभर में असर देखा गया है। पटना समेत कई शहरों में सुबह से ही एनडीए कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और विरोध-प्रदर्शन किया। यह बंद कांग्रेस-राजद के मंच से प्रधानमंत्री के खिलाफ दिए गए आपत्तिजनक बयान के विरोध में बुलाया गया। इसी बीच, राजद सांसद संजय यादव ने दावा किया कि यह बंद पूरी तरह से असफल रहा और बिहार की जनता ने साफ संदेश दे दिया है कि राज्य में भाजपा का कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता भी मर्यादा का पालन नहीं करते हैं। क्या उनके बयान सनातन के मंत्रोच्चार हैं? अगर उनकी पार्टी का कोई व्यक्ति कुछ कहे तो इसके लिए विपक्ष को दोषी ठहराया जाता है। यह दोहरापन अब नहीं चलेगा।

बिहार चुनाव में हार देखकर सरकार ने किया जीएसटी स्लैब में बदलाव : तनुज पुनिया

लखनऊ। कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने केंद्र सरकार के जीएसटी स्लैब में बदलाव के फैसले को बिहार चुनाव से जोड़ा है। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि मौजूदा समय में भाजपा को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में हार की आशंका नजर आ रही है। उन्हें इस बात का एहसास हो चुका है कि वो बिहार इलेक्शन में हारने जा रहे हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने जीएसटी स्लैब में कटौती करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर हम केंद्र सरकार की ओर से जीएसटी स्लैब में किए गए बदलाव के फैसले का स्वागत करते हैं, लेकिन, बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह फैसला आठ साल बाद क्यों लिया गया?।

झूठ और फरेब की राजनीति करती है भाजपा : शक्ति सिंह गोहिल

उधम सिंह नगर। कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ किए गए अभद्र भाषा के इस्?तेमाल को लेकर भाजपा के हमलों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी उस समय मंच पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ और फरेब की राजनीति करती है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि यह भारतीय जनता पार्टी नहीं बल्कि 'बड़का झूठी पार्टी' है। उन्होंने कहा कि न तो राहुल गांधी ने मंच से ऐसा कुछ बोला है और ना ही राहुल गांधी उस वक्त मंच पर थे, जिस वक्त की भारतीय जनता पार्टी के लोग बात कह रहे हैं।

नीतीश ने सारण में 1203.81 करोड़ रुपए लागत की 27 योजनाओं का किया शिलान्यास

पटना, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को सारण जिले में 1203.81 करोड़ रुपए लागत की 27 योजनाओं का शिलान्यास किया। श्री कुमार ने छपरा के रतनपुर बिन टोलिया स्थित कार्यक्रम स्थल से सारण जिला अंतर्गत प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं से संबंधित 1203.81 करोड़ रुपए लागत की 27 योजनाओं का शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत 545 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से 400 / 220 / 132 के.बी. ग्रिड उपकेंद्र, छपरा एवं 132 के.बी. के संचरण लाइन का निर्माण कार्य, 60 करोड़ एक लाख रुपए लागत की एच.टी.एल.एस द्वारा रिकन्डक्टरिंग का कार्य, 93 करोड़ 62 लाख रुपए लागत की एकमा - मशरख पथ का चौड़ीकरण कार्य एवं 41 करोड़ 66 लाख रुपए लागत की एकमा से डुमाइगढ़ तक पथ का चौड़ीकरण कार्य शामिल है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने छपरा के जगदम कॉलेज से खैरा बिन टोलिया तक किये जा रहे सड़क के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया

इसके अलावा इसके अंतर्गत 89 करोड़ 96 लाख रुपए लागत की एन0एच0 19 के छूटे हुए छपरा सेक्शन पथ का चौड़ीकरण कार्य, 40 करोड़ 53 लाख रुपये लागत की खैरा बिन टोलिया पथ का चौड़ीकरण कार्य तथा सात करोड़ 17 लाख रुपए की लागत से एकमा ग्रिड उपकेंद्र, शीतलपुर ग्रिड उपकेंद्र एवं मशरख ग्रिड उपकेंद्र में कुल पांच अदद 33 के.बी लाइन 'बे के निर्माण कार्य सहित अन्य योजनाओं का शिलान्यास कार्य शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने विकासात्मक योजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने से पहले छपरा के जगदम कॉलेज से खैरा बिन टोलिया तक किये जा रहे सड़क के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस सड़क चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण होने से छपरा में ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा। बिन टोलिया के पास बन रहे नए बस स्टैंड से रोड कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में बोले मोदी

आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से लड़ना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं भारत के लोगों के प्रति संवेदना और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में समर्थन के लिए सिंगापुर के प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद को लेकर हमारी समान चिंताएं हैं। हम मानते हैं कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से लड़ना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों के प्रति संवेदना और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में समर्थन के लिए, मैं प्रधानमंत्री वॉन्ग और सिंगापुर सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।

संयुक्त प्रेस वार्ता में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र किया

आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से लड़ना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में समर्थन के लिए सिंगापुर के प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करता हूं: **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

उन्होंने कहा कि पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री वॉन्ग की पहली भारत यात्रा पर, मैं उनका हार्दिक स्वागत करता हूं। ये यात्रा और भी विशेष है, क्योंकि इस वर्ष हम दोनों देशों के संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। पिछले साल, मेरी सिंगापुर यात्रा के दौरान, हमने संबंधों को कंप्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा दिया था। इस एक वर्ष में हमारे संवाद और सहयोग में गति और गहराई आई है। आज साउथ ईस्ट एशिया क्षेत्र में सिंगापुर हमारा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। सिंगापुर से भारत में बड़े स्तर पर निवेश हुआ है। हमारे रक्षा संबंध निरंतर मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हमने अपनी पार्टनरशिप के भविष्य के लिए एक डिटेल्ड रोडमैप तैयार किया है। हमारा सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा। बदलते समय के अनुरूप, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन शिपिंग, स्किलिंग, सिविल न्यूक्लियर और अर्बन वाटर मैनेजमेंट जैसे क्षेत्र भी हमारे सहयोग के केंद्र बिंदु बनेंगे। हमने निर्णय लिया है कि आपसी व्यापार को गति देने के लिए द्विपक्षीय कंप्रिहेंसिव इकोनॉमिक कोऑपरेशन एग्रीमेंट और आसियान के हमारे फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का समयबद्ध तरीके से रिव्यू किया जाएगा।

विदेशी सैन्य अताशे संग संवाद में बोले सेना प्रमुख द्विवेदी, रक्षा कूटनीति को मिली नई दिशा

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में विदेशी सैन्य अताशे से सीधा संवाद किया। भारतीय सेना द्वारा आयोजित इस वार्षिक विदेशी सेवा सैन्य अताशे ब्रीफिंग में 53 देशों के 67 रक्षा अताशे शामिल हुए।

■ भारतीय सेना द्वारा आयोजित इस वार्षिक विदेशी सेवा सैन्य अताशे ब्रीफिंग में 53 देशों के 67 रक्षा अताशे शामिल हुए

इस संवाद का उद्देश्य समकालीन वैश्विक शांति एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श करना और इस विषय पर भारत के दृष्टिकोण को साझा करना था। इस अवसर पर विदेशी रक्षा अताशे को 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के अंतर्गत रक्षा क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों और स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता की जानकारी भी दी गई। सेना प्रमुख ने इस दौरान क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उभर रही चुनौतियों, भारत की सुरक्षा दृष्टि और भारतीय सेना की रणनीतिक प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह रेखांकित किया कि भारत केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और सहयोग को बढ़ावा देने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। भारतीय सेना का मानना है कि यह संवाद विभिन्न देशों के साथ आपसी समझ, विश्वास और सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।

आतंकी वित्तपोषण मामला

सुप्रीम कोर्ट का अलगाववादी नेता शब्बीर शाह को अंतरिम जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कथित आतंकवाद वित्तपोषण मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को अंतरिम जमानत पर तत्काल रिहा करने का आदेश देने से इनकार कर दिया। हालांकि, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने शाह द्वारा जमानत की मांग करते हुए दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की राय मांगी है। शब्बीर अहमद शाह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ने मांग कि थी कि शाह 'बेहद बीमार' हैं, उन्हें अंतरिम ज़मानत पर रिहा किया जाना चाहिए।

इससे पहले, दिल्ली उच्च न्यायालय ने शाह की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि एक गैरकानूनी संगठन के अध्यक्ष के रूप में, वह इसी तरह की गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे और सबूतों से छेड़छाड़ करने या उन गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास कर सकते हैं, जिनकी अभी जांच होनी बाकी है।

इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि एक गैरकानूनी संगठन के अध्यक्ष के रूप में, वह इसी तरह की गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे और सबूतों से छेड़छाड़ करने या उन गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास कर सकते हैं: **सुप्रीम कोर्ट**

न्यायमूर्ति शैलेंद्र कौर और न्यायमूर्ति नवीन चावला की पीठ ने मुकदमे में देरी के आधार पर जमानत पर रिहाई की याचिका खारिज करते हुए कहा। 'हालांकि अपीलकर्ता (शाह) पांच साल से हिरासत में है, लेकिन आरोप पहले ही तय हो चुके हैं और मुकदमा चल रहा है। अभियोजन पक्ष की ओर से गवाहों से पूछताछ न करने में कोई देरी नहीं हुई है।' इसके अलावा, न्यायमूर्ति कौर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि शाह के खिलाफ गंभीर आरोपों और संबंधित मुद्दों की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए, घर में नज़रबंदी की उनकी वैकल्पिक याचिका पर विचार करने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

हड़ताल पर रहे हजारों सर्वे कर्मियों की सेवा समाप्त, अब होगी नई बहाली

पटना, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। बिहार सरकार ने हड़ताल पर बैठे विशेष सर्वे संविदा कर्मियों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए उनकी सेवा समाप्त कर दी है। भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय ने स्पष्ट किया कि बार-बार की गई अपील और चेतावनी के बावजूद बड़ी संख्या में कर्मी ड्यूटी पर वापस नहीं लौटे, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय द्वारा पूर्व में प्रकाशित सूचना के माध्यम से हड़ताल/धरना प्रदर्शन कर रहे विशेष सर्वे संविदा कर्मियों से कर्तव्य पर वापस लौटने की अपील समाचार पत्रों, विभाग के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स एवं निदेशालय के वेबसाइट के माध्यम से की गई थी। साथ ही इस हेतु पूर्व में पुनः एक और अंतिम अवसर देते हुये कर्तव्य पर वापस लौटने हेतु अवसर दिया गया था। निर्धारित तिथि एवं समय तक कुल 3295 संविदा कर्मियों द्वारा कर्तव्य पर वापस लौटकर कार्य किया जा रहा है। शेष सभी हड़ताल पर बने हुये संविदा कर्मियों की संविदा भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय द्वारा समाप्त कर दी गई है, जिसका आदेश निर्गत किया जा रहा है।

योजना — रेलवे द्वारा 40 किमी लंबे बारामुल्ला-उड़ी रेल संपर्क का होगा विस्तार

73 किमी लंबे काजीगुंड-बडगाम रेलखंड के दोहरीकरण को मंजूरी

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। रेल मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर के लिए दो बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिनमें एक नई बारामुल्ला-उड़ी रेलवे लाइन और काजीगुंड-बडगाम रेलखंड का दोहरीकरण शामिल है।

जारी एक बयान के अनुसार, 40.2 किमी लंबी बारामुल्ला-उड़ी लाइन, कमान पोस्ट के पास सीमावर्ती शहर उरी तक रेल संपर्क का विस्तार करेगी।

बयान में कहा गया है कि यह परियोजना, जिसमें तीन रोड अंडर ब्रिज और नौ रोड ओवर ब्रिज शामिल हैं, सर्दियों के दौरान सड़क अवरोधों से ग्रस्त क्षेत्र में हर मौसम में पहुंच प्रदान करेगी।

यह परियोजना सुरक्षा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बारामुल्ला और उड़ी तहसीलों में एलओसी के पास प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठान स्थित हैं। इस लाइन को एक नए सिंगल ब्राड-गेज ट्रैक के रूप में विकसित किया जाएगा और इसके लिए नए सिरे से भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता होगी।

■ यात्रियों की संख्या में वृद्धि और माल ढुलाई के नए रास्ते खुलेंगे
■ यह परियोजना सुरक्षा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है
■ नए सिरे से भूमि अधिग्रहण किया जाएगा

बयान में आगे कहा गया है कि 73.50 किमी लंबी काजीगुंड-बडगाम दोहरीकरण परियोजना की योजना बारामुल्ला तक मौजूदा सिंगल लाइन पर भीड़भाड़ कम करने के लिए बनाई गई है।

इसमें कहा गया है कि कटड़ा-बनिहाल खंड के 2025 में चालू होने के साथ, कश्मीर रेल गलियारा राष्ट्रीय नेटवर्क के साथ पूरी तरह से एकीकृत हो जाएगा, जिससे यात्रियों की संख्या में वृद्धि और माल ढुलाई के नए रास्ते खुलेंगे। इस दोहरीकरण से सैनिकों और उपकरणों को ले जाने वाली सैन्य विशेष ट्रेनों का भी सुचारू संचालन संभव होगा।

उल्टा पुल्टा

पत्रकार : 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है?

बूढ़ा व्यक्ति : बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमैन के कार्यक्रम में हुए शामिल, कहा

कांग्रेस कर्मचारियों के संघर्ष में सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध

कांग्रेस ने रेलवे कर्मचारियों कि हक की लड़ाई में उनका साथ देने का दिया आश्वासन

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमैन के राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्मिलित हुए। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमैन कांग्रेस समर्थित इंटक का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि देश भर के 10 हजार से अधिक यहां राष्ट्रीय अधिवेशन में पहुंचे रेलवे कर्मचारियों सहित फेडरेशन पदाधिकारियों का मैं स्वागत करता हूं और आपके संघर्ष में साथ खड़े होकर कांग्रेस पार्टी आपका सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्र की गलत नीतियों के कारण रेलवे कमजोर बन संस्था बन गया है : देवेंद्र यादव, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जन नेता राहुल गांधी और कांग्रेस की सोच हर देश के गरीब, एससी/एसटी और पिछड़ों की हर संभव मदद करने की रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने आपके राष्ट्रीय अधिवेशन में निमंत्रण के लिए संदेश भेजा है जिसको पढ़कर सुनाया गया कि 1.3 मिलीयन रेलवे परिवार जो देश की रीढ़ की हड्डी है। लेकिन सरकार ने आपको मजबूत बनाने के लिए कुछ नहीं किया है। रेलवे के निजीकरण और कर्मचारियों की कांट्रेक्ट पर भर्ती करके देश को नुकसान पहुंचा रहे है। जबकि रेलवे करोड़ों लोगों के सुविधाजनक ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था है। कोविड के दौरान जान गंवाने वाले हजारां रेलवे कर्मचारियों को मुआवजा तक नही दिया गया। प्रभावित लोगों को मानवता के आधार पर मुआवजा भी दिया जाना चाहिए। मौजूदा केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण रेलवे कमजोर बन संस्था बन गया है। हमें एकजुट होकर रेलवे कर्मचारियों की मांगों और सुविधाओं, निजीकरण और कांटेक्ट भर्तियों के खिलाफ आवाज उठानी होगी। उत्तरी रेलवे मजदूर यूनियन द्वारा अधिवेशन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दी।

जब राहत कैंपों को राहत की जरूरत पड़े तो जनता को क्या मदद मिलेगी : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में यमुना ने रौद्र रुप धारण कर लिया है और पानी खादर में उफान पर बह रहा है। उन्होंने कहा कि भयानक रुप ले रही यमुना से तटीय क्षेत्रों और सड़कों तक पहुंचे पानी से राहत दिलाने के लिए राहत कैंप पर्याप्त मात्रा में नही लगाए है और जो राहत कैंप लगाएं है उन्हे व्यवस्थित तरीके से नही लगाए गए है। शायद भाजपा सरकार के पास अनुभव की कमी रही। यही कारण है कि राहत कैंप कहा और किन सुविधाओं के साथ लगाने थे, वो कुछ राहत कैंपों में दिखाई नही दे रहा है। राहत शिविरों में खाने सहित दूसरी सुविधाओं की भारी कमी है। हजारों लोग बाढ़ से प्रभावित हो रहे है। यादव ने कहा कि हमने 31 अगस्त को चेताया था कि बाढ़ से निपटने और लोगों को बचाने के जो काम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में किए जा रहे है वो नाकाफी है, लेकिन सरकार ने दिल्ली कांग्रेस की चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया जिसका हर्जाना दिल्ली की जनता भुगत रही है। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत की घोषणा तो की है लेकिन सरकार द्वारा लोगों के लिए राहत कैंप को सिर्फ औपचारिकता पूरी करने के लिए टैंट लगाए है।

दिल्ली-एनसीआर में अब खूनी हो रही रेलवे की पटरियां

■ डॉ. कला अय्यर

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। भारत में रेलवे सबसे सस्ता, साधारण और सबसे सुरक्षित साधन है एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए। इसलिए आप देखेंगे कि भारत के हर किसी राज्य में रेल की पटरियों का एक पूरा जाल बिछा ही हुआ होता है और ऐसा ही कुछ दिल्ली-एनसीआर में भी है। लेकिन दिल्ली-एनसीआर की यह रेलवे की पटरियां अब खूनी हो रही हैं। दरअसल रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) के एक डाटा के मुताबिक 2023 से 2025 जून अब तक, दिल्ली-एनसीआर की रेलवे पटरियों पर 1,321 शव पाए गए हैं।

दो सालों के बीच दिल्ली-एनसीआर में रेलवे पटरियों पर 1321 मौतें हुई

आरपीएफ के डाटा के मुताबिक 2023 और 2025 के बीच, ट्रेन की पटरियों पर मौत की संख्या में वृद्धि देखी गई है। 2023 में, रेलवे अधिकारियों ने रेलवे ट्रैकों से 533 शव उठाए, जबकि अगले वर्ष 2024 में, यह आंकड़ा बढ़कर 548 हो गया। वहीं इस साल 2025 के जून महीने तक, 240 शव पहले ही मिल चुके हैं। आरपीएफ का यह भी कहना है कि इन घटनाओं में रेलवे के पांच स्ट्रेच सबसे अधिक जुड़े हुए हैं, जहां सबसे अधिक शव मिले हैं, जिसमें फरीदाबाद स्टेशन, दिल्ली शाहदारा जंक्शन, आदर्श नगर रेलवे स्टेशन, गुड़गांव रेलवे स्टेशन और रोहतक रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

शॉर्टकट लेकर रास्ता टापने के अलावा, ट्रेन के दरवाजे के पास बैठे व्यक्ति किसी न किसी दुर्घटना की चपेट में आकर जान गंवाने में शामिल हैं : आरपीएफ

आरपीएफ के अनुसार, इनमें से अधिकांश घटनाएं तब हुई जब कुछ व्यक्ति शॉर्टकट लेने की कोशिश कर रहे थे। आरपीएफ का कहना था कि उन्होंने कुछ लोग पकड़े भी हैं जो रेलवे ट्रैक के साथ-साथ चल रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि वो ऐसा क्यों कर रहे हैं तो उनका कहना था कि वह टाइम बचाने के लिए शॉर्टकट ले रहे थे। वहीं रेलवे अधिकारियों ने यह बताया कि शॉर्टकट लेकर रास्ता टापने के अलावा, खुली ट्रेन के दरवाजे या गेट्स के पास बैठे व्यक्ति किसी न किसी दुर्घटना की चपेट में आकर जान गंवाने में शामिल हैं। वहीं उनका यह भी कहना था कि इसमें एक बहुत बड़ा कारण आत्महत्या भी है। वहीं आरपीएफ ने बताया की अब रेलवे पटरियों के अनधिकृत क्रॉसिंग पर अंकुश लगाने के लिए, विशेष रूप से पांच स्ट्रेचों पर, अधिकारियों ने रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत प्रवर्तन उपायों को तेज कर दिया है। जो रेलवे परिसर में पाए गए व्यक्तियों को दंडित करता है। वहीं क्रैकडाउन के हिस्से के रूप में, रेलवे पटरियों को पार करने के खतरों और फुट ओवरब्रिज और नामित मार्गों का उपयोग करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं का आयोजित किया जा रहा है।

एनसीपी महिला मोर्चे की प्रदेश अध्यक्ष बनीं पूजा कुमारी

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एनसीपी लगातार विभिन्न प्रदेशों में अपना विस्तार कर रही है। इसी कड़ी में एनसीपी ने दिल्ली में राष्ट्रवादी महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्षा के रूप में पूजा कुमारी, अधिवक्ता, दिल्ली उच्च न्यायालय को नियुक्त किया है।

नियुक्ति पत्र देते हुए बृजमोहन श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता, राकांपा ने कहा कि हमे पूरा विश्वास है कि अधिवक्ता पूजा कुमारी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगी और महिलाओं की हक की लड़ाई लड़ेंगी। इस अवसर पर एनसीपी के वरिष्ठ नेता चंदन बोस एनसीपी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, एडवोकेट सेल के अध्यक्ष तेज़ सिंह वरुण भी उपस्थित थे। इस अवसर पर पूजा कुमारी, ने कहा कि 27 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी राकांपा द्वारा राष्ट्रवादी महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर अत्यंत सम्मानित और विनम्र महसूस कर रही हूं। यह नियुक्ति बृजमोहन श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता, वीरेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली की अनुशंसा पर, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल के आशीर्वाद और मार्गदर्शन में की गई है।

जीएसटी में बदलाव देश की अर्थव्यवस्था में मील का पत्थर साबित होंगे : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जीएसटी काउंसिल के नए सुधार भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाले हैं और आने वाले वर्षों में यह मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी को पूरी तरह से शून्य करने को भी एक ऐतिहासिक कदम बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली के नागरिक इन सुधारों का हृदय से स्वागत करते हैं। उन्होंने आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन निर्णयों से आम नागरिक को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अब हर नागरिक स्वतंत्र रूप से अपना जीवन बीमा ले सकेगा, अपनी जिंदगी को मूल्य दे सकेगा। यह कदम न केवल आर्थिक सुरक्षा देगा बल्कि सामाजिक न्याय को भी सशक्त करेगा। शिक्षा क्षेत्र में राहत की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शैक्षणिक सामग्री पर जीएसटी खत्म करना विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए बहुत बड़ी राहत है। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षा सस्ती और सुलभ होगी तथा हर बच्चा बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकेगा। नए बदलावों में देश के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

यह कदम न केवल आर्थिक सुरक्षा देगा, बल्कि सामाजिक न्याय को भी सशक्त करेगा : रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि कृषि क्षेत्र और नवीकरणीय ऊर्जा पर दी गई जीएसटी छूट से देश और दिल्ली दोनों को व्यापक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार लंबे समय से सौर ऊर्जा और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है और यह निर्णय उन प्रयासों को नई गति देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काउंसिल की बैठक में प्रत्येक बिंदु पर गहन विचार-विमर्श के बाद जो फैसले लिए गए, वे न केवल दूरदर्शी हैं बल्कि देश की आर्थिक विकास यात्रा में बेहद मजबूत कदम साबित होंगे। मुख्यमंत्री के अनुसार यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस इस विषय को भी राजनीति से जोड़ रही है। यह समय राजनीति करने का नहीं, बल्कि देश और नागरिकों के हित में उठाए गए इन कदमों का समर्थन करने का है।

प्रधानमंत्री मोदी की माताजी के प्रति अभद्र भाषा के विरुद्ध भाजपा ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री मोदी की माताजी को अभद्र भाषा व गली देने के विरुद्ध भाजपा शाहदरा ज़िला अध्यक्ष दीपक मदनलाल गाबा के नेतृत्व में विकास मार्ग शकरपुर पर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के खिलाफ प्रचण्ड प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया गया। जिसमें भाजपा शाहदरा ज़िला अध्यक्ष दीपक मदनलाल गाबा ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है लेकिन माताओं और बहनों के सम्मान से समझौता करना हमारी परंपरा और संस्कारों के विपरीत है। विश्व प्रसिद्ध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताजी के बारे में गाली देना या अपमानजनक शब्द कहना केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे समाज की भावनाओं को आहत करता हैं। ऐसी टिप्पणी लोकतांत्रिक विमर्श को कमज़ोर करती हैं।

भाजपा ने किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के आवाहन पर प्रदेश के 11 संगठनात्मक जिलों के प्रमुख स्थानों पर कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की स्वर्गीय माताजी के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन में सांसद, विधायक, निगम पार्षद सहित प्रदेश, जिला और मंडल के कई पदाधिकारी भी विभिन्न स्थानों पर शामिल हुए। चांदनी चौक जिला अध्यक्ष अरविंद गर्ग के नेतृत्व में सदर थाना चौक पर हुए विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से सांसद प्रवीन खंडेलवाल, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, जिला प्रभारी राजेश भाटिया सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

पुलिस ने शातिर ऑटो लिफ्टर को पकड़ा, दो बाइक व चाकू बरामद

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने नंद नगरी थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान एक शातिर ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से चोरी की दो मोटरसाइकिलें और एक बटन वाला चाकू बरामद किया गया है। आरोपी का नाम अरुण उर्फ विकास उर्फ बिच्छी (25) है, जो नंद नगरी का ही रहने वाला है।

दरअसल, एसआई सुभाष और कॉन्स्टेबल जितेंद्र बुधवार को शाम लगभग 6 बजे इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक मुखबिर से सूचना मिली कि चौर खंबा रेड लाइट, डिस्ट्रिक्ट पार्क के पास एक ऑटो लिफ्टर आने वाला है। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक युवक को मोटरसाइकिल पर पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से एक बटनदार चाकू मिला।

जांच में पाया गया कि आरोपी जिस मोटरसाइकिल (नंबर डीएल13एसवी5339) पर सवार था, वह थाना ज्योति नगर इलाके से चोरी की गई थी। आरोपी की निशानदेही पर शाहदरा से चोरी की गई एक और मोटरसाइकिल (नंबर डीएल12एसए9955) भी बरामद की गई।

■ **आरोपी ने अपने अपराध कबूल कर अन्य वारदातों में शामिल होने की भी जानकारी दी**

पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने अपराध कबूल कर लिए और अन्य वारदातों में शामिल होने की भी जानकारी दी। पुलिस सत्यापन में यह भी सामने आया कि अरुण पहले भी चोरी और एनडीपीएस एक्ट से जुड़े तीन मामलों में शामिल रह चुका है।

नंद नगरी थाने में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं 25/54/59 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

इससे पहले, दिल्ली के रघुबीर नगर थाना ख्याला की पुलिस ने एक ठगबाज को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान मोहम्मद परवेज, पुत्र नासिर मलिक, निवासी पुराना मुस्तफाबाद, दिल्ली के रूप में हुई है। उसके पास से अपराध में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। घटना 30 अगस्त को हुई थी, जब शिकायतकर्ता से शिवाजी एन्क्लेव के पास दो मोटरसाइकिल सवारों ने ठगी की थी। उन्होंने शिकायतकर्ता का मोबाइल फोन कांच के टुकड़े से बदलकर धोखाधड़ी की।

गैलरी निफ़ा प्रस्तुत करती है 'सोलमेट'

नई दिल्ली। 'सोलमेट' में 20 से ज़्यादा कलाकार शामिल हैं, जो दिग्गज भारतीय आधुनिकतावादियों की उत्कृष्ट कृतियों, प्रसिद्ध समकालीन हस्तियों की कृतियों और उभरती प्रतिभाओं की नई अभिव्यक्तियों को एक साथ लाते हैं। इस प्रदर्शनी में शामिल प्रत्येक कलाकृति को रेणु खेड़ा ने अपने लंबे करियर के दौरान चुना है, जो रचनात्मकता को पोषित करने और उसका जश्न मनाने के उनके अटूट जुनून को दर्शाता है।

प्रदर्शनी में शामिल दिग्गजों में एम.एफ. हुसैन, एस.एच. रज़ा, राम कुमार, बी. प्रभा, ए. रामचंद्रन, कृष्ण खन्ना, जी.आर. इरन्ना, मनु पारेख और शांति दवे शामिल हैं। इस प्रदर्शनी में दिवंगत पद्मश्री विजेता जिव्या सोमा माशे के पुत्र बालू जिव्या माशे पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, जिन्होंने वारली कला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। बालू की कृतियाँ इस जीवंत विरासत को आगे बढ़ाती हैं, ग्रामीण जीवन, प्रकृति और आध्यात्मिकता को आकर्षक दृश्य कथाओं में पिरोती हैं।

फर्जी 'पैरा कमांडो लेफ्टिनेंट' गिरफ्तार

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में शाहदरा जिले के फर्श बाजार थाना क्षेत्र में युवती को शादी का झांसा देकर 70 हजार रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने खुद को पैरा कमांडो लेफ्टिनेंट बताकर युवती को शादी का झांसा देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से आर्मी की वर्दी और फर्जी पहचान पत्र बरामद किया है। 1 सितंबर को फर्श बाजार थाने में पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। दमिनी (28) निवासी भोलानाथ नगर ने बताया कि एक युवक ने खुद को सेना का लेफ्टिनेंट बताकर उससे शादी का वादा किया और फिर पैसे ठग लिए। शिकायत मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई।

शादी का झांसा देकर युवती से ठगे 70 हजार रुपए

टैरिफ का मुकाबला करने के लिए एल्युमीनियम एक्सट्रूजन मांग को बढ़ावा देना आवश्यक : एलेमाई

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। एल्युमीनियम एक्सट्रूज़न मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया एलेमाई ने एल्युमीनियम एक्सट्रूज़न उत्पादों की घरेलू खपत को बढ़ाने के लिए तत्काल उपाय करने की हिमायत की है। संस्था का मानना है कि आयात पर निरंतर निर्भरता से इस क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा कमजोर हो रही है। इस सेक्टर को आक्रामक ट्रेड पॉलिसी एवं मौजूदा ग्लोबल टैरिफ झटकों का सामना करना पड़ रहा है। एल्युमीनियम एक्सट्रूज़न इंडस्ट्री को टैरिफ वार का मुकाबला करने और विकट परिस्थिति से निपटने के लिए घरेलू बाजार में तेजी से खपत बढ़ाने की रणनीति इख्तियार करना जरूरी है। साथ ही सरकार की ओर से भी उद्योग के हित में रियायती कदम उठाने एवं पहल शुरू करने की जरूरत है। भारत के एल्युमीनियम एक्सट्रूज़न उद्योग की स्थापित क्षमता 3 मिलियन टन प्रति वर्ष है। किन्तु इसके सामने उपयोग केवल 1.2 मिलियन टन ही है। आयात 1.5 मिलियन टन से अधिक है, जिसका मुख्य कारण कीमतों में अंतर, मुक्त व्यापार समझौते रियायतें तथा विभिन्न एचएसएन कोड के अंतर्गत मूल्यवर्धित उत्पादों तक ड्यूटी फ्री एक्सेस है।

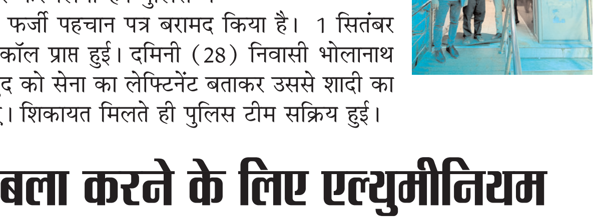

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद
(ISO 9001 :2015 एवं ISO 14001 :2015 प्रमाणित संस्था)

पत्रांक: 647/पी0ए0-टी0/2025-26 दिनांक 04.09.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

उपाध्यक्ष, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से 04 कार्यो हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्ते गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की वैबसाइट www.gdaghaziabad.in पर उपलब्ध हैं एवं UPLC की वैबसाइट https://etender.up.nic.in पर निविदा विक्रय की तिथि में उपलब्ध होंगी। सम्बन्धित निविदाओं को ई-निविदा आमंत्रण सूचना में उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर डाउनलोड व अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर खोला जायेगा। निविदा में कोई भी संशोधन/परिमार्जन/ परिवर्तन व अतिरिक्त सूचनाओं को वैबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा।

प्रभारी मुख्य अभियन्ता

ई-मेल : helplinegda@gmail.com, @Gda Ghaziabad : gdagzb
हेल्पलाईन नं: 0120-4418384 व्हाट्सएप : 9990988004, वेबसाईट : www.gdaghaziabad.in

एक सुन्दर शहर .... हमारा संकल्प

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल इंजीनियर-ट्रैक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1.	**कार्य का नामः अनुसूची-A** 30,000 घन मीटर, 65 मि.मी. गेज मशीन से क्रश की गई पत्थर की बोल्डर (बैलेस्ट) की आपूर्ति, स्टैकिंग तथा शकरबस्ती (SSB) बैलेस्ट डिपो स्थित बैलेस्ट सब डिपो संख्या-1 पर रेलवे वैगनों में लोडिंग। (इसमें सभी लीड एवं लिफ्ट, जी.एस.टी., कर आदि सम्मिलित हैं, अतः किसी भी परिस्थिति में अतिरिक्त भुगतान नहीं किया जाएगा)। **(निविदा संख्या NIT-10-25-26-WC)**	
2.	अनुमानित लागत	Rs. 3,60,24,900/-
3.	धरोहर राशि	Rs. 3,30,100/-
4.	**ई-निविदा भरने का दिनांक और समय & ई-निविदा खुलने का दिनांक और समयः** ई-निविदा भरने का समय शुरू **दिनाँक 12/09/2025** को 15.00 बजे से निविदा खुलने का समय & ई-निविदा खुलने का **दिनांक 26/09/2025** को 15:00 बजे तक।	
5.	**निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है:** www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।	

पत्र संख्या 128-ड्ब्ल्यु/वं.मं.अधि./सं/निविदा-10-25-26-ड्ब्ल्युसी दिनांकः- 04/09/2025 2699/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति : 25-SRDEE-G-DLI-2025-26-E3 दिल्ली मंडल पर ट्रैक के नीचे भूमिगत केबल द्वारा एचटी 33/11 केवी ओवरहेड क्रॉसिंग के संशोधन और आवश्यक सहायक उपकरण से संबंधित विद्युत कार्य।	
निविदा की अनुमानित लागत : रु. 3,69,08,101.00	
कार्यालय का पता : वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली	
बयाना राशि : रु. 3,34,600.00	
निविदा निवेदन की दिनांक व समय : 25.09.2025, 16:00 बजे	
निविदा खोलने की दिनांक व समय : 25.09.2025, 16:00 बजे	
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड : www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली	

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2677/2025

उत्तर रेलवे
इ-निविदा (इ-प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता/दिल्ली के अधीन एसएसई/कार्य/दिल्ली/स्टेशन के अनुभाग में, लोको, प्रथम प्रवेश द्वार पर जल आपूर्ति परिसर का वार्षिक रखरखाव एवं यू/जी.ओ.एच. टैंकों की सफाई, क्लोरीन की आपूर्ति, तथा दिल्ली मुख्य स्टेशन तक पाइप लाइन रैनी वेल शास्त्री पार्क का वार्षिक रखरखाव, रैनी वेल से गाद निकालना तथा रैनी वेल में अन्य विविध मरम्मत। का कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	₹ 1,88,56,398.23 (रुपये एक करोड़ अठ्ठासी लाख छप्पन हज़ार तीन सौ अठ्ठानवे और तेईस पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	₹ 2,44,300/- (रुपये दो लाख चौवालीस हजार तीन सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	Rs. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	26.09.2025 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	आवंटन	04-510-32

• ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। **सं.: 128-W/280/इ-निविदा सूचना/32-2025-26/W-3 दिनांक : 04.09.2025** **2687/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई-नीलामी हेतु सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/माल भाड़ा, दिल्ली डिवीज़न, उत्तर रेलवे, रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2022/टीसी(एफएम)/10/04 दिनांक 13.06.2022 और रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2024/RS(G)/779/7(E3471089) दिनांक 13.08.2024, के अनुसार **दिल्ली मंडल के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली** निम्नलिखित ट्रेनों में **एसएलआर** कम्पार्टमेंट और पार्सल वान (राउंड ट्रिप के आधार पर) के स्थान को **02 वर्षों** के पट्टे पर देने के लिए आईआरईपीएस के **ई-नीलामी** मॉडयूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित की जाती है :

क्रम संख्या	ई-नीलामी के आरम्भ होने की तिथि तथा समय	एस्सेट्स जिनकी नीलामी की जानी है
1.	08.09.2025 को 10:30 बजे	01 LVPH (24 tonnes) on round trip basis in each train - 12454/12453, 20408/20407
2.	09.09.2025 को 10:30 बजे	12034 (F1), 12457 (F1, F2 & R1) 12820 (F1), 12874 (F1), 12963 (F1), 14164 (F1), 14507 (F1, F2, & R1), 14679 (F1), 14681 (F1), 22222 (F1), 22429 (F1)
3.	10.09.2025 को 10:30 बजे	12005 (F1), 12011 (F1), 12013 (F1), 12017 (F1), 12040 (F1), 12057 (F1), 12191 (F1, F2), 12215(F1), 12455(F1), 12481(F1), 12582(F1), 12826 (F1), 14053 (F2&R1) 22421 (F1, F2 & R1)
4.	12.09.2025 को 10:30 बजे	12015 (F1), 12191(R1), 12428 (F1), 12448 (F1), 12802 (F1), 13258 (F1), 14087 (F1, F2 & R1), 14731 (F1), 20452 (F1), 20473 (F1, F2, R1), 22210 (F1), 22472 (F1, F2 & R1)

महत्वपूर्ण सूचना: 1. ई-नीलामी के विभिन्न पहलुओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को **https://www.ireps.gov.in/html/helpdesk/learning_centre.html.** (e-Auction leasing section) पर जाने की सलाह दी जाती है। **2.** रेलवे प्रशासन किसी भी समय इन निविदाओं/अनुबंधों को समाप्त करने का सम्पूर्ण अधिकार रखता है या इनके संबंध में किसी संशोधन अथवा अतिरिक्त नियमों और शर्तों के साथ इन निविदाओं अथवा अनुबंधों के बीच में ही समाप्त करने अथवा जारी रखने के संबंध में, जो की इन ट्रेनों के जारी रहने अथवा समाप्त होने कि स्थिति पर निर्भर करता है। **2678/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच "शहर हित में आगे भी इसी क्रम में बेहतर कार्य करने के लिए योजना बनाई जा रही है, विशेष रूप से सौंदर्यीकरण पर निगम कार्य करेगा शहर के मुख्य एंट्री गेट को बनाने के लिए प्रस्ताव शासन के समक्ष भेजे जा चुके हैं, प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण भी जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में कराया जाएगा। निगम की बड़ी उपलब्धियां में इंदिरापुरम हैंड ओवर, ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज भी शामिल रहा, नगर निगम की आय 200 करोड़ को बढ़ाकर 600 तक की गई, निगम की देनदारी 300 करोड़ से घटकर 60 करोड़ पर आई : **विक्रमादित्य मलिक, नगर आयुक्त।**

2 हजार से ज्यादा लोगों ने सड़क पर लिया आसरा

- यमुना पुश्ता पर झुग्गियों में रहने को मजबूर
- लगातार बढ़ रहा पानी 2023 के मंजर की दिला रहा याद

नोएडा। यमुना उफनाई हुई है। जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच गया। हिंडन का पानी भी डूब क्षेत्र में बने छह गांव के पक्के मकानों के बेहद नजदीक आ गया। ऐसे में हिंडन नदी के आसपास से भी लोगों को आश्रय स्थल पहुंचाया जा रहा है। यमुना में बुधवार से तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। वर्तमान में जल स्तर 207.47 मीटर के आसपास है। दिल्ली के सभी बैराज खोले जा चुके है। कालिंदी कुंज बैराज खोले जाने से नोएडा, ग्रेटरनोएडा यमुना के डूब एरिया में यमुना का जल स्तर तेजी से बढ़ा। रात तक यहां मौजूद फार्म हाउस, खेत सभी डूब गए।

2000 हजार से ज्यादा लोग सड़क पर झुग्गी लगाकर रह रहे है। प्राधिकरण ने आठ आश्रय स्थल बनाए है। इनमें खानपान की व्यवस्था भी की जा रही है। प्राधिकरण ने सेक्टर-135 और 150 के आसपास बख्तावरपुर, छपरौली, कोंडली, नंगली वाजिदपुर, नंगला नगली, झट्टा गांव के बारात घर में राहत शिविर बनवाए हैं। पुश्ते के किनारे एक अस्थाई टेंट भी बनाया जा रहा। सीईओ ने डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों से बाहर निकलने की अपील की।

पिछले 24 घंटे में एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी बढ़ा है। दूसरी ओर, हिंडन का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। हिंडन में 201 मीटर यानी 6487 क्यूसेक पानी बह रहा है, जबकि नदी में खतरे का निशान 205 मीटर है। दोनों ही नदियों में दो दिनों से जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे यहां रहने वाले लोग अब पलायन करने के लिए मजबूर हैं। यहां यमुना और पुश्ता की तरफ सेक्टर-133, 134, 135, 168 के अलावा 150 से ज्यादा इलाके प्रभावित हैं। यहां करीब डेढ़ हजार से ज्यादा फार्म हाउस डूब चुके हैं।

रामवती यमुना पुश्ता पर झुग्गी में थी। उन्होंने बताया कि 2023 में हम हमारा परिवार फंस गया था। लेकिन इस बार परिवार समेत पहले ही बाहर आ गए। करीब दो लाख का नुकसान हुआ है। खड़ी गोभी, मक्का की फसल बर्बाद हो गई। पानी में सब बह गया। 2023 में भी ऐसा हुआ था। सब बह गया था। बार बार बाढ़ आने से हम परेशान हो चुके है। ये हालात रामवति नहीं बल्कि गुडंन और दयावति और अन्य लोगों के भी है। जिन्होंने पुश्ता पर आसरा लिया है।

सेक्टरों में बढ़ सकती है मुसीबत

नोएडा के सेक्टरों के लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। इसकी वजह सिचाई नाला है। ये नाला नोएडा के समीप दिल्ली से आकर नोएडा के सेक्टर-11, 22, 39, 50 होते हुए सेक्टर-168 और यमुना में जाकर गिरता है। यमुना और नाले में पानी का लेवल स्थिर होने से पानी बैक फ्लोर मार रहा है। इस वजह से सेक्टर-168 पर बने रेगुलेटर के तीनों पैनल (गेट) बंद है। नोएडा का सारा सीवेज एसटीपी के जरिए इसी नाले और बरासाती नालियों का पानी भी इसी नाले से यमुना तक जाता है।

यमुना में बढ़ता जल स्तर 3800 लोग प्रभावित

- प्रशासन ने तेज किए राहत-बचाव कार्य

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। यमुना नदी में लगातार बढ़ते जल स्तर को देखते हुए जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। जिलाधिकारि मेधा रूपम के नेतृत्व में रेस्क्यू और राहत कार्य तेज़ी से चलाए जा रहे हैं। अब तक तहसील सदर के 12, दादरी के 6 और जेवर के 25 गांव प्रभावित हुए हैं। करीब 3800 लोग प्रभावित हैं, जिनमें से 2637 को सुरक्षित शरणालयों में पहुंचाया जा चुका है। यहां तीनों वक्त भोजन, मेडिकल सुविधा और अन्य मूलभूत इंतज़ाम किए गए हैं। प्रशासन ने आमजन की मदद के लिए 24 घंटे सक्रिय बाढ़ कंट्रोल रूम बनाया है। इसके लिए 0120-2978231, 2978232 और 2978233 नंबर जारी किए गए हैं। अब तक दादरी में 160 और सदर में 260 राहत किट, यानी कुल 420 किट बांटी जा चुकी हैं। प्रभावित इलाकों में 19 बाढ़ चैकियां और 15 शरणालय संचालित हैं। इस कार्य में कई तरह की रेस्क्यू टीमें लगी हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएसी और फायर विभाग की कुल चार टीमें तैनात की गई हैं।

बुधवार को एनडीआरएफ ने सेक्टर-151 और जेवर के झुप्पा गांव से 44 लोगों को निकाला, जबकि एसडीआरएफ ने 40 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। पशुओं की सुरक्षा के लिए सेक्टर-135 ग्रीन बेल्ट पर शिविर बनाया गया है, जहां अब तक 1471 गौवंश को रखा गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने छह मेडिकल टीमें शरणालयों में तैनात की हैं। यहां एंटी स्नेक वेनम सहित सभी ज़रूरी दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि वे नदी-नालों के किनारे न जाएं और अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी आपात स्थिति में कंट्रोल रूम से संपर्क करें और विस्थापित लोग शरणालयों में ही रहें। पशुपालकों को भी मवेशियों को प्रशासन द्वारा बनाए गए शिविरों में भेजने की सलाह दी गई है।

सार संक्षेप

सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराने वाली कंपनी की एचआर प्रमुख को पूर्व कर्मी ने दी धमकी

नोएडा। सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराने वाली कंपनी की एचआर प्रमुख को कंपनी का पूर्व कर्मचारी प्रताड़ित कर रहा है। जातिसूचक शब्द बोलकर फोन और मैसेज करके परेशान कर रहा है। पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर-20 थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-99 में रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराने वाली प्राइवेट कंपनी में एचआर प्रमुख के पद पर पिछले तीन वर्षों से हैं। एक माह पहले कंपनी में फील्ड ऑफिसर के पद पर काम करने वाले रुसतम को उसकी गलत हरकतों के चलते निकाल दिया था। तब से अब तक आरोपी दिन-रात मैसेज और फोन करके परेशान करता है। फोन पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करके गाली-गलौज कर रहा है। आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता के मुताबिक, उनके पास इसके पर्याप्त साक्ष्य हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सकों ने रोबोटिक सर्जरी करके निकाली 437 ग्राम की प्रोस्टेट

नोएडा। फोर्टिस हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने एक दुर्लभ सर्जरी में सफलता मिली। डॉक्टर्स ने रोबोट की मदद से सर्जरी करके 85 साल के एक बुजुर्ग की 437 ग्राम की प्रोस्टेट को सफलतापूर्वक निकालकर नई कामयाबी हासिल की है। यह उत्तर प्रदेश में रोबोट से प्रोस्टेट निकालने के सबसे बड़े मामलों में से एक है। मरीज को पिछले 20 साल से भी ज़्यादा समय से पेशाब से जुड़ी गंभीर समस्याएं हो रही थीं और उसे 10 साल पहले ही सर्जरी कराने की सलाह दी गई थी। पिछले छह महीनों में उसकी हालत और भी खराब हो गई थी। उसे निचले यूनिरी ट्रैक्ट में गंभीर लक्षण (एलयूटीएस), पेशाब करने में रुकावट, बार-बार पेशाब आना और तेजी से पेशाब आने का दबाव जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने लगे थे। पिछले कई महीनों से, मरीज कैथेटर (पाइप) पर निर्भर हो गया था, जिससे उसकी जीवनशैली पर बहुत बुरा असर पड़ रहा था।

नौकरी का झांसा देकर बेरोजगारों से लाखों की ठगी

नोएडा। यूरोपीय देशों में विभिन्न पदों पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने सेक्टर-16 स्थित वर्ल्ड ट्रेड टॉवर में कुछ समय के लिए कार्यालय खोला। ठगी के बाद कार्यालय बंद करके भाग गए। दिल्ली निवासी पीड़ित की शिकायत पर फेज-वन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। त्रिलोकपुरी निवासी मुकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वह वाहन चलाने का काम करते हैं। विदेश में चालक का काम करने की इच्छा है। अगस्त 2024 में विज्ञापन के माध्यम से नोएडा के सेक्टर-16 स्थित एशियन माइग्रेशन कंसल्टिंग सर्विस कंपनी में बात हुई थी। आठ अगस्त को वह कंपनी के कार्यालय पहुंचे। जहां उनकी मुलाकात कंपनी के निदेशक रोहित हांडा और हिमांशु हांडा से हुई। कंपनी के कार्यालय पर उन्होंने कर्मचारी सोनाली जैन और प्रेरणा से मिलवाया।

प्राधिकरण सीईओ ने छह सेक्टर का निरीक्षण कर दिए निर्देश

- सेक्टर-93ए के पास एक्सप्रेस-वे पर पहुंच मार्ग को चौड़ा करने के निर्देश
- सेक्टर-168 में एक पम्प हाउस का निर्माण कराए जाने के निर्देश

नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने उप महाप्रबंधक सिविल विजय रावल और सर्किल अधिकारियों के साथ सेक्टर-93, 135, 163, 164, 166, 168 हिंडन नदी पर निर्माणाधीन पुल व पहुंच मार्ग का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सेक्टर-93ए और सेक्टर-135 पंचशील अंडरपास के निकट बहुत दुर्गन्ध आ रही है। इस संबंध में जल, सीवर विभाग को दुर्गन्ध के कारणों का पता लगाते हुए उसको जल्द दूर करने के निर्देश दिए गए। ताकि राहगीरों को असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्य कार्यपालक अधिकारी सेक्टर-93ए के पास एक्सप्रेस-वे पर पहुंच मार्ग को चौड़ा करने के लिए कहा गया। सेक्टर-164 के निरीक्षण के दौरान रोड के कुछ कार्य लंबित पाए गए। इस संबंध में रोड के सभी लंबित कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने, सेक्टर-166,163 के रोड के प्लान को दोबारा प्लान करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त सेक्टर-166 के औद्योगिक भूखंडों को भी नियोजित करने के नियोजन विभाग को निर्देश दिए गए। सेक्टर-168 के निरीक्षण के दौरान देखा गया कि यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने पर स्लूस गेट बन्द होने के कारण उक्त क्षेत्र में प्रायः जलभराव हो जाता है, जिसके देखते हुए मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सेक्टर-168 में एक पम्प हाउस का निर्माण कराए जाने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-146 एवं 147 के पास हिंडन नदी पर निर्माणाधीन पुल और उसके पहुंच मार्ग के निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने पुल का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एवं उप्र राज्य सेतु निगम लिमिटेड से समन्वय करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उक्त पुल के पहुंच मार्ग का निर्माण भी करने के निर्देश दिए। सेक्टर-135 के निकट यू-टर्न पर यातायात के दृष्टिगत कंक्रीट से मरम्मत करने के निर्देशित किया गया, ताकि यातायात में सुगमता रहे।

समस्याओं को लेकर मुख्य कार्यपालक अधिकारी से किसान मिले

नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। किसान संघर्ष समिति का एक प्रतिनिधिमंडल किसानो एव ग्रामीणो की समस्याओ को लेकर मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम से प्राधिकरण कार्यालय मे मुलाकात की। किसानों के मांग इस प्रकार, आबादी जहां जेसी के आधार पर नियमित की जाए। भवन निमावली में संशोधन कर भवनों की ऊंचाई सीमा 15 मीटर से बढ़ाकर 21 मीटर की जाए। किसान के 5 प्रतिशत भूखंड पर धारा 10 के नोटिस भेजे जा रहे का विरोध प्रकट किया जिसमे मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम दूआरा आश्वासन दिया की जब तक शासन से कोई भी निर्णय नहीं लिया जाता तब कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी। कोई भी नोटिस नहीं भेजा जाएगा।

1976 से 1997 के बीच किसान कोटे के आवंटित रोके हुए प्लाट की लीज कराई तुरंत दिया जाए व बचे हुए भूखंड को आवासीय स्कीम लाकर एक मुश्त प्लाट दिए जाए। अपीलीय और पीपी एक्ट के मुकदमे वापस लिए जाए। 1997 से 2014 के बीच अधिग्रहण की गई जमीन के सापेक्ष 64.7 बडा हुआ मुआवजा व 10 प्रतिशत आवासीय भूखंड दिए जाए। गांव का विकास शहर की तर्ज पर होना चाहिए। किसानो के लिए डेरी फार्म योजना की स्कीम लाई जाए।

इस मौके पर महेश अवाना, मनोज चौहान, गौतम अवाना,वेद प्रधान, लीले प्रधान, इन्द्र यादव, हरि प्रधान, जगरेश लोहिया आदि लोग मौजूद थे।

जीएसटी की दर कम करने से आम जनता व व्यापारियों को मिलेगी राहत

नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल नोएडा के चेयरमैन व व्यापारी नेता नरेश कुच्छल ने कहा है कि केन्द्र सरकार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा जीएसटी के स्लैब एवं दरें कम करने से आम जनता को भारी राहत मिलेगी और उद्यमियों और व्यापारियों को अपना व्यापार करने में आसानी होगी। इससे उत्तरप्रदेश के ढाई करोड़ व्यापारी लाभान्वित होंगे। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री व वित्तमंत्री का आभार व्यक्त किया।

कुच्छल ने बताया कि परिवर्तित जीएसटी की दरें 22 सितम्बर नवरात्रि के दिन से देश में लागू हो जाएगी और जीएसटी के स्लैब और दरों में राहत देने से लगभग 250 से अधिक वस्तुएं सस्ती होंगी। इन दो स्लैब के अलावा वित्तमंत्री ने एक तीसरा स्लैब भी रखा है, जिसमें फास्ड फूड, पान मसाला, सिगरेट, गुटका, तम्बाकू उत्पाद, कैफीन युक्त पेय पदार्थ, फलों के रस, गैर एल्कोहालिक पेय आदि वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की दरें रखी गई है। जिन वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की दरें रखी गयी वे आम जनमानस के उपभोग में नहीं आती है। इस बदलाव से आम लोगों की जिंदगी आसान और सरल होगी। इस बदलाव से आम आदमी, किसान, मजदूर, कारोबारी, मध्य वर्ग, महिलाओं और युवाओं को भारी लाभ होगा। विशेष रूप से छोटे व्यापारी और व्यवसायियों के लिए व्यापार करने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी की दरों में भारी बदलाव के कारण अर्थव्यवस्था में तेजी आयेगी। देश की जीडीपी में बढ़ोत्तरी के साथ अर्थव्यवस्था में परिवर्तन होगा। इन सुधारों में जो सबसे बड़ी राहत दी गयी है वो यह है कि अब 2500 रुपए के कपड़े, जूते और चमड़ा उत्पाद पर केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। जबकि पूर्व में 12 प्रतिशत और 18 प्रतिशत था। इस प्रकार खानपान की सैकड़ों वस्तु पर जीएसटी केवल 5 प्रतिशत लगेगी।

नोएडा में 3 बिल्डर से वसूले जाएंगे 353.41 करोड़

- 2009-10 में हुआ आवंटन, कोविड-19 का दिया लाभ
- आरसी के लिए डीएम को लिखा पत्र

ने तीन बिल्डरों के खिलाफ आरसी जारी करने के लिए डीएम को पत्र लिखा है। इन तीन बिल्डर पर करीब 353.41 करोड़ का बकाया है। अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत 25 प्रतिशत पैसा जमा करने के लिए कहा गया। ये पैसा भी भी तीनों बिल्डरों ने जमा नहीं किया। इन तीनों को कई बार नोटिस जारी किया गया। इसके बाद भी बकाया जमा नहीं किया गया।

ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या जीएच-2 सेक्टर-78 महागुन रियल स्टेट प्रालि को 18 अप्रैल 2010 को आवंटन किया गया। 18 मई 2010 को लीज डीड कराते हुए जमीन पर कब्जा दिया गया। बिल्डर को बकाया पैसा जमा करने के लिए नोटिस जारी किए गए है। लेकिन बकाया पैसा जमा नहीं किया गया। यही नहीं शासनादेश के तहत 21 दिसम्बर 2023 को कोविड-19 का लाभ दिया गया। जिसके बाद कुल बकाया का 25 प्रतिशत जमा करने के लिए कहा गया। ये पैसा भी जमा नहीं किया गया। आवंटी पर 31 अगस्त तक 116.96 करोड़ का बकाया है।

ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या जीएच-1 सेक्टर-77 मैसर्स प्रतीक रियल्टर्स प्रालि को 31 मार्च 2010 को आंवटन किया गया। 26 मई 2010 को लीजडीड करते हुए जमीन पर कब्जा दिया गया। शासनादेश के तहत कोविड-19 का लाभ दिया और 25 प्रतिशत पैसा जमा करने के लिए कहा गया। 31अगस्त 2025 तक बिल्डर पर कुल 162.27 करोड़ रुपए बकाया हो गया। वसूली के लिए गुरुवार को डीएम गौतम बुद्ध नगर को पत्र भेजा गया।

ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या जीएच-1 सेक्टर-120 प्रतीक रियल्टर्स प्रालि का 10 दिसम्बर 2009 को आंवटन किया गया। 7 जनवरी 2010 को लीज डीड की करते हुए जमीन का आवंटन किया गया। आवंटी को बकाया जमा करने के लिए नोटिस जारी किए गए। शासनादेश के तहत कोविड-19 का लाभ दिया गया। साथ ही कुल बकाया का 25 प्रतिशत पैसा जमा करने के लिए कहा गया। ये पैसा भी जमा नहीं किया गया। इस पर कुल 74.18 करोड़ का बकाया है। आरसी के लिए पत्र भेजा गया।

पथवृक्षारोपण के संबध में सीईओ ने समीक्षा की

नोएडा। नोएडा में विभिन्न संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को एडोपशन पर दिये गये ग्रीन बेल्ट, सेंट्रल वर्ज, पथवृक्षारोपण के संबध में सीईओ ने समीक्षा की। बैठक में आईडीमिया, डीएलएफ, अडानी कॉनेक्स, डीएस ग्रुप, आरक्यूब, एडवांट, आर्ट ऑफ लिविंग, गिव मी ट्रीज (पीपल बाबा), सीएण्डएस एवं एनएसएल इंफ्राटेक कंपनीज एवं सस्थाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस मौके पर नोएडा क्षेत्र में आईडीमिया, आरक्यूब, आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा सौन्दर्याकरण के अंतर्गत वृक्षारोपण आदि कराये गये कार्यों की सराहना एवं प्रशांसा की गई है एवं आगामी समय में सभी को मौसमी फूलों व अलंकृत पेड पौधों से साज सज्जा कराये जाने के निर्देश दिए। रोड साइड ग्रीन बेल्ट में जन सामान्य के लिए आर्कषक वॉकिंग ट्रेक, बैंचेस आदि रखे जाने के निर्देश दिए। कुछ संस्थाओं द्वारा एडोपशन पर दिए गए क्षेत्र में काफी समय बीत जाने पर भी अपने क्षेत्र में खास कार्य नहीं कराये जाने के संबंध में एक महीने के अंदर कार्य कराये जाने के लिए नोटिस दिए जाने के निर्देश दिए गए।

आत्मनिर्भर की दिशा में अग्रसर गाजियाबाद निगम

- दो वर्षों में नगर निगम की आय 200 करोड़ से बढ़ कर 600 के पार पहुंची
- अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने नगर आयुक्त को दी बधाई

गाजियाबाद, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। पिछले दो वर्ष गाजियाबाद नगर निगम के लिए उपलब्धि भरे रहे। इस दौरान नगर निगम आय 200 करोड़ से बढ़कर 600 करोड़ पर पहुंच गई। वहीं 1000 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट शहर हित में शासन से लाने में भी सफलता प्राप्त की। यह सब नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक के कार्यकाल में हुआ। जिसके लिए गुरुवार को निगम अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने नगर आयुक्त को बधाई भी दी। नगर आयुक्त ने बताया कि पिछले दो वर्षों में गाजियाबाद नगर निगम के अंतर्गत शासन से लगभग 1000 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट गाजियाबाद में ले गए जो की लगातार शहर के आने को क्षेत्र में चल रहे हैं।

इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर, 311 एप्लीकेशन, व्हीकल ट्रैकिंग मॉनिटरिंग सिस्टम, माई जीएनएन व अन्य के माध्यम से गाजियाबाद नगर निगम को हाईटेक की ओर बढ़ाया गया। जिससे जन समस्याओं के समाधान में तेजी आई है, निगम की कार्यशैली को भी रफ्तार मिली है। बायोडायवर्सिटी पार्क, उपवन योजना, जोनल ऑफिस विजय नगर, एनिमल बर्थ एंड कंट्रोल सेंटर, कार्क्स प्लांट, स्पोर्ट्स कंपलेक्स, नगर निगम मुख्यालय, वर्किंग वूमेन हॉस्टल, सीनियर सिटीजन केयर सेंटर, सी एम ग्रिड फेस 1 फेस 2, ग्रीन मुंशीपाल बॉन्ड के अंतर्गत टीएसटीपी प्लांट, हरित शवदाह गृह, विजयनगर जोन गंगा जल आपूर्ति का कार्य व अन्य 1000 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट शासन से स्वीकृत कराए गए जो कि वर्तमान में तेजी से चल रहे हैं। नगर आयुक्त कहा कि शहर हित में आगे भी इसी क्रम में बेहतर कार्य करने के लिए योजना बनाई जा रही है, विशेष रूप से सौंदर्यीकरण पर निगम कार्य करेगा शहर के मुख्य एंट्री गेट को बनाने के लिए प्रस्ताव शासन के समक्ष भेजे जा चुके हैं, प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण भी जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में कराया जाएगा। निगम की बड़ी उपलब्धियां में इंदिरापुरम हैंड ओवर, ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज भी शामिल रहा, नगर निगम की आय 200 करोड़ को बढ़ाकर 600 तक की गई, निगम की देनदारी 300 करोड़ से घटकर 60 करोड़ पर आई। 24 महीना में गाजियाबाद नगर निगम न केवल विकास की रफ्तार में आगे बढ़ा है, बल्कि जन जागरूकता के क्रम में भी बेहतर कार्य किए गए हैं जिसमें स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड सबसे बेहतर उदाहरण है, गाजियाबाद नगर निगम ने 2 साल में शहर में विकास की रफ्तार बढ़ाने के साथ-साथ गाजियाबाद का मान विश्व स्तर तक बढ़ाया है, ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज 2025, कार्बन क्रेडिट हो या स्वच्छ भारत मिशन गाजियाबाद का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा तालाबों का पुनर्जीवीकरण का कार्य, वायु गुणवत्ता सुधार के लिए मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग को बढ़ावा देने का कार्य, एंटी स्मोक गण को बढ़ावा देने का कार्य, लगभग 16 स्थान पर मियांवकी पद्धति से भव्य प्लांटेशन का कार्य, इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल चार्जिंग के विस्तार का कार्य निगम द्वारा किया गया है।

जीडीए ने वैशाली में अवैध गौशाला ध्वस्त कर करोड़ों की भूमि कराई मुक्त

गाजियाबाद, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। जीडीए ने अभियान चलाकर जीडीए को भूमि पर अवैध रूप से चलाई जा रही गौशाला को ध्वस्त कर दिया। इस जमीन की कीमत करोड़ों रुपए में है। गुरुवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-6 के नेतृत्व में भूखंड संख्या-308, सेक्टर-1, वैशाली, गाजियाबाद पर निर्माणकर्ता सुभाष चन्द मनोज द्वारा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए गए निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई व भूखंड संख्या-318, सेक्टर-3ए, वैशाली, गाजियाबाद पर निर्माणकर्ता विपुल रस्तौगी व अन्य द्वारा भवन की छत पर किए गए अवैध निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त सेक्टर-3 में जीडीए की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर गौशाला का संचालन किया जा रहा था, जिसे कब्जा मुक्त कराया गया। कार्रवाई के समय प्रवर्तन प्रभारी जोन-06, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्तागण, समस्त सुपरवाईजर स्टॉफ, प्राधिकरण सुरक्षाकर्मी बल उपस्थित रहा।

उवाच

सदैव की भांति 5 सितम्बर को देश एवं सभी प्रदेश की सरकारें मंच सजाकर चंद शिक्षकों को चंद लम्हों का सम्मान देंगी। उनमें कुछ ऐसे शिक्षक भी होंगे जिन्हें भारत सरकार द्वारा टीईटी को लेकर बनाए गए कानून के कारण दो साल बाद सेवा से निकालने की चिंता सता रही होगी। क्या ऐसे विषम परिस्थिति में मिलने वाले उस सम्मान को शिक्षक मन से स्वीकार करेगा : **प्रवीण शर्मा जिला अध्यक्ष, शिक्षक संघ।**

यमुना प्राधिकरण के 29 गांव बनेंगे स्मार्ट

350 करोड़ से बदलेंगी ग्रामीण जिंदगियां

■ **सड़क, सीवर, बिजली व डिजिटल लाइब्रेरी जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे गांव, 2026 तक पूरा होगा मिशन**

बरसात के बाद गांव-गांव जाकर विकास कार्यों की गुणवत्ता की जांच होगी। डिप्टी कलेक्टेट इन गांवों की निगरानी रखने के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है, खुद जाकर मौके पर जाकर निर्माण कार्य और गुणवत्ता की जांच करेंगे, लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम गांवों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर स्मार्ट विलेज बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं : राकेश कुमार सिंह, सीईओ, यमुना प्राधिकरण।

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के 29 गांव जल्द ही स्मार्ट विलेज का रूप लेंगे। इन गांवों में सड़क, सीवर, बिजली, डिजिटल लाइब्रेरी जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। प्राधिकरण ने इन गांवों को स्मार्ट बनाने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की है, और 350 करोड़ रुपए की लागत से दिसम्बर 2026 तक इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

9 गांवों में काम अंतिम चरण में, 20 की बारी

यमुना प्राधिकरण के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 29 में से 9 गांवों में स्मार्ट विलेज परियोजना का काम लगभग पूरा हो चुका है। इन गांवों में कार्यों की गुणवत्ता की जांच जल्द शुरू होगी, जिसमें डीपीआर के आधार पर सड़कों, सीवर और अन्य सुविधाओं का मिलान किया जाएगा। बाकी 20 गांवों में भी तेजी से काम शुरू हो गया है। इनमें से 9 गांवों में निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि 11 गांवों के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है।

गुणवत्ता पर कड़ा रुख, लापरवाही पर सख्ती

प्राधिकरण ने गुणवत्ता को लेकर सख्त रवैया अपनाया है। जिन गांवों में काम पूरा हो चुका है, वहां प्राधिकरण की टीम निरीक्षण करेगी। डीपीआर के अनुरूप कार्य न होने पर ठेकेदारों को भुगतान रोकने और ब्लैक लिस्ट करने तक की कार्रवाई हो सकती है। प्राधिकरण ग्रामीणों की राय को भी महत्व देगा, ताकि विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

350 करोड़ से कैसे बदलेगी गांवों की तस्वीर?

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत 350 करोड़ रुपए खर्च कर गांवों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। स्मार्ट विलेज में पक्की सड़कें, सीवर सिस्टम, निर्बाध बिजली आपूर्ति, डिजिटल लाइब्रेरी और अन्य बुनियादी सुविधाएं शामिल होंगी। अभी तक 9 गांवों पर खर्च की गई राशि का ऑडिट होगा, और हर गांव के लिए खर्च और सुविधाओं का ब्योरा तैयार किया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहन-सहन का स्तर ऊंचा उठेगा और शहरी सुविधाओं का अनुभव गांवों में भी मिलेगा।

ग्रामीणों की भागीदारी से बनेगा स्मार्ट भविष्य

यमुना प्राधिकरण ने ग्रामीणों को भी इस परियोजना में शामिल करने का फैसला किया है। विकास कार्यों की गुणवत्ता जांचने के लिए उनकी राय ली जाएगी। प्राधिकरण का मानना है कि स्थानीय लोगों की भागीदारी से न केवल कार्यों की पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि उनकी जरूरतों के अनुरूप विकास भी सुनिश्चित होगा।

इंडिया मेडटेक एक्सपो में यीडा के एमडीपी में आवंटित कंपनियों का जलवा

■ **इंडिया मेडटेक में यीडा के स्टाल का उद्घाटन यीडा सीईओ राकेश कुमार सिंह ने किया**

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली के भारत मंडपम, प्रगति मैदान में गुरुवार इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 का भव्य शुभारंभ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा किया गया। इस अवसर पर हॉल नंबर 14 में मेडिकल डिवाइसेज पार्क प्रदर्शनी का उद्घाटन अमित अग्रवाल, सचिव, फार्मास्यूटिकल विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया।

एक्सपो में यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने हॉल नंबर 14 में प्राधिकरण के स्टाल का उद्घाटन किया। इस स्टाल पर यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-28 में विकसित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क की प्रगति को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही सेमीकंडक्टर पार्क, औद्योगिक विकास, अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी, और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की जानकारी भी आगंतुकों के साथ साझा की गई।

प्राधिकरण के स्टाल पर देश-विदेश से आए निवेशकों और आगंतुकों ने भारी रुचि दिखाई। राकेश कुमार सिंह सहित प्राधिकरण के अधिकारियों ने स्टाल पर आने वाले सभी लोगों को परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कई निवेशकों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में हो रहे तीव्र विकास की सराहना की और यहां उद्योग स्थापित करने की इच्छा जताई।

एक्सपो के दौरान अमित अग्रवाल की अध्यक्षता में एक सीईओ राउंडटेबल मीटिंग का आयोजन भी किया गया, जिसमें मेडिकल डिवाइस उद्योग से जुड़े प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। इस बैठक में रविंद्र प्रताप सिंह, संयुक्त सचिव (फार्मा), राजीव सिंह राघवंशी, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया, और प्रवीण मित्तल, कार्यकारी निदेशक, एमडीपी, सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग जगत के दिग्गज शामिल हुए। बैठक में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने, गुणवत्ता में सुधार, व्यापार और बाजार पहुंच को मजबूत करने, आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने, और मेडिकल डिवाइसेज के क्षेत्र में नवाचार व अनुसंधान को प्रोत्साहित करने पर गहन चर्चा हुई।

यमुना प्राधिकरण के स्टाल पर अशोक कुमार सिंह, स्मिता सिंह, नंदकिशोर सुंदरियाल, सलीम, वंदना राघव, राहुल, शुभम, अक्षय मेहरोत्रा, रतनदीप, अभिमन्यु सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यह आयोजन यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-28 मेडिकल डिवाइस पार्क को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने और भारत को मेडिकल डिवाइस विनिर्माण का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ करेगा शिक्षक दिवस का बहिष्कार

■ **टीईटी की अनिवार्यता पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से दुःखी लाखों शिक्षक नहीं मनाएंगे शिक्षक दिवस**

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश से देश भर में 10 लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों की नौकरी पर संकट मंडरा गया है। मेघराज भाटी मंडल अध्यक्ष मेरठ ने बताया कि 1 सितम्बर 2025 को यदि आदेश को निजी स्कूलों पर लागू किया गया तो इससे प्रभावित शिक्षकों की सम्भावित संख्या करोड़ में होगी। इसके निर्णय के शिक्षक दुःखी एवं चिन्तित हैं। प्रवीण शर्मा जिला अध्यक्ष ने बताया कि सदैव की भांति 5 सितम्बर को देश एवं सभी प्रदेश की सरकारें मंच सजाकर चंद शिक्षकों को चंद लम्हों का सम्मान देंगी। उनमें कुछ ऐसे शिक्षक भी होंगे जिन्हें भारत सरकार द्वारा टीईटी को लेकर बनाए गए कानून के कारण दो साल बाद सेवा से निकालने की चिंता सता रही होगी। क्या ऐसे विषम परिस्थिति में मिलने वाले उस सम्मान को शिक्षक मन से स्वीकार करेगा। भारत सरकार द्वारा टीईटी को लेकर बनाए गए कानून के क्रम में सुप्रीमकोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय से देश भर के दस लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों के सामने दो वर्ष बाद सेवा से बाहर किए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। गजन भाटी जिला मंत्री ने कहा कि इसलिए हम प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से अनुरोध करते हैं कि शिक्षकों के साथ न्याय करने की घोषणा करने की कृपा करें। आपकी घोषणा ही शिक्षकों के लिए वास्तविक सम्मान होगा। परिषदीय शिक्षकों का वेतन प्रतिमाह दिनांक 1 को आ जाता है, किंतु अत्यंत खेद का विषय है कि गौतम बुद्ध नगर के शिक्षकों का अगस्त माह का वेतन, जो 1 सितम्बर को प्राप्त होना चाहिए था, अब तक नहीं आया है।

सड़क किनारे कूड़ा डालने पर दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, एक लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग की क्यूआरटी टीम ने राइज पुलिस चौकी के पास सर्विस रोड पर वेस्ट डालते हुए एक ट्रैक्टर-ट्राली को पकड़ लिया। उसे जब्त करते हुए 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जलपुरा के पास क्यूआरटी ने जलपुरा के पास अवैध कूड़ा गिराते हुए एक और ट्रैक्टर ट्राली पकड़ा तथा उसको भी जब्त कर लिया गया और 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। कुल दो ट्रैक्टर ट्राली पकड़ा गया तथा दोनों को मिलकर एक लाख रुपया जुर्माना लगाया गया। ट्रैक्टर-ट्राली के मालिक के द्वारा भुगतान किए जाने पर ही छोड़ा जाएगा। प्राधिकरण के महाप्रबंधक स्वास्थ्य आरके भारती ने कहा है कि कोई भी इधर-उधर कूड़ा डालते हुए पकड़ा गया तो उस पर तगड़ा जुर्माना लगाया जाएगा। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

डाटा मैनेजर मनजीत सिंह हत्या मामले में आठ आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट दर्ज

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर(देशबन्धु)। डाटा मैनेजर मनजीत सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। इस अपराध में शामिल आठ आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दरअसल ये मामला 21 फरवरी को हुई थी। मनजीत सिंह, जो एक बैंक में डाटा मैनेजर थे, डी पार्क चौकी के पास जा रहे थे। तभी बाइक पर आए बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया और सिर में गोली मार दी। इस सनसनीखेज हत्या से पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। हत्या के बाद परिजन ने सीधे ससुराल पक्ष पर आरोप लगाया। पुलिस ने जांच में तेजी दिखाते हुए शूटर प्रिंस उर्फ बंटी, प्रवीण उर्फ तिल्के, विनय भाटी, मृतक के साले सचिन राठौर और ससुर भोपाल सिंह राठौर को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद जांच में सामने आया कि हत्या आपसी विवाद के कारण और पैसों के लेन-देन के चलते कराई गई। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह ने योजना बनाकर हत्या को अंजाम दिया और यह कोई सामान्य अपराध नहीं था, बल्कि संगठित अपराध था।

नाम परिवर्तन

मैं, श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री कमल सिंह निवासी फ्लैट नं. 1203, टॉवर, नं. 6डी, सुशांत सिरीन रेजिडेंसी, सेक्टर ईटा-2, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश, भविष्य के सभी उद्देश्य के लिए अपनी पुत्री का नाम अंशी से बदलकर अंशी गौतम रख लिया है।

नाम परिवर्तन

मैं, रजनी गौतम, पत्नी श्री भूपसिंह गौतम, निवासी फ्लैट नं. 1203, टॉवर, नं. 6डी, सुशांत सिरीन रेजिडेंसी, सेक्टर ईटा-2, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश, भविष्य के सभी उद्देश्य के लिए मैंने अपना नाम रजनी नागर से बदलकर रजनी गौतम, रख लिया है।

नाम परिवर्तन

मैं, मुन्नी देवी उर्फ मुन्नी गौतम, पत्नी श्री शंकर लाल गौतम, निवासीः गांव पला, तहसील खुर्जा, जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश, मेरे दो नाम हैं मुन्नी देवी और मुन्नी गौतम, जो दोनों मेरे ही नाम हैं। भविष्य में मुझे मुन्नी गौतम, उर्फ मुन्नी देवी, दोनों नामों से ही जाना और पहचाना जाएगा।

जेवर क्षेत्र में क्षतिग्रस्त मुख्य मार्गों के कायाकल्प के लिए विधायक ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

जेवर, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। जेवर को अन्य शहरों व कस्बों से जोड़ने वाले मुख्य मार्गों की दयनीय स्थित से निजात दिलाने के लिए जेवर विधायक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर क्षतिग्रस्त मार्गों का कायाकल्प कराने की गुहार लगाई है। परेशान हो चुके क्षेत्र के लोगों को विधायक ने शीघ्र ही मार्गों की मरम्मत का भरोसा दिया है।

बता दे कि गत दो माह से लगातार हो रही बर्षा की वजह से जेवर को पलवल व अलीगढ़ से व जेवर से एयरपोर्ट को जाने वाले मार्ग पर कस्बे के आसपास के क्षेत्र में गहरे गड्ढ़े हो चुके है। जिसमें रोजाना की दोपहिया तथा हल्के चार पहिया वाहन फंस जाते है तथा कई बार वाहनों के पलटने से उसमें सवार लोग चोटिल हो चुके हैं। वहीं जेवर से रामपुर बांगर मार्ग पर प्रज्ञान स्कूल के समीप सड़क पर जलभराव की वजह से लोग पैदल भी नहीं निकल पा रहे हैं। मार्गो की खराब स्थित से परेशान क्षेत्र के लोग रोजाना ही जनप्रतिनिधियों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत कराने की गुहार लगाई है। लोगों की मांग का संज्ञान लेते हुए जेवर विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर क्षेत्र के मार्गों की दयनीय स्थित से अवगत कराया है। उन्होंने बताया कि जेवर से अलीगढ़ पलवल मार्ग तथा एयरपोर्ट मार्ग ड्रैनेज सिस्टम न होने की वजह से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। 28 अगस्त को विभागीय अधिकारियों द्वारा शासन को एस्टीमेट प्रेषित कर धनराशि स्वीकृति करने की मांग की गई थी। अधिकारियों द्वारा शीघ्र क्षतिग्रस्त मार्गो की मरम्मत के भरोसा दिया गया है।

उन्होंने जिलाधिकारी व यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को भी स्थिति से अवगत कराया है। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने इस संबंध में विभागीय बैठक बुलाकर मार्गों की शीघ्र मरम्मत के निर्देश दिए हैं।

संभावित बाढ़ क्षेत्र का एसडीएम ने किया दौरा, पुलिस बल तैनात

रबूपुरा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। बीते दिनों से लगातार हो रही बारिश व हथनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद अब हरियाणा निकटवर्ती रबूपुरा क्षेत्र में भी बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। हालांकि अभी ऐसी स्थिति नहीं है। फिर भी जिला प्रशासन नजर बनाए हुए है। एसडीएम जेवर अभय सिंह ने गुरुवार को यमुना किनारे संभावित बाढ़ क्षेत्र का दौरा किया तथा अधीनस्थ को आपदा से निबटने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुरानी यमुना नदी व निचले इलाकों में लोगों से सुरक्षित स्थानों पर पहुचने की अपील की गई है। पुरानी यमुना नदी की तलहटी रबूपुरा क्षेत्र के नगला चंडीगढ़, मेंहदीपुर, मकनपुर, सिरौली बांगर, फलैदा, करौली आदि क्षेत्र संभावित बाढ़ क्षेत्र कहलाता है। यमुना में जलस्तर बढ़ने पर पिछले वर्षो भी इस क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति देखी जारी रही है। इसी को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर रखीं। हालांकि यहां अभी यमुना का पानी नुकसान पहुंचने की स्थिति में नहीं है। लेकिन पुरानी यमुना कहलाने वाले क्षेत्र में पानी बढ़ने की आशंका से स्थानीय निवासी चिंतित हैं। लोगों ने रातभर जागकर नदी के जलस्तर पर नजर रखी हुई है। उधर जिला प्रशासन कई दिनों से अलर्ट पर है और लगातार लोगों को प्रशासन की तरफ से जारी गाइडलाइन जारी कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। जेवर उपजिलाधिकारी अभय सिंह ने राजस्व टीम के साथ मौके पर स्थिति का जायजा लिया तथा टीम गठित कर नगला चंडीगढ़ के समीप पुलिस बल तैनात एवं लाउडस्पीकर के जरिए लोगों से निचले हिस्से को छोड़कर सुरक्षित जगह शरण लेने की अपील की जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम जगनपुर अफजलपुर में उप जिलाधिकारी सदर, गौतमबुद्धनगर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 498/एस०टी०-एस०डी०एम०/2025, दिनांक 30.06.2025 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक स्व० श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री बाबूराम निवासी ग्राम नवादा, परगना दनकौर, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
जगनपुर अफजलपुर	896, 1054, 1055, 1056, 1057	स्व0 श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री बाबूराम निवासी ग्राम नवादा, परगना दनकौर, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती सुधा शर्मा	पत्नी	70 वर्ष
			श्री मोहित कुमार शर्मा	पुत्र	41 वर्ष
			श्रीमती प्रियंका रानी	पुत्री विवाहित	35 वर्ष

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

शिकायतों के बावजूद हालात जस के तस टूटी सड़कों पर फंसी ग्रामीणों की जिंदगी

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। खोदना खुर्द गांव के लोग लंबे समय से परेशानियों का सामना कर रहे हैं। बरसात के मौसम में यहां की समस्याएं और बढ़ जाती हैं। सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं, जिनमें पानी भरकर हादसों का खतरा बढ़ा देते हैं। वहीं गलियों और मैदानों में गंदगी के ढेर से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।

गांव की हालत देखकर साफ पता चलता है कि यहां विकास कार्य सिर्फ कागजों तक सीमित रह गए हैं। गांव के निवासी पप्पू, विमला और पिंटू गौतम ने बताया कि पिछले दो से तीन सालों से स्थिति बिल्कुल नहीं बदली। बरसात में यहां के रास्ते कीचड़ और गड्ढों से भर जाते हैं। सड़कों पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बने हुए हैं। जिनमें बरसात का पानी भर जाता है। इससे न केवल राहगीरों को परेशानी होती है, बल्कि बाइक और गाड़ियों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। दूसरी बड़ी समस्या गांव में कूड़े और गंदगी का ढेर है। चारों तरफ कचरा पड़ा हुआ है और नालियां जाम हैं। जिसकी वजह से मच्छर और बदबू फैल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग और सफाई कर्मचारी कभी-कभी आते हैं, लेकिन सफाई का कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। गांव कि निवासी विमला देवी ने बताया कि गांव की औरतों व बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। नंगे पैर या साइकिल से चलते समय बच्चे अक्सर गिर जाते हैं। वहीं पप्पू ने कहा कि उन्होंने कई बार जनप्रतिनिधियों को शिकायत कीए लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। पिंटू गौतम ने गुस्से में कहा कि गांव के लोग टैक्स और वोट तो समय पर देते हैं, लेकिन बदले में उन्हें सिर्फ टूटी सड़कें, गड्ढे और गंदगी मिलती है।

ग्रामीणों ने साफ चेतावनी है कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। गांव वाले चाहते हैं कि उनके बच्चों को भी सुरक्षित और साफ-सुथरा माहौल मिले, ताकि वे बिना किसी परेशानी के स्कूल जा सकें और लोग रोज़मर्रा का काम कर सकें।

ग्रेटर नोएडा हाईवे की बदहाल सड़क, कई साल से अधूरा काम, दुर्घटना का खतरा

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। शहर का एक बड़ा हाईवे पिछले तीन से चार सालों से बदहाल हालत में पड़ा है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ भरे पानी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश होते ही सड़क पर जलभराव हो जाता है, जिससे गाड़ियों का संतुलन बिगड़ने का डर हमेशा बना रहता है। स्थानीय लोगों और राहगीरों का कहना है कि इस खराब सड़क की वजह से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। रास्ते के किनारे ठेला लगाने वाले लोगों ने बताया कि हाईवे की यह हालत पास में चल रहे हाई ब्रिज के काम की वजह से हुई है। पुल का निर्माण अधूरा पड़ा है और इसका असर सीधे सड़क पर पड़ा है। अगर समय पर पुल का काम पूरा कर लिया जाए तो सड़क भी सही कराई जा सकती है और लोगों को राहत मिलेगी। सबसे ज्यादा खतरा दोपहिया वाहन सवारों को है, क्योंकि पानी भरे गड्ढों की वजह से उन्हें गड्ढे का अंदाजा ही नहीं लग पाता। इससे गिरने और दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहती है। लेकिन फिर भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

आसपास के रहवासी और दुकानदारों का कहना है कि सड़क की हालत को देखकर लगता है मानो जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। लोगों की मांग है कि हाई ब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराया जाए और सड़क की मरम्मत जल्द से जल्द हो। अगर काम को लटकाया जाता रहा तो आने वाले दिनों में दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाएगा। इसलिए जल्द कार्रवाई कर सड़क को दुरुस्त कराएं ताकि हजारों लोगों को राहत मिल सके।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम जगनपुर अफजलपुर तहसील सदर व जिला गौतमबुद्धनगर में उप जिलाधिकारी द्वारा जारी, परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 29/एस०टी० एस०डी०एम०/2021 दिनांक 28.09.2021 के अनुसार : मृतक श्री रतनपाल पुत्र स्व० श्री शीशराम निवासी ग्राम मुरशदपुर परगना दनकौर तसहील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 29.08.2010 के स्थान पर उनके वारिसान/सदस्यो के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है-

क्रम सं0	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
1	जगनपुर अफजलपुर	20म, 21म, 23म	स्व0 श्री रतनपाल पुत्र स्व0 श्री शीशराम निवासी ग्राम मुरशदपुर परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर।	श्रीमती जगनवती	पत्नी	59 वर्ष	विधवा
				श्री वीरेन्द्र	पुत्र	42 वर्ष	
				श्री भूपेन्द्र	पुत्र	38 वर्ष	
				श्री रविन्द्र	पुत्र	33 वर्ष	
				श्री रघुराज	पुत्र	37 वर्ष	
				श्री गजराज	पुत्र	30 वर्ष	
				श्री अजय	पुत्र	26 वर्ष	
				श्रीमती मधु	पुत्री	25 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना विकास प्राधिकरण।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01,सैक्टर-नॉलेज पार्क-4,ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-घरबरा की प्रस्तावित आबादी में आवंटन संख्या-एम.यू.आर.01444, भूखण्ड संख्या-47, पाकेट-A, क्षेत्रफल-370 वर्ग मीटर को आवंटित सर्वश्री तारा, धारा, लखिया पुत्रगण श्री मंगत, निवासी-ग्राम-विसायच, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० को आवंटित किया गया था। सहःआवंटी श्री लखिया पुत्र श्री मंगत की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री तारा, धारा पुत्रगण श्री मंगत भाई स्व० श्री लखिया, निवासी-ग्राम-विसायच, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० में से सर्वश्री तारा, धारा पुत्रगण श्री मंगत भाई स्व० श्री लखिया, निवासी-ग्राम-विसायच, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री तारा, धारा पुत्रगण श्री मंगत भाई स्व० श्री लखिया, निवासी-ग्राम-विसायच, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

{ संपादकीय }
नई दिल्ली, शुक्रवार 5 सितम्बर 2025
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

जीएसटी सुधार या भूल सुधार

30 जून और 1 जुलाई 2017 की आधी रात को संसद भवन को बिजली की लड़ियों और फूलों से सजाया गया था। जगमगाती संसद में नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक आजादी की घोषणा की और वो भी आधी रात को। मीडिया ने इसे हिंदुस्तान का ऐतिहासिक पल बताया था। मकसद साफ था कि नेहरूजी ने आधी रात को ही दुनिया के सामने देश की आजादी का ऐलान किया था, तो किसी भी तरह उनके समकक्ष आने के लिए नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन का ही इस्तेमाल किया और वह भी आधी रात को। दरअसल 1 जुलाई 2017 से गुड्स एंड सर्विसेस टैक्स (जीएसटी) लागू हुई और इसमें वैट, सेवा टैक्स और एक्साइज ड्यूटी जैसे कई अप्रत्यक्ष टैक्स को एक साथ किया गया। लेकिन जिस तरह नोटबंदी की असफलता देश के सामने आने में देर नहीं हुई। वैसे ही जीएसटी की कमियां भी व्यापारियों को परेशान करने लगीं और आम आदमी के लिए भी कई तरह से यह व्यवस्था मारक साबित हुई।

अब इस साल प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले से जीएसटी में महत्वपूर्ण बदलाव के वादे किए थे। उनके हिसाब से यह जनता के लिए दीवाली का तोहफा होगा। लेकिन शायद बिहार चुनाव के कारण दीवाली से पहले ही जीएसटी में दरों में बदलाव किया गया है, जो इसी महीने 22 सितंबर से लागू हो जाएगा। जीएसटी परिषद ने 3 सितंबर को इसकी मंजूरी दे दी है। अब 12फीसदी और 28 फीसदी की कर स्लैब को खत्म कर दिया गया है। केवल दो स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी रहेंगे साथ ही सिगरेट, शराब, निजी नौका, हेलीकॉप्टर जैसे खास सामानों पर 40फीसदी की विशेष कर दर लागू की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा, 'यह सुधार आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग, और एमएसएमई के लिए लाभकारी होंगे।'

मीडिया एक बार फिर चरणवंदन में लग चुका है। इसे मोदी का मास्टरस्ट्रोक जैसे शीर्षकों से पेश किया जा रहा है, जबकि असल में यह कांग्रेस की सलाह पर अमल है और अपनी गलती का सुधार है। 2017 से आम आदमी को रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर जीवनरक्षक दवाओं तक सब पर जीएसटी का भार सहना पड़ता था। अब सरकार इसे आम आदमी के लिए राहत बता रही है। राहुल गांधी 2017 से लेकर अब तक कई बार यह मांग कर चुके थे कि गरीबों, मध्यम वर्ग और एमएसएमई आदि को ध्यान में रखकर कर की दरें लागू हों, लेकिन उनकी बात को नहीं सुना गया। दरअसल जीएसटी के कारण खाद, किताब, ट्रैक्टर, दवाई, पढ़ाई दूध-दही, आटा-अनाज, यहां तक कि बच्चों की पेन्सिल-किताबें, ऑक्सीजन, इंश्योरेंस और अस्पताल के खर्च जैसी रोजमर्रा की चीजें भी महंगी हो गई थीं। देश के इतिहास में पहली बार किसानों पर टैक्स लगा, सरकार ने कृषि क्षेत्र की कम से कम 36 वस्तुओं पर जीएसटी थोपा था।

अब राहत देकर इसे जनता के लिए एक बड़े तोहफे के तौर पर पेश किया जा रहा है। नए जीएसटी स्लैब के बाद अब कैंसर की जीवन रक्षक दवाओं पर अब शून्य दर से कर लगेगा। दूध, पनीर, स्नैक्स और ब्रेड सहित आम उपभोग की 175 वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। पनीर, छेना और पराठे सहित सभी प्रकार की भारतीय रोटियों पर कर 5 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा। बालों का तेल, साबुन, शैंपू, टूथब्रश, रसोई के सामान अब 5 प्रतिशत कर के दायरे में आएंगे। 33 जीवन रक्षक दवाइयां 12 प्रतिशत से शून्य कर के दायरे में आ जाएंगी। मानव निर्मित रेशे पर कर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत और मानव निर्मित धागे पर कर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा फिलहाल बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी वसूला जाता है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि बीमा कंपनियों से आप उपभोक्ता को कितनी राहत मिलेगी, क्योंकि अपने नुकसान की भरपाई भी आखिर में कंपनियां ग्राहकों से ही वसूलेंगी। यही बात बाकी उत्पादों पर भी लागू होती है। एक बार कोई सामान महंगा बिकने लगे तो शायद ही कभी दाम कम होते हैं। इसलिए दीवाली से पहले जिन लोगों को यह लग रहा है कि सरकार से उनको वाकई तोहफा मिल गया तो वे अपनी खुशियां थाम कर रखें। नई दरें लागू होने के बाद देखें कि सामान सस्ता होता है या किसी और तरीके से कीमत बढ़ाई जाती है।

वैसे भी इस सरकार का ट्रैक रिकार्ड उद्योगपतियों के साथ खड़े होने का है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया है कि कुल जीएसटी का दो-तिहाई यानी 64फीसदी हिस्सा गरीबों और मध्यम वर्ग की जेब से आता है, और अरबपतियों से केवल 3फीसदी जीएसटी वसूला जाता है, जबकि कॉरपोरेट टैक्स की दर 30फीसदी से घटाकर 22फीसदी कर दी गई है। दरअसल एक देश एक टैक्स की बात करते हुए मोदी सरकार ने 0फीसदी, 5फीसदी, 12फीसदी, 18फीसदी, 28 फीसदी की दरों के साथ 0.25फीसदी, 1.5फीसदी, 3फीसदी और 6फीसदी की विशेष दरों वाली एक देश 9 टैक्स प्रणाली को लागू किया था। इस वजह से व्यापारियों को तकलीफ हो रही थी, उसके कुछ उदाहरण भी सामने आए थे। तमिलनाडु में एक व्यापारी ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी तो उसे निर्मला सीतारमण के सामने बाद में माफी मांगनी पड़ी थी। सरकार की जिद और मनमानेपन का यह एक सबूत था। हालांकि जीएसटी को श्री मोदी अपने बड़ी सफलता की तरह पेश करते रहे, लेकिन उसमें बार-बार बदलाव से यह जाहिर था कि 140 करोड़ की आबादी को प्रभावित करने वाले इस फैसले पर ठीक से सोच-विचार भाजपा ने नहीं किया। इससे पहले 28 फ़रवरी 2005 को यूपीए सरकार ने लोक सभा में जीएसटी की औपचारिक घोषणा की थी। फिर 2011 में तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी जीएसटी बिल लेकर आए तब भाजपा के साथ गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही जीएसटी का घोर विरोध किया था। अब इसी जीएसटी को वे अपनी उपलब्धि बता रहे हैं, जबकि यह कांग्रेस के फैसले को दोहराने से ज्यादा कुछ नहीं है।

लगातार अनिश्चित हो रही विधेयकों के अनुमोदन की समय-सीमाएं

■ के रवींद्रन

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की दो-न्यायाधीशों वाली पीठ द्वारा राज्यपालों और राष्ट्रपति को उनके पास भेजे गए विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए निर्धारित तीन महीने की समय-सीमा, जिसकी अब मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संवैधानिक पीठ द्वारा पुनर्परीक्षा की जा रही है, लगातार अनिश्चित होती जा रही है।

यह मामला, जो मूल निर्णय के समय सुलझा हुआ प्रतीत हो सकता था, अब नाजुक होता जा रहा है क्योंकि राष्ट्रपति के संदर्भ की सुनवाई के माध्यम से व्यापक संवैधानिक सिद्धांत सामने आ रहे हैं। दो-न्यायाधीशों के निर्णय की स्थिरता अनिश्चित प्रतीत होती है, न केवल बड़ी पीठ के संदेह के कारण, बल्कि अप्रैल के निर्णय में निहित अस्पष्टताओं के कारण भी, जो अनपेक्षित परिणामों के द्वार खुले छोड़ देती हैं। दांव पर केवल विधायी प्रक्रियाओं की दक्षता ही नहीं, बल्कि संवैधानिक पाठ, न्यायिक रचनात्मकता और अनजाने में नए संवैधानिक मानदंडों के निर्माण के जोखिमों के बीच संतुलन भी है।

शुरू से ही, 8 अप्रैल के इस फैसले की कुछ हलकों में राज्यपालों द्वारा राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोके रखने की लगातार शिकायतों के समाधान के रूप में सराहना की गई। राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर निर्णय लेने के लिए अनिवार्य करने वाले इस आदेश को जवाबदेही बढ़ाने और कार्यपालिका की मनमानी को रोकने के रूप में देखा गया। हालांकि, इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक सिद्धांतों के अनुरूप प्रतीत होता था, लेकिन इसमें अपनाई गई विधि, जो संविधान में स्पष्ट रूप से उल्लिखित नहीं, एक कठोर समय-सीमा लागू करना—समस्याओं से भरी थी।

अब राष्ट्रपति के संदर्भ पर विचार कर रही बड़ी पीठ ने पहले ही इस तनाव को चिह्नित कर दिया है और आगाह किया है कि समय-सीमा अनिवार्य करना वास्तव में संविधान में संशोधन के समान हो सकता है। यह तर्क इस मूलभूत सिद्धांत पर आधारित है कि दस्तावेज़ के निर्माताओं ने, व्यापक बहस के बाद, संबंधित कार्यकारी प्राधिकारियों पर ऐसी सख्तियां लागू करने से जानबूझ कर परहेज़ किया था। इसके बजाय, उन्होंने दुरुपयोग को रोकने के लिए असाधारण मामलों में परंपराओं, राजनीतिक ज़िम्मेदारी और न्यायिक निगरानी पर भरोसा किया। एक निश्चित अवधि को संवैधानिक मौन मानने का प्रयास करके, दो-न्यायाधीशों की पीठ ने शायद एक ऐसी सीमा पार कर ली है जिसे नेकनीयत न्यायिक नवाचार भी उचित नहीं ठहरा सकते।

बड़ी पीठ ने एक सूक्ष्म दृष्टिकोण व्यक्त किया है। यह असाधारण विलंब के मामलों में अदालतों के हस्तक्षेप की वैधता को स्वीकार करता है, जहां सहमति न देना या निष्क्रियता स्पष्ट रूप से लोकतांत्रिक इच्छाशक्ति को नष्ट करती है। ऐसा हस्तक्षेप उपचारात्मक है, जिसका उद्देश्य संवैधानिक विघटन के विशिष्ट उदाहरणों को संबोधित करना है। हालांकि, इस मामले में विशिष्ट उपाय को हर स्थिति में लागू होने वाले एक सार्वभौमिक नियम में परिवर्तित करने से वैचारिक कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। इससे न्यायपालिका के लिए संवैधानिक व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से पुनर्लेखन करके एक विधायी कार्य संभालने का जोखिम पैदा होता है। पीठ की आशंका है कि ऐसा दृष्टिकोण संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय कमजोर कर सकता है, क्योंकि यह भविष्य में न्यायिक रूप से निर्धारित समय-सीमाओं को चुनौती देने वाले मुकदमों की संभावना को खुला छोड़ देता है, जिससे समाधान के बजाय अधिक अस्थिरता पैदा होती है।

> इस अनिश्चितता के व्यावहारिक परिणाम दूरगामी हैं। यदि 8 अप्रैल का फैसला बरकरार रहता है, तो राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिससे पूर्वानुमानितता पैदा होगी और विधायी प्रक्रियाओं में तेजी आएगी। फिर भी, ऐसा करने से, यह उस विचार-विमर्श की गुंजाइश को भी कम कर देता है ।

8 अप्रैल के फैसले में न्यायिक समीक्षा के अपने व्यवहार में भी अस्पष्टताएं हैं। इसने सही ही पुष्टि की कि विधेयकों को लंबित रखने में राज्यपाल का आचरण न्यायिक जांच से परे नहीं है। यह कथन इस सिद्धांत के अनुरूप है कि कोई भी संवैधानिक पदाधिकारी जवाबदेही से मुक्त नहीं है, खासकर जब निष्क्रियता प्रतिनिधि लोकतंत्र को कमजोर करती है। फिर भी, यह निर्णय ऐसी समीक्षा के दायरे को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में विफल रहा।

विशेष रूप से, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या जांच केवल आचरण तक ही सीमित है—अर्थात विलंब तक—या क्या यह विधेयकों के सार को भी शामिल कर सकती है। निर्णय यह सुझाव देता प्रतीत होता है कि एक बार जब किसी विधेयक को निर्धारित अवधि बीत जाने के कारण स्वत: स्वीकृति मिल जाती है, तो राज्यपाल की पूर्व निष्क्रियता को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। लेकिन क्या इससे संबंधित विधेयकों की विषयवस्तु, आशय और संवैधानिक वैधता की भी जांच करने का रास्ता खुलता है? यदि बिना किसी ठोस समीक्षा के स्वत: स्वीकृति प्रदान कर दी जाती है, तो संभावना है कि संदिग्ध संवैधानिक योग्यता वाले विधेयक बिना किसी जांच के पारित हो सकते हैं। इसके विपरीत, यदि न्यायालय स्वयं विषयवस्तु की जांच में शामिल होते हैं, तो यह न्यायिक वीटो के समान हो सकता है, जो शक्तियों के पृथक्करण को कमजोर करता है।

इन विवादों को सुलझाने के लिए स्पष्ट संस्थागत रास्तों के अभाव से दुविधा और भी जटिल हो जाती है। संविधान में नियंत्रण और संतुलन की एक ऐसी व्यवस्था की परिकल्पना की गई है जहां राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में, राज्य के विधानों में संवैधानिक औचित्य की रक्षा में एक सीमित लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, विधेयकों पर अनिश्चित काल तक रोक लगाकर इस पद का दुरुपयोग करने से यह सुरक्षा अवरोध का साधन बन गया है। इस असंतुलन को दूर करने की न्यायपालिका की प्रवृत्ति समझ में आती है, लेकिन एक कठोर ढांचा लागू करके, अप्रैल के फैसले ने एक और संतुलन- न्यायिक व्याख्या और संवैधानिक संशोधन के बीच की रेखा- को बिगाड़ने का प्रयास किया। वृहद पीठ की चिंता, सुविधावाद की आड़ में न्यायिक अतिक्रमण के खतरे को उजागर करती है।

इस अनिश्चितता के व्यावहारिक परिणाम दूरगामी हैं। यदि 8 अप्रैल का फैसला बरकरार रहता है, तो राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिससे पूर्वानुमानितता पैदा होगी और विधायी प्रक्रियाओं में तेजी आएगी। फिर भी, ऐसा करने से, यह उस विचार-विमर्श की गुंजाइश को भी कम कर देता है जिसका संविधान निर्माताओं ने इरादा किया होगा, खासकर उन मामलों में जहां विधेयक जटिल संवैधानिक या नीतिगत प्रश्न उठाते हैं। दूसरी ओर, यदि वृहद पीठ द्वारा फैसले को खारिज कर दिया जाता है, तो अनिश्चितकालीन विलंब की यथास्थिति वापस आ जाएगी, जब तक कि संसद स्वयं समय-सीमा तय करने के लिए हस्तक्षेप न करे, जो एक राजनीतिक रूप से जटिल प्रस्ताव है। किसी भी स्थिति में, गहरा सवाल अनसुलझा रहता है: जब विधेयकों में देरी हो रही हो, तो न्यायिक समीक्षा का वैध दायरा क्या होना चाहिए? क्या न्यायपालिका केवल यह आकलन करने तक सीमित है कि क्या देरी अनुचित है, या क्या वह आगे बढ़कर विधेयकों की प्रकृति की जांच कर सकती है, जब तक कि स्वीकृति न मिल जाए?

अप्रैल के फैसले में स्पष्टता की कमी से मुक़दमों की बाढ़ आने का ख़तरा है। उदाहरण के लिए, तीन महीने की राज्यपालीय चुप्पी के बाद स्वत: कानून बन जाने वाले किसी विधेयक को बाद में संवैधानिक कमज़ोरियों के आधार पर चुनौती दी जा सकती है। तब अदालतों को न केवल स्वत: स्वीकृति तंत्र की वैधता पर, बल्कि स्वयं कानून की मूल संवैधानिकता पर भी निर्णय लेने के लिए कहा जाएगा। यह दो-स्तरीय मुक़दमेबाज़ी उस निश्चितता को प्रदान करने के बजाय जटिलता की परतें बढ़ाएगी जिसका दावा इस फैसले में किया गया था। यह राज्यपालों को रणनीतिक रूप से पीछे हटने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है, यह जानते हुए कि विवादास्पद विधेयक, एक बार स्वत: स्वीकृति मिलने के बाद, वैसे भी न्यायिक बाधाओं का सामना करेंगे। ऐसा परिणाम विरोधाभासी रूप से उसी समस्या को और मज़बूत कर सकता है जिसका समाधान अप्रैल के फैसले में किया गया था।

बड़ी पीठ के समक्ष चल रही सुनवाई इन तनावों को दूर करने की कठिनाई को रेखांकित करती है। न्यायिक रचनात्मकता लंबे समय से भारतीय संवैधानिक कानून की एक पहचान रही है, मूल संरचना सिद्धांत से लेकर मौलिक अधिकारों की व्यापक व्याख्याओं तक। फिर भी, व्याख्या और संशोधन के बीच एक रेखा, चाहे कितनी भी धुंधली क्यों न हो, रही है। 8 अप्रैल के फैसले पर बहस उस सीमा की नाज़ुकता को उजागर करती है। समय-सीमाएं निर्धारित करके, दो न्यायाधीशों की पीठ ने भले ही नेकनीयती से प्रयास किया हो, शायद हद पार कर दी हो। बड़ी पीठ का सतर्क दृष्टिकोण इस जागरूकता को दर्शाता है कि संवैधानिक मौन का सम्मान किया जाना चाहिए, भले ही वे कभी-कभी कार्यपालिका के अवरोधों की अनुमति देते हों। न्यायिक आदेश के माध्यम से हर कमी को पूरा करने का जोखिम यह है कि संविधान धीरे-धीरे आधारभूत पाठ नहीं रह जाता और न्यायिक रूप से जोड़े गए खंडों का एक ढेर बन जाता है।

सपनों को संवारने वाला शिल्पकार: शिक्षक

■ डॉ. सूर्यकांत मिश्रा

प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के अवसर पर विचारों की छलछलाती सोच कुछ नया लिखने की प्रेरणा प्रदान करती महसूस की जाती है। मैं अपने शिक्षकीय अनुभव पर कुछ लिखूं या फिर मेरे अपने गुरुओं की महिमा का गान करूं, समझ पाने में असमर्थ हूं। कभी यह विचार भी मन में उठने लगते हैं कि ऐसे कौन से कारण हैं जिनके चलते आज के कुछ शिक्षक इस महान पेशे को कलंकित कर जाते हैं, क्या आज की सम्मानजनक वेतन प्रणाली ने ऐसे शिक्षकों के जीवन में अमर्यादित आचरण का बीजारोपण किया है? आर्थिक संपन्नता के चलते ही कहीं शिक्षकीय पेशा अपने कर्तव्य से विमुख तो नहीं हो रहा है? ऐसे सवाल अंतर्मन में इसलिए हिलोरे मार रहे हैं कि आज से लगभग आधी शताब्दी पूर्व इस महत्वपूर्ण पेशे में संलग्न लोगों को मिलने वाला वेतन पारिवारिक जरूरतों के लिए अपर्याप्त था, किंतु शिक्षकों का आचरण वास्तव में गुरुओं की श्रेणी का हुआ करता था। वर्तमान समय में कुछ लोगों के कारण इस पेशे में आई सामाजिक गिरावट ने यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आज भी शालाओं को गुरुकुल का पर्याय माना जा सकता है? मेरी आत्मा से निकला उत्तर नकारात्मक जान पड़ता है! शिक्षक दिवस के दिन इन बदली हुई परिस्थितियों में बहुत कुछ ऐसा लिखा जा सकता है जो भारतीय संस्कृति को नागवार गुजरता हो।

> एक सच्चा शिक्षक अपनी महानता से आपको प्रभावित नहीं करना चाहता बल्कि वह आपको यह एहसास कराना चाहता है कि आपके पास स्वयं को खोजने का कौशल है। हमारे राष्ट्रनिर्माता को यह याद रखना होगा कि एक प्रतिभाशाली शिक्षक न केवल आज के बच्चे की जरूरतों को पूरा करने वाला माध्यम है बल्कि हर बच्चे के भविष्य में आशाओं और सपनों को संवारने वाला बड़ा शिल्पकार भी है।

एक शिक्षक के रूप में इस सेवा को स्वीकार करने वाले व्यक्ति को एक नहीं अनेक पैमानों पर खरा उतरना पड़ता है। अपनी छवि गुरु के रूप में स्थापित करने का सपना उसी दशा में पूरा हो सकता है, जब एक शिक्षक सबसे पहले अपने रहने और कपड़े पहनने के तरीकों का भलीभांति ध्यान रखें। यह भी ध्यान रखने वाली बात है कि जब भी एक शिक्षक अपनी कक्षा में प्रवेश करे, वह खुद को पूरे अनुशासन की परिधि में तौल ले । कारण यह कि हर विद्यार्थी अपने शिक्षक को अपना आदर्श मानतस्र हैं। एक शिक्षक द्वारा पढ़ाई गई विषय सामग्री बच्चों के मस्तिष्क पर व्यापक प्रभाव छोड़ती है। आगे चलकर यही शिक्षा एक अच्छे समाज के निर्माण में महती भूमिका निभाती है। इसी कारण कहा जाता है- ०२१०शिक्षक ही राष्ट्र का निर्माता है।' जब हम शिक्षक के रूप में एक अच्छे व्यक्तित्व की बात करते हैं तो हमारे मस्तिष्क में अपने जीवनकाल के सबसे अच्छे शिक्षक की तस्वीर घूमने लगती है । यह तस्वीर इसलिए हमारे सामने आती है, क्योंकि हमने उस शिक्षक से वह सब कुछ सीखा है जिसके चलते आज सम्मानजनक स्थान पर खड़े हैं। वही एक अच्छा शिक्षक माना जा सकता है, जो खुद को कुछ बोलने से पहले तौलता हो कि उसकी वाणी का प्रभाव सकारात्मक होगा या नकारात्मक? एक शिक्षक का बेहतरीन व्यक्तित्व उसके बोलने के तरीके पर निर्भर करता है। एक शिक्षक का बेहतरीन वक्ता होना ही वह गुण है जिसके चलते उसके विद्यार्थी उसे पसंद करने लगते हैं। प्रत्येक शिक्षक को यह स्मरण रखना चाहिए कि वह अपने विद्यार्थियों से बेसिर पैर की बात न करे। ऐसे शिक्षक विद्यार्थियों के प्रेरणा स्त्रोत नहीं हो सकते।

वर्तमान समय तेजी के साथ परिवर्तन के मार्ग पर अग्रसर है। आज के बच्चों का जीवन जीने का तरीका पहले की तुलना में पूरी तरह बदल चुका है। खास कर आज की किशोरवय और युवा पीढ़ी की सोच का अध्ययन कर उन्हें शिक्षित करना बड़ी चुनौती है। वर्तमान पीढ़ी जिसमें युवक-युवती दोनों ही शामिल हैं, उन्हें किसी काम में किसी अन्य का हस्तक्षेप बर्दास्त नहीं। फिर वह उनके माता-पिता सहित शिक्षक ही क्यों न हों? ऐसी परिस्थिति में शिक्षकों का कर्तव्य और अधिक बढ़ जाता है कि उनके विचारों में घुलमिल चुकी विषमता को कैसे बाहर निकालें? यदि एक शिक्षक ही व्यसन के कुचक्र में पड़कर अपनी कक्षाओं में प्रवेश करेगा तो क्या वह आग में घी डालने जैसा नहीं होगा? तब हमें विचार करना होगा कि हम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के उच्च विचारों को अपने हृदय में कैसे स्थान प्रदान करें? एक अध्यापक शिक्षण प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है। यह कल्पना भी नहीं की जा सकती है कि एक अध्यापक के बिना शिक्षा की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। प्रत्येक शिक्षक इस बात को जानता है कि उसका काम न केवल छात्रों को शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि उन्हें आने वाले कल के लिए तैयार भी करना है। तब वर्तमान का शिक्षक खुद को एक ऐसा उपकरण क्यों नहीं मान रहा है, जो उच्च स्तरीय वस्तुओं का उत्पादन कर अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में सक्षम रहता है। आज एक शिक्षक की चुनौती पहले की तुलना में कहीं ज्यादा है। कारण यह कि अब जमाना 'गूगल' का है ! हर छात्र गूगल और किताबों के माध्यम से अपने ज्ञान को अपडेट करता रहता है। तब एक शिक्षक को हर परिस्थिति में अपने विद्यार्थियों के सवालों का सटीक जवाब देने खुद को अपडेट रखना होगा।

'शिक्षक ही शिक्षा व्यवस्था का हृदय है।' उसके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से ही जीवन प्रकाशवान हो सकता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि अब शिक्षक का कार्य बोर्ड पर दो चॉक लेकर खड़ा होना ही नहीं रह गया है बल्कि अपने विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से वह सब कुछ प्रदान करना है जिसकी उम्मीद एक शिक्षक के माध्यम से वर्तमान पीढ़ी चाहती है। समाज निर्माण की भूमिका में आज तैनात समस्त शिक्षकों को यह समझ लेना चाहिए कि 'एक किताब, एक कलम, एक बच्चा और एक शिक्षक' पूरी दुनिया बदलने की क्षमता रखते हैं। वास्तव में कहा जाए तो आज जरूरत इस बात की है कि एक अध्यापक खुद को केवल शिक्षक नहीं बल्कि यह मानकर काम करे कि वह जागरूकता पैदा करने की बड़ी मशीन है। शिक्षकों का प्रभाव केवल कक्षा की चहार दीवारी तक ही नहीं उससे भी आगे भविष्य निर्माण तक विस्तृत है। हमारे देश के महान वैज्ञानिक और राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम कहा करते थे- 'शिक्षण एक बहुत ही महान पेशा है, जो व्यक्ति के चरित्र, क्षमता और भविष्य को आकार देता है। यदि लोग मुझे एक अच्छे शिक्षक के रूप में याद रखें तो यह मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान होगा।'

एक सच्चा शिक्षक अपनी महानता से आपको प्रभावित नहीं करना चाहता बल्कि वह आपको यह एहसास कराना चाहता है कि आपके पास स्वयं को खोजने का कौशल है। हमारे राष्ट्र निर्माता को यह याद रखना होगा कि एक प्रतिभाशाली शिक्षक न केवल आज के बच्चे की जरूरतों को पूरा करने वाला माध्यम है बल्कि हर बच्चे के भविष्य में आशाओं और सपनों को संवारने वाला बड़ा शिल्पकार भी है। साथ ही यह भी नहीं भूलना चाहिए कि एक अच्छा शिक्षक ही अपने विद्यार्थियों में आशा का बीज बो सकता है। उनके अंदर अंकुरित हो रही कल्पना को प्रस्फुटित कर सकता है। एक शिक्षक ही विद्यार्थियों में सीखने के प्रति जीवटता और जुनून पैदा कर सकता है। इसी कारण शिक्षा को संजीवनी और शिक्षक को हनुमान कहा जाता है।

आपके पत्र

खतरनाक मौसम में भी स्कूल खुले क्यों?

दुनिया भर में आपदा और संकट के समय शिक्षा व्यवस्था पर अस्थायी रोक लगाना कोई नई बात नहीं है। कोरोना काल में महीनों तक स्कूल बंद रहे और वैकल्पिक माध्यमों से शिक्षा को आगे बढ़ाया गया। जब महामारी के दौर में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि मानी गई, तो बाढ़ और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में वही संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई जाती?

यहां तर्क दिया जा सकता है कि पढ़ाई का नुकसान न हो, इसलिए स्कूल बंद नहीं किए जा सकते। लेकिन क्या पढ़ाई का महत्व बच्चों और शिक्षकों की जान से बड़ा है? शिक्षा तभी सार्थक है जब छात्र और शिक्षक सुरक्षित हों। गीली और टूटती छतों के नीचे, पानी से भरे आंगनों में और बीमारी के खौफ में पढ़ाई कराने का निर्णय शिक्षा नहीं, बल्कि मजबूरी और लापरवाही कहलाएगी।

दरअसल, असली समस्या हमारी नीति और नीयत दोनों की है। जिन अधिकारियों को स्थानीय हालात देखकर तुरंत निर्णय लेना चाहिए, वे केवल ऊपर से आए आदेशों का इंतज़ार करते रहते हैं। और ऊपर बैठे नीति-निर्माता आमतौर पर कागज़ी रिपोर्टों और फाइलों के आधार पर निर्णय लेते हैं। नतीजा यह होता है कि जमीनी हालात और सरकारी आदेशों के बीच बड़ा अंतर रह जाता है। आज ज़रूरत इस बात की है कि शिक्षा विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग मिलकर एक स्पष्ट नीति बनाएं। इसमें यह तय हो कि किन परिस्थितियों में स्वत: स्कूल बंद माने जाएंगे। जैसे- जब किसी जिले में बाढ़ का हाई अलर्ट जारी हो, जब लगातार बारिश से जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए, या जब भवनों की सुरक्षा संदिग्ध हो। इससे निचले स्तर के अधिकारी समय रहते फैसला ले सकेंगे और बच्चों को जोखिम से बचाया जा सकेगा।

इसके साथ-साथ स्कूल भवनों की नियमित मरम्मत और रखरखाव पर भी ज़ोर दिया जाना चाहिए। हर बरसात में छत टपकना और दीवारें गिरना हमारी शिक्षा व्यवस्था की पोल खोल देता है। यदि बच्चों के लिए सुरक्षित भवन तक उपलब्ध नहीं करा सकते तो फिर शिक्षा के अधिकार की बातें खोखली साबित होती हैं।

एक और पहलू पर ध्यान देना ज़रूरी है। जब सरकारें 'स्मार्ट क्लास', 'डिजिटल एजुकेशन' और 'न्यू एजुकेशन पॉलिसी' की बात करती हैं, तो क्यों न आपदा के समय ऑनलाइन या वैकल्पिक शिक्षा का सहारा लिया जाए? बच्चों की पढ़ाई बिना उनकी सुरक्षा से समझौता किए जारी रखी जा सकती है। लेकिन दुर्भाग्य है कि ऐसे दूरदर्शी कदमों की जगह केवल आदेश जारी करने की औपचारिकता निभाई जाती है।

बच्चे देश का भविष्य हैं—यह वाक्य हम बार-बार सुनते हैं। लेकिन जब इस भविष्य को सुरक्षित रखने का समय आता है, तो हमारी व्यवस्था सबसे ज्यादा असफल साबित होती है। बारिश और बाढ़ जैसे हालात में स्कूलों को खुला रखना बच्चों और शिक्षकों दोनों की जान को खतरे में डालने जैसा है। यह केवल संवेदनहीनता ही नहीं, बल्कि लापरवाही की पराकाष्ठा है।

संवेदनशील शासन वही है जो संकट की घड़ी में अपने नागरिकों—खासकर बच्चों—की सुरक्षा सुनिश्चित करे। यदि इस बुनियादी दायित्व में भी हम असफल रहते हैं, तो विकास, शिक्षा और प्रगति के सारे दावे केवल खोखले नारे भर रह जाएंगे।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

जीएसटी : परेशानियों का अंबार

द इकॉनामिस्ट के इस अंक में भारत के वर्तमान परिदृश्य पर तीन लेख हैं। एक लेख में कहा गया है कि जीएसटी का स्वागत है, किन्तु यह अनावश्यक रूप से जटिल और लालफीताशाही से ग्रस्त है जिसके कारण इसकी उपादेयता बहुत घट गई है। पत्रिका यह भी कहती है कि प्रधानमंत्री मोदी ने भले ही जोरदार प्रचार के साथ बहुत सी योजनाएं प्रारंभ कर दी हों, लेकिन इनमें से अनेक तो पहले से चली आ रही थीं। जीएसटी का प्रस्ताव भी पुराना था। पत्रिका नोट करती है कि अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए जिस व्यवस्थित रूप में कार्य होना चाहिए उसे नरेन्द्र मोदी करने में समर्थ प्रतीत नहीं होते। जीएसटी की चर्चा करते हुए द इकानॉमिस्ट का कहना है कि अब पहले के मुकाबले कई गुना ज्यादा फार्म भरना पड़ेंगे। इसके अलावा जीएसटी वाले अन्य देशों में जहां टैक्स की सिर्फ एक दर है वहां भारत में शून्य से लेकर अठ्ठाइस तक दरें तय की गई हैं। इसके चलते सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में जो दो प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित की गई थी वह अब शायद एक प्रतिशत भी न बढ़ पाए।

(देशबन्धु में 13 जुलाई 2017 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2017/07/blog-post_12.html

मिलाद-उन-दबी आज

पैग़म्बर मुहम्मद अमर चरित्र और मानवता के लिए आदर्श

इस्लाम का संदेश कोई नया धर्म नहीं है। प्रथम मानव और प्रथम पैग़म्बर हज़रत आदम से लेकर नूह, इब्राहीम, मूसा, ईसा (अलैहिमुस्सलाम) तक सभी दूतों ने एक ही शिक्षा दी—एक ईश्वर की उपासना और मानवता की सेवा। पैग़म्बर मुहम्मद उसी परम्परा के अंतिम दूत हैं, जिन्होंने इस सत्य को पुन: स्थापित किया और पूर्णता प्रदान की।

पैग़म्बर मुहम्मद का जीवन चरित्र विश्व-इतिहास में सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला जीवन है। उनका जीवन एक ऐसा आदर्श है, जो न केवल अपने समय में, बल्कि पिछले 14 सौ वर्षों से निरन्तर पढ़ा, समझा और अपनाया जा रहा है। उनकी सैरत (जीवनी) पर असंख्य भाषाओं में ग्रन्थ लिखे गए हैं। उनकी शिक्षा यह है कि श्रेष्ठता का आधार न जाति है, न वर्ण, न सम्पत्ति, अपितु केवल धर्मनिष्ठ आचरण और उत्तम चरित्र है।

ईश्वर ने अपने अंतिम दूत, पैग़म्बर मुहम्मद को समस्त संसार के लिए दया और करुणा का स्त्रोत बनाकर भेजा। क़ुरआन में कहा गया है-

और हमने तुम्हें केवल जगतों के लिए दया स्वरूप भेजा है। (सूरा अंबिया: 107)

पैग़म्बर ने सदैव न्याय को सर्वोपरि रखा। एक प्रसंग में एक यहूदी व्यक्ति मुक़दमे में विजयी हुआ क्योंकि सत्य उसी के पक्ष में था, जबकि विरोधी एक मुसलमान था। उन्होंने घोषणा की:

यदि मेरी पुत्री फ़ातिमा भी चोरी करे तो मैं उसका हाथ काट दूंगा। (बुख़ारी)

यह शिक्षा देती है कि न्याय के सामने रिश्ते, जाति या धर्म का कोई मूल्य नहीं।

जब ताइफ़ नगर के लोगों ने पैग़म्बर को पत्थरों से घायल कर दिया, तो स्वर्गदूत ने उन्हें दण्ड देने की अनुमति मांगी। लेकिन उन्होंने उत्तर दिया:

मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूं कि उनकी संतति से सदाचारी लोग उत्पन्न हों।

इस घटना से स्पष्ट होता है कि पैग़म्बर दया और क्षमा के प्रतीक थे।

हज के अंतिम उपदेश में पैग़म्बर ने मानव समानता की घोषणा की-

किसी अरब को अजमी पर, किसी गोर वर्ण को श्याम वर्ण पर कोई श्रेष्ठता नहीं, केवल धर्मनिष्ठा ही श्रेष्ठता का आधार है।

यह संदेश विश्व-मानवता के लिए भाईचारे और समानता का शाश्वत सिद्धान्त है।

पैग़म्बर ने सदैव अनाथ, विधवा और निर्धन की सहायता पर बल दिया। उन्होंने कहा-सबसे उत्तम मनुष्य वह है जो दूसरों को लाभ पहुंचाए। (मुस्नद अहमद)

पैग़म्बर ने पड़ोसी के अधिकार को आस्था का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा-

जिब्रील मुझे निरन्तर पड़ोसी के अधिकार की शिक्षा देते रहे, यहां तक कि मैंने सोचा वे पड़ोसी को वारिस बना देंगे। (बुख़ारी, मुस्लिम)

वह व्यक्ति सच्चा विश्वासी नहीं जो स्वयं तो तृप्त हो और उसका पड़ोसी भूखा रहे। (मुस्नद अहमद)

पैग़म्बर ने नारी को ईश्वर की अमानत बताया। अंतिम उपदेश में उन्होंने कहा-

हे लोगो! स्त्रियों के विषय में ईश्वर से डरते रहो, क्योंकि तुमने उन्हें ईश्वर की अमानत स्वरूप ग्रहण किया है। उन्होंने यह भी कहा-

तुममें सबसे श्रेष्ठ वही है जो अपने परिवार के साथ श्रेष्ठ आचरण रखे, और मैं अपने परिवार के साथ सबसे श्रेष्ठ हूं। (तिर्मिज़ी)

पैग़म्बर ने अत्याचार को सबसे बड़ा पाप बताया-अत्याचार से बचो, क्योंकि अन्याय प्रलय के दिन अंधकार बनेगा।

अत्याचारित की प्रार्थना से बचो, क्योंकि उसके और ईश्वर के बीच कोई परदा नहीं। (बुख़ारी, मुस्लिम) उन्होंने घोषणा की-

हे लोगो! तुम्हारा रक्त , तुम्हारा जीवन और तुम्हारी मर्यादा- सब एक-दूसरे पर उसी प्रकार पवित्र है जैसे यह दिन, यह महीना और यह नगर पवित्र हैं। (बुख़ारी, मुस्लिम)

आज आवश्यकता है कि हम उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारें। क्योंकि वे वास्तव में समस्त मानवता के लिए करुणा मूर्ति हैं।

-नुज़हत सुहैल पाशा

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

अफगानिस्तान में 130 लोगों को जहर दिए जाने की रिपोर्ट

काबुल, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में 130 लोगों को जहर दिए जाने की रिपोर्ट है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता मुस्तागफिर गुरबाज ने गुरूवार को बताया कि यह घटना बुधवार शाम जाजी मैदान जिले के शम्सी गांव में हुई है। उन्होंने बताया कि प्रभावित व्यक्तियों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए चिकित्सा दल मौके पर पहुंच गए हैं। अधिकारी ने बताया कि इस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है और अभी तक यह नहीं पता चल सका है कि इस घटना को किसने अंजाम दिया है और इसके पीछे क्या मकसद था।

ट्रंप की टैरिफ नीति के बीच अमेरिकी सांसद से मिले भारतीय राजदूत

■ ग्रेगरी मीक्स ने ट्रंप के मनमाने टैरिफ पर चिंता जताई
■ कई अमेरिकी सांसदों ने भारत के प्रति लगातार समर्थन दिखाया

वाशिंगटन, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा ने अमेरिकी सांसद ग्रेगरी मीक्स से मुलाकात की है। यह मुलाकात इसलिए अहम है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति का असर भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों पर भी पड़ा है।

ग्रेगरी मीक्स अमेरिका के प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के सदस्य भी हैं। जानकारी सामने आई है कि राजदूत विनय क्वात्रा ने ग्रेगरी मीक्स के साथ भारत-अमेरिका संबंधों पर चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए, हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी डेमोक्रेट्स ने बताया कि मीक्स ने पिछले 25 सालों में अमेरिका-भारत की साझेदारी, खासतौर पर क्वाड के माध्यम से, पर कांग्रेस के समर्थन का जिक्र किया। ग्रेगरी मीक्स ने डोनाल्ड ट्रंप के मनमाने टैरिफ पर चिंता जताई, जो इस महत्वपूर्ण साझेदारी को खतरे में डालते हैं। साथ ही, उन्होंने भारत के साथ गहरे संबंधों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। राजदूत विनय क्वात्रा ने भी पोस्ट किया कि सदन की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ सदस्य ग्रेगरी मीक्स से मिलने और द्विपक्षीय संबंधों में हाल के घटनाक्रमों से उन्हें अवगत कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमारी चर्चा व्यापार, ऊर्जा, हिंद-प्रशांत और आपसी हितों के व्यापक मुद्दों पर केंद्रित रही।

इससे पहले, बुधवार को विनय क्वात्रा ने फ्लोरिडा से रिपब्लिकन सांसद कैट कैमैक के साथ बातचीत की, जिसमें साझा मूल्यों पर आधारित द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई, जब भारत डोनाल्ड ट्रंप की दंडात्मक नीतियों से निपट रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने भारत पर अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च टैरिफ लगाने और रूसी तेल से मुनाफाखोरी करने का आरोप लगाया था।

पूर्व भारतीय राजदूत ने 'भारत टैरिफ किंग' के मिथक को किया खारिज

■ ट्रंप के फैसले पर उठाए सवाल

वाशिंगटन। पूर्व भारतीय राजदूत और ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के जडेजा मोटवानी इंस्टीट्यूट फॉर अमेरिकन स्टडीज के महानिदेशक मोहन कुमार ने ट्रंप प्रशासन के उस दावे को खारिज किया है, जिसमें भारत को टैरिफ का महाराजा कहा गया था। मोहन कुमार ने भारत के उच्च टैरिफ दरों की धारणा को 'व्यापक, लेकिन भ्रामक' करार दिया।

मोहन कुमार ने तर्क दिया कि अमेरिका द्वारा शुरू किया गया टैरिफ युद्ध विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के समझौतों का उल्लंघन है। साथ ही उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि डब्ल्यूटीओ काफी समय से निष्क्रिय है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को फिर से अपने आरोप को दोहराया कि भारत अमेरिकी निर्यात पर दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाता है। उन्होंने कहा कि भारत हमसे भारी टैरिफ वसूल रहा था, जो दुनिया में सबसे अधिक था। इसलिए हम भारत के साथ ज्यादा व्यापार नहीं कर रहे थे, लेकिन वे हमारे साथ व्यापार कर रहे थे, क्योंकि हम उनसे मूर्खतापूर्ण तरीके से टैरिफ नहीं ले रहे थे। पूर्व विदेश सेवा अधिकारी ने टैरिफ की गणना को लेकर एक आम गलतफहमी को भी दूर करने की कोशिश की।

अमेरिका को अखर सकती है किम, शी व पुतिन की नजदीकियां

■ उत्तर कोरिया ने की दीर्घकालिक योजनाओं पर चर्चा

सियोल, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन की सैन्य परेड से इतर बीजिंग में दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक योजनाओं पर चर्चा की। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

किम और पुतिन बुधवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ वहां आयोजित विशाल सैन्य परेड में शामिल हुए थे। इसके कुछ घंटों बाद उत्तर कोरिया और रूस के दोनों शीर्ष नेताओं ने बात की। किम जोंग ने बीजिंग में जापान के खिलाफ विजय और द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन के साथ खड़े होकर बहुपक्षीय कूटनीतिक मंच पर अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराई। तियानमेन चौक पर आयोजित समारोह के लगे मंच पर तीनों नेताओं के एक साथ आने को अमेरिका के विरुद्ध उनकी एकजुटता के रूप में देखा जा रहा है। योनहाप की रिपोर्ट में कहा गया कि किम और पुतिन ने दीर्घकालिक योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई।

सुडोकू 7025

			1	7	3			
					2	3	5	
3							7	
		2	8				1	
6	4						2	9
	8				4	7		
	7							6
	5	8	6					
			4	1	8			

: नियम :
1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 7025

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
६			■		■	७			८
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४					■	■	

बायें से दायें:–
१. हानिकारक, अपकार करम वाला, अल्याणकारी
४. 'एजेंट'
६. रुकना, ठहरना चालू न रहना, बंद हो जाना
७. ओर, पक्ष (उर्दू)
८. झूठ बोलने वाला
१०. जो भारी न हो
११. पूरी ताकत के साथ
१३. अनुवाद (उर्दू)
१४. गुरूता, भारीपन,गौरव, महत्व
१५. बंधुत्व
१७. रानी (उर्दू)
१९. अग्नि
२१. उपवन. बगीचा
२२. अवलंबित होना, आश्रयहीन होकर नीचे की ओर झूलना, टंगना
२४. निर्माण संबंधी, सृजनात्मक

ऊपर से नीचे:–
१. चेतनाहीन, जड़
२. पक्षपात (उर्दू)
३. सारथि
४. छोटी ऊंगली के ओर की बीच की ऊंगली
५. जलपान, नाश्ता
९. दीपावली
११. हित, कल्याण, उपकार
१२. आश्रय, टेक, आलंब भरोसा
१३.संपूर्ण, समाप्त (उर्दू)
१४. आकाष .नभ
१५. किस्मतवर
१६. चापलूस
१८ लेखक, लिपिकार
१९. पूजा, उपासना
२०. लालसा, तीव्र इच्छा
२३. स्त्री,

वर्ग पहेली–7024

१ अ	स्थि	२ क	ल	३ श	■	४ ग	ड़	५ ब	ड़ी
किं	■	म	■	६ शि	क्षि	त	■	ल	■
७ च	तु	र	■	व	■	८ का	रा	वा	९ स
न	■	तो	■	१० द	ला	ल	■	■	म
■	भ	ड़	क	ना	■	■	वि	ज	य
■	ला	■	ट	■	१४ क	दा	पि	■	पा
१५ भा	ई	१६ चा	रा	■	रू	■	१७ न	१८ के	ल
ग्य	■	टु	■	१९ मृ	णा	२० ल	■	व	■
२१ वा	टि	का	■	गां	■	२२ स	फ	ल	२३ ता
न	■	२४ र	वि	क	र	■	■	■	ली

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 5 सितम्बर, 2025 भादो शुक्ल पक्ष 13

राशिफल

मेष - आज आप घर की बातों पर अधिक ही ध्यान देंगे। परिजनों के साथ बैठकर महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे। घर के इंटीरियर पर आप धन खर्च कर सकते हैं। आज आपको अपने काम में संतोष का अनुभव होगा।

वृषभ - विदेश में रहने वाले स्नेहीजन तथा मित्रों के समाचार आपको खुशी देंगे। विदेश जाने के इच्छुक व्यक्ति के लिए अच्छा अवसर है। लंबे प्रवास का आयोजन हो सकता है। धार्मिक स्थल की यात्रा से आपका मन खुश रहेगा।

मिथुन - आपको अपने मिजाज को काबू में रखना पड़ेगा, ताकि कोई समस्या न हो। बीमार व्यक्ति आज कोई नई उपचार पद्धति न अजमाएं। ऑपरेशन न कराएं। खर्च बढ़ने से आर्थिक तंगी का अनुभव होगा।

कर्क - आज का दिन मनोरंजन और मौज-मस्ती में व्यतीत होगा। परिजनों या मित्रों के साथ घूमने या फिल्म देखने जाने की संभावना है। आप अच्छा भोजन ग्रहण करेंगे। सुंदर वस्त्रालंकार या नए वाहन खरीदने का योग है।

सिंह - आपके घर में आनंद का वातावरण रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ आपका समय आनंद और उत्साह में व्यतीत होगा। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आपको मान-सम्मान प्राप्त होगा। उसके कारण खुशी का अनुभव होगा।

कन्या - आज संतान सम्बंधी मामलों को लेकर चिंता रहेगी। पेट संबंधी परेशानियां होंगी। विद्याध्ययन के लिए समय अनुकूल नहीं है। आज आपको बौद्धिक वाद-विवाद से दूर रहना चाहिए। प्रेमीजनों को प्रणय में सफलता मिलेगी।

तुला - आज अत्यधिक भावुकता आपके मन को आर्द्र बनाएगी। महिला और माताजी से संबंधित चिंताएं रहा करेंगी। प्रवास के लिए उचित समय नहीं है। इसलिए आज प्रवास का विचार बदलने की सलाह दी जाती है।

वृश्चिक - आपका आज का दिन आनंद और खुशी के पलों में व्यतीत होगा। आप नया कार्य शुरू कर सकेंगे। सहोदरों के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। भाग्य में वृद्धि हो सकती है। मित्रों और स्वजनों से मुलाकात होगी।

धनु - आपका आज का दिन मिश्र फलदायी होगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद या मनमुटाव होने की संभावना है। आज आपका मनोबल दृढ़ न होने के कारण निर्णय लेने में तकलीफ होगी।

मकर - आपके निर्धारित कार्य पूरे होंगे। ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा। पारिवारिक जीवन में आनंद छाया रहेगा। आप तन-मन से स्वस्थ रहेंगे। मित्रों और स्नेहीजनों से मिलकर आनंद का अनुभव करेंगे।

कुंभ - आपको किसी का पक्ष लेने से बचना चाहिए। किसी के साथ रुपये का लेन-देन नहीं करें। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव हो सकता है। किसी के साथ मतभेद या तकरार भी हो सकती है।

मीन - आज का दिन आपके लिए बहुत अनुकूल है। नौकरी में आपकी आय बढ़ेगी। आपके मित्रों और बुजुर्गों से भी आपको लाभ हो सकता है। नए मित्र बनाएंगे और यह मैत्री आगे चलकर लाभदायक साबित होगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस तीसरी बार निर्वाचित

किंग्सटन, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस को प्रारंभिक परिणामों के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए चुना गया। आधिकारिक मतदान प्रतिशत केवल 38.8 प्रतिशत रहा, जो महामारी के दौरान हुए 2020 के चुनावों में हुए मतदान से थोड़ा ही ज़्यादा है। 28 लाख की आबादी वाले इस द्वीप पर सिर्फ़ 20 लाख से ज़्यादा पंजीकृत मतदाता ही मतदान के पात्र हैं।

प्रारंभिक परिणामों के मुताबिक सत्तारूढ़ जमैका लेबर पार्टी (जेएलपी) ने 34 सीटें जीतीं जबकि विपक्षी पीपुल्स नेशनल पार्टी (पीएनपी) को 29 सीटों पर ही संतुष्ट होना पड़ा। जमैका की प्रतिनिधि सभा में कुल 63 सीटों पर चुनाव हुए हैं। बहुमत पाने वाली पार्टी का नेता द्वीप का अगला प्रधानमंत्री बनेगा। पीएनपी के नेता मार्क गोल्डिंग ने अपनी हार स्वीकार कर ली है और जेएलपी को चुनाव में जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं इस चुनाव के परिणामों को स्वीकार करता हूं। हालांकि मैं इससे बहुत निराश हूं, फिर भी मुझे लगता है कि हमारे विरोधियों ने जो सफलता हासिल की है, उसे स्पष्ट रूप से स्वीकार करना ही उचित होगा।

जीएसटी के फैसले से कश्मीरी हस्तशिल्प भी लाभान्वित

■ सुरेश एस डुग्गर

■ अब खरीदारों को हस्तनिर्मित उत्पाद ज्यादा किफायती मिलेंगे

जम्मू, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद द्वारा कई हस्तशिल्प और कपड़ा उत्पादों पर जीएसटी दरों को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने का हालिया निर्णय कश्मीर के पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र, विशेष रूप से हस्तनिर्मित कालीनों, टेपेस्ट्री, लेस और अन्य शिल्पों में लगे कारीगरों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है।

28वीं जीएसटी परिषद की बैठक में कला और हस्तशिल्प वस्तुओं को पहले से कहीं अधिक किफायती बनाने का संकल्प लिया गया, जिससे कारीगरों और उपभोक्ताओं दोनों पर वित्तीय बोझ कम होगा। लकड़ी, पत्थर और धातुओं से बनी मूर्तियां, पेंटिंग, हैंडबैग, आभूषण बाक्स और लकड़ी के फ्रेम जैसी वस्तुओं पर अब 12 प्रतिशत से घटकर केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

कश्मीर के लिए, इसका सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हस्तनिर्मित कालीन उद्योग पर पड़ेगा, जो हाल के वर्षों में घटती मांग और बढ़ती लागत के कारण संघर्ष कर रहा है। कालीन और अन्य कपड़ा फर्श कवरिंग, हाथ से बुने हुए टेपेस्ट्री, हस्तनिर्मित लेस और लटें, जो सभी कश्मीरी शिल्प परंपराओं के मूल हैं, पर अब केवल 5 प्रतिशत कर लगेगा। श्रीनगर के एक निर्यातक का कहना था कि इस कदम से हमारे कालीनों को घरेलू और वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। उच्च जीएसटी दर कश्मीरी कालीनों को मशीन-निर्मित विकल्पों की तुलना में कम आकर्षक बना रही थी। अब, खरीदारों को हस्तनिर्मित उत्पाद ज्यादा किफायती मिलेंगे।

परिषद की अधिसूचना के अनुसार, कपड़ा और शिल्प की कई वस्तुओं पर कर में कटौती की गई है। हस्तनिर्मित कालीन और हथकरघा गलीचे - जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है। हस्तनिर्मित लेस, ब्रैड और कढ़ाई - घटाकर 5 परसेंट। हाथ से बुने हुए टेपेस्ट्री और जरी के बार्डर-घटाकर 5 प्रतिशत। कढ़ाई वाले बैज, मोटिफ और इसी तरह के काम - घटाकर 5 प्रतिशत।

इस फैसले से कारीगरों की आय में वृद्धि, निर्यात को बढ़ावा और खतरे में पड़े पारंपरिक कौशल की रक्षा की उम्मीद है। कश्मीर का कालीन उद्योग, जिसमें हजारों कारीगर काम करते हैं, कर के बोझ के कारण उत्पादन और बिक्री में गिरावट देखी गई थी। यह राहत ट्रम्प प्रशासन द्वारा हस्तशिल्प सहित विभिन्न भारतीय निर्यातों पर 52 प्रतिशत की भारी टैरिफ वृद्धि की पृष्ठभूमि में दी गई है।

इजरायल ने हमास के युद्धविराम प्रस्ताव को ठुकराया

गाजा सिटी पर हमले जारी रखने का लिया संकल्प

यरूशलम, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। इज़रायल ने बुधवार को गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए एक व्यापक युद्धविराम समझौते पर पहुंचने के हमास के प्रस्ताव को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि उसकी सेना गाजा सिटी पर एक बड़े हमले की तैयारी जारी रखेगी। हमास ने बुधवार को जारी एक प्रेस बयान में एक व्यापक समझौते पर पहुंचने की अपनी इच्छा दोहराई जिसके तहत गाजा में इज़रायली बंधकों को इज़रायल में बंद फ़िलिस्तीनी कैदियों की एक निश्चित संख्या के बदले रिहा किया जाएगा। हमास के अनुसार, इस समझौते में स्थायी युद्धविराम, गाजा से इज़रायली सेना की वापसी, मानवीय सहायता और आवश्यक आपूर्ति के लिए सीमा चौकियों को फिर से खोलना और पुनर्निर्माण प्रयासों की शुरुआत भी शामिल होगी।

हमास ने गाजा के नागरिक मामलों के प्रबंधन की तत्काल ज़िम्मेदारी लेने के लिए टेक्नोक्रेटों से युक्त एक स्वतंत्र राष्ट्रीय प्रशासन की स्थापना का भी समर्थन किया।

चिंताजनक *पाकिस्तान में नर्सों का बढ़ता पलायन, स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए खतरा*

पाकिस्तान के लिए लगभग 7 लाख नर्सों की आवश्यकता

■ अच्छी सैलरी, सुरक्षित वर्क कल्चर व पेशेवर अवसरों की तलाश में देश छोड़ रही नर्सें
■ 2024 में प्रवास करने वाले उच्च शिक्षित पेशेवरों में 5.8 प्रतिशत रही नर्सों की हिस्सेदारी

इस्लामाबाद, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में नर्सों का बड़े पैमाने पर विदेशों की ओर पलायन देश की पहले से ही जर्जर स्वास्थ्य प्रणाली के लिए गंभीर खतरा बन गया है। अच्छी सैलरी, सुरक्षित वर्क कल्चर और पेशेवर अवसरों की तलाश में नर्सें लगातार देश छोड़ रही हैं। ब्रिटिश दैनिक एशियन लाइट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान, जिसकी आबादी 24 करोड़ से अधिक है, उसे मौजूदा स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए लगभग 7 लाख नर्सों की आवश्यकता है। लेकिन 2020 तक केवल 1,16,659 नर्सें ही देश में पंजीकृत थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कमी किसी भी मानक से चौंकाने वाली है और बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए बेहद विनाशकारी साबित हो सकती है।

पाकिस्तान के ब्यूरो ऑफ इमीग्रेशन एंड ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में प्रवास करने वाले उच्च शिक्षित पेशेवरों में नर्सों की हिस्सेदारी 5.8 प्रतिशत रही। जहां विकासशील देशों से हर साल औसतन 15 प्रतिशत नर्सें अमीर देशों की ओर पलायन करती हैं, वहीं पाकिस्तान में यह दर कहीं अधिक है। 2019 से 2024 के बीच पाकिस्तानी नर्सों का विदेश पलायन 54.2 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर से बढ़ा है।

सिर्फ 2024 में ही रिकॉर्ड 7,27,381 पेशेवरों ने पाकिस्तान छोड़ा। 2025 के मध्य तक यह संख्या 3,36,442 तक पहुंच गई, जिनमें बड़ी संख्या चिकित्सा और नर्सिंग क्षेत्र से जुड़ी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानक के अनुसार, हर डॉक्टर पर कम से कम तीन नर्सें होनी चाहिए। लेकिन पाकिस्तान में यह अनुपात केवल 0.5 नर्स प्रति डॉक्टर है, जो दक्षिण एशिया के सबसे कम अनुपातों में से एक है। नर्सों की भारी कमी से डॉक्टरों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है, मरीज अधिक असुरक्षित हो रहे हैं और अस्पतालों में अव्यवस्था बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि देश को कुल मिलाकर 10 लाख से अधिक नर्सों की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

UPSSSC PET परीक्षा विशेष रेलगाड़ियाँ

UPSSSC PET परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ निम्नलिखित विवरण के अनुसार संचालित की जायेंगी :–

04492/04491 गाजियाबाद-बरेली-गाजियाबाद अनारक्षित परीक्षा विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04492 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04491 आगमन	प्रस्थान
--	21:45	गाजियाबाद	09:00	--
03:10	--	बरेली	---	04:00

चलने की तिथियाँ: 04492 गाजियाबाद से दिनांक 05.09.2025 को और 04491 बरेली से दिनांक 06.09.2025 को।
स्थान: सामान्य
ठहराव: पिलखुआ, हापुड़, सिम्भौली, गढ़मुक्तेश्वर, गजरौला जं., अमरोहा, हाकिमपुर, मुरादाबाद एवं रामपुर स्टेशन।

नोट: रेलगाड़ी सं. 20412 सहारनपुर–दिल्ली दिनांक 05.09.2025 को गाजियाबाद पर अपनी यात्रा समाप्त करेगी। और रेलगाड़ी सं. 20411 दिल्ली–सहारनपुर दिनांक 06.09.2025 को गाजियाबाद से यात्रा आरंभ करेगी।

04493/04494 गाजियाबाद-सहारनपुर-गाजियाबाद अनारक्षित परीक्षा विशेष रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04493 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04494 आगमन	प्रस्थान
--	08:00	गाजियाबाद	16:30	--
11:00	--	सहारनपुर	---	13:30

चलने की तिथियाँ: 04493 गाजियाबाद से और 04494 सहारनपुर से दिनांक 05.09.2025, 06.09.2025 एवं 07.09.2025 को।
स्थान: सामान्य
ठहराव: नया गाजियाबाद, मुरादनगर, मोदीनगर, मेरठ सिटी, मेरठ कैंट, दौराला, खतौली, मन्सूरपुर, मुजफ्फरनगर, देवबंद, नागल एवं टपरी जं. स्टेशन।

नोट: रेलगाड़ी सं. 64558 सहारनपुर–दिल्ली दिनांक 05, 06, एवं 07.09.2025 को गाजियाबाद पर अपनी यात्रा समाप्त करेगी। और रेलगाड़ी सं. 64557 दिल्ली–सहारनपुर दिनांक 05, 06, एवं 07.09.2025 को गाजियाबाद से यात्रा आरंभ करेगी।

04496 गाजियाबाद-कानपुर सेन्ट्रल अनारक्षित परीक्षा विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04492 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन
--	14:20	गाजियाबाद
22:10	--	कानपुर सेन्ट्रल

चलने की तिथियाँ: 04496 गाजियाबाद से दिनांक 06.09.2025 एवं 07.09.2025 को।
स्थान: सामान्य
ठहराव: दादरी, खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., हाथरस जं., टूण्डला जं., फिरोजाबाद, सिकोहाबाद जं., इटावा जं., फफूंद एवं रुरा स्टेशन।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

04498 गाजियाबाद-कानपुर सेन्ट्रल अनारक्षित परीक्षा विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04492 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन
--	19:00	गाजियाबाद
03:20	--	कानपुर सेन्ट्रल

चलने की तिथियाँ: 04498 गाजियाबाद से दिनांक 06.09.2025 एवं 07.09.2025 को। स्थान: सामान्य
ठहराव: दादरी, खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., हाथरस जं., टूण्डला जं., फिरोजाबाद, सिकोहाबाद जं., इटावा जं., फफूंद एवं रुरा स्टेशन।

04392/04391 मुरादाबाद-आलमनगर-मुरादाबाद अनारक्षित परीक्षा विशेष रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04392 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04391 आगमन	प्रस्थान
--	13:25	मुरादाबाद	05:30	--
19:25	--	आलमनगर	---	21:25

चलने की तिथियाँ: 04392 मुरादाबाद से और 04391 आलमनगर से दिनांक 06.09.2025 एवं 07.09.2025 को। स्थान: सामान्य
ठहराव: रामपुर, बरेली, शाहजहाँपर, आंझी शाहबाद, हरदोई, बालामऊ जं. एवं सण्डीला स्टेशन।

04394/04393 मुरादाबाद-आलमनगर-मुरादाबाद अनारक्षित परीक्षा विशेष रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04394 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04393 आगमन	प्रस्थान
--	18:55	मुरादाबाद	08:30	--
00:30	--	आलमनगर	---	02:00

चलने की तिथियाँ: 04394 मुरादाबाद से 06.09.2025 एवं 07.09.2025 को और 04393 आलमनगर से दिनांक 07.09.2025 एवं 08.09.2025 को।
स्थान: सामान्य
ठहराव: रामपुर, बरेली, शाहजहाँपर, आंझी शाहबाद, हरदोई, बालामऊ जं. एवं सण्डीला स्टेशन।

नोट: रेलगाड़ी सं. 04321/04322 बरेली–देहरादून–बरेली परीक्षा विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरे नीचे दिये गये विवरण के अनुसार मौजूदा समय और मार्ग पर संचालित किए जायेंगे।
- रेलगाड़ी सं.: 04321 बरेली–देहरादून, बरेली से दिनांक 05.09.2025 एवं 06.09.2025 को।
- रेलगाड़ी सं.: 04322 देहरादून–बरेली, देहरादून से दिनांक 06.09.2025 एवं 07.09.2025 को।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2707/2025

प्रादेशिकी

पंजाब बाढ़ की सबसे गंभीर स्थिति का सामना कर रहा : कटारिया

होशियारपुर। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने गुरुवार को कहा कि राज्य हाल के वर्षों में सबसे गंभीर बाढ़ की स्थिति का सामना कर रहा है। उन्होंने होशियारपुर जिले के टांडा के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। श्री कटारिया ने पत्रकारों से कहा कि पंजाब हाल के दिनों में सबसे गंभीर बाढ़ की स्थिति का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि 2023 में भी बाढ़ आई थी, लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर है। जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण, न केवल पौंग बांध से, बल्कि भाखड़ा और रणजीत सागर बांधों से भी बहुत अधिक पानी छोड़ना पड़ा। पौंग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण होशियारपुर बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि बांध अधिकारियों के लिए पानी छोड़ना मजबूरी थी, लेकिन अब हर घंटे अलर्ट की व्यवस्था है ताकि लोगों को पहले से आगाह किया जा सके और अचानक आने वाले उफान से बचाया जा सके।

उत्तराखंड ने केंद्र से मांगा 5702 करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज

- प्राकृतिक आपदा से लोक निर्माण विभाग और सार्वजनिक सड़कों को 1163.84 करोड का हुआ नुकसान
- आपदा प्रबंधन सचिव ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय को सौंपा ज्ञापन

देहरादून, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते प्रदेश के तमाम हिस्सों में आपदा जैसी स्थिति हुई है। अगस्त महीने में उत्तरकाशी चमोली और पौड़ी जिले में प्राकृतिक आपदा की वजह से काफी अधिक नुकसान हुआ है। साथ ही प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति भी देखी जा रही है। ऐसे में उत्तराखंड आपदा प्रबंधन विभाग ने प्रदेश में हुए नुकसान का आंकलन किया है। जिसके तहत प्रदेश के तमाम विभागों को इस प्राकृतिक आपदा की वजह से 1941.15 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। ऐसे में उत्तराखंड सरकार ने केंद्र सरकार से 5702.15 करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की मांग की है। इस संबंध में आपदा प्रबंधन सचिव ने गृह मंत्रालय को ज्ञापन सौंपा है।

आपदा प्रबंधन विभाग ने इस साल मानसून के दौरान विभागों को हुए नुकसान की प्रतिपूर्ति और भविष्य में अवस्थापना संरचनाओं को संभावित नुकसान से बचाने के लिए भारत सरकार से 5702.15 करोड़ रुपये की विशेष सहायता की मांग की है। इस संबंध में सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने अपर सचिव, आपदा प्रबंधन प्रभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को मेमोरेंडम सौंपा है। जिससे प्राकृतिक आपदा की वजह से प्रदेश के तमाम विभागों के नुकसान की भरपाई करने के साथ ही भविष्य में होने वाले नुकसान से बचने के लिए बेहतर काम किए जा सके। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा इस साल प्राकृतिक आपदा से लोक निर्माण विभाग और सार्वजनिक सड़कों को 1163.84 करोड़, सिंचाई विभाग की परिसम्पत्तियों को लगभग 266.65 करोड़, ऊर्जा विभाग को 123.17 करोड़, स्वास्थ्य विभाग की परिसम्पत्तियों को 4.57 करोड़, विद्यालयी शिक्षा विभाग की परिसम्पत्तियों को 68.28 करोड़, उच्च शिक्षा विभाग की परिसम्पत्तियों को 9.04 करोड़, मत्स्य विभाग को 2.55 करोड़, ग्राम्य विकास विभाग को 65.50 करोड़, शहरी विकास को 04 करोड़, पशुपालन विभाग को 23.06 करोड़ समेत अन्य विभागीय परिसम्पत्तियों को 213.46 करोड़ का नुकसान हुआ है। यानि सभी राजकीय विभागों को करीब 1944.15 करोड़ की सीधे तौर पर क्षति हुई है। इन परिसम्पत्तियों के पुनर्निर्माण और पुनर्प्राप्ति में 1944.15 करोड़ के साथ-साथ परिसम्पत्तियों को बचाने और अनेक ऐसी परिसम्पत्तियां, मार्ग, आबादी वाले क्षेत्र के साथ ही अन्य अवस्थापना संरचानाओं को जो आपदा से क्षतिग्रस्त होने की कगार पर हैं, उन सभी को बेहतर करने के लिए 3758.00 करोड़ की सहायता प्रदान किए जाने का अनुरोध किया गया है।

बसुकेदार क्षेत्र में टूटा पुल बनेगा फिर से, शुरू हुआ वेली ब्रिज का निर्माण

रुद्रप्रयाग/देहरादून। उत्तराखंड के जनपद रुद्रप्रयाग के बसुकेदार क्षेत्र में गत 28 अगस्त को आई दैवीय आपदा के दौरान, मयाली-गुप्तकाशी मार्ग पर ल्वाड़ा के समीप स्थित 12 मीटर लंबा क्षतिग्रस्त पुल अब जल्द फिर से तैयार हो जाएगा। क्षेत्र की लाइफ लाइन कहे जाने वाला यह पुल आपदा से पूरी तरह बाधित हो गया था, जिससे स्थानीय जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देशों के बाद गुरुवार से इस पुल के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके लिए आवश्यक सामग्री ल्वाड़ा पहुंच चुकी है और लोक निर्माण विभाग द्वारा युद्धस्तर पर कार्य प्रारंभ किया गया है।

आपदा में रावी व ब्यास में भारी मात्रा में लकड़ियां बही, सर्वोच्च न्यायालय ने संज्ञान लिया

- हिमाचल बीते तीन सालों से लगातार प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है

शिमला, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। आपदा ग्रस्त हिमाचल में रावी व ब्यास में भारी मात्रा में लकड़ी के बहते देखे जाने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने संज्ञान लिया है। न्यायालय ने इस मामले में हिमाचल, केंद्र सरकार व कुछ अन्य राज्यों से जवाब तलब किया है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या यह पेड़ों के कटान का मामला लगता है। अदालत ने नदियों में बह रहे लकड़ी के वीडियो भी देखे तथा इसे गंभीर मामला बताते हुए तीन सप्ताह में केंद्र, हिमाचल व अन्य राज्यों से रिर्पोट तलब की है। पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं के साथ साथ बीते दिनों भारी मात्रा में लकड़ी के ब्यास नदी में बह कर आने के बाद पंडोह डैम में जमा होने के मामले में एआईसीसी प्रवक्ता कुलदीप राठौर ने भी इसकी जांच की मांग की थी। गौरतलब है कि हिमाचल बीते तीन सालों से लगातार प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है। आपदा राहत के मुद्दे पर तो प्रदेश में सियासत चरम पर है, मगर राहत के अलावा बीते जून माह में कुल्लू जिला के गडसा व सैंज वली मे बादल फटने के बाद ब्यास में भारी मात्रा में लकड़ी बह कर आई। बीते दो सितंबर को आपदा ग्रस्त चंबा जिला में भी रावी नदी में भारी मात्रा में लकड़ी तैरती हुई देखी गई। सर्वोच्च न्यायालय ने इन मामलों का संज्ञान लिया है। प्रदेश में ग्रीन फेलिंग पूरी तरह से बंद है। हरे पेड़ों के कटान पर रोक के बावजूद नदियों में भारी मात्रा में लकड़ी के लट्ठों के तैरते देखा जाना सवाल खड़े कर रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पंडोह में लकड़ी के लट्ठे के तैर कर पहुंचने के मामले की सीआईडी जांच के आदेश दिए थे। रावी के मामले में वन विभाग का कहना है कि यह लकड़ी भारी बारिश से उखड़ने के बाद नदी में पहुंची है।

प्रसव पीड़िता को हेली सेवा से पहुंचाया अस्पताल

रुद्रप्रयाग/देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में लगातार प्रतिकूल मौसम के बाद जैसे ही बुधवार से मौसम ने राहत दी जिला प्रशासन ने हेली के माध्यम से बसुकेदार तहसील के प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुँचाना पुनः शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं गुरुवार को मथ्यागाँव (जखोली) से एक प्रसव पीड़िता (नाम-सुविका) को हेलीकॉप्टर के जरिये सुरक्षित लाकर सीएचसी अगस्त्यमुनि में भर्ती कराया गया। समय पर कार्रवाई से महिला सकुशल है। पिछले दिनों हुई अतिवृष्टि के कारण उत्पन्न स्थिति से तहसील बसुकेदार के बांगर क्षेत्र की आठ से 10 ग्राम पंचायत डुंगर, बड़ेथ, जौला, ताल जामण, उछोला, बक्सीर, मथ्या, घंघासु, भुनाल, खोड़, स्यूर, किमाना, दानकोट, पाटियों, डाँगी, कुड़ी अदुली, भटवाड़ी, बकोला आदि जनपद मुख्यालय से पूरी तरह कट गए। सभी मोटर मार्ग और पैदल रास्ते क्षतिग्रस्त होने से राहत पहुँचाना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती था। मुख्यमंत्री के निर्देशों और जिलाधिकारी प्रतीक जैन की प्रत्यक्ष निगरानी में हर प्रभावित व्यक्ति और परिवार तक राशन व दैनिक उपयोग की वस्तुएँ पहुँचाने का कार्य निरंतर युद्ध स्तर पर जारी है।

सार संक्षेप

हिमाचल में भारी बारिश से तबाही, परीक्षाएं रद्द

शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून में लगातार हो रही बारिश, बाढ.और भूस्खलन की घटनाओं में जान-माल की व्यापक हानि हुई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की एक रिपोर्ट के अनुसार अब तक 343 लोगों की जान जा चुकी है। इसके अलावा 385 जानवर मारे गए हैं और लगभग 3158 करोड़ की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। रिपोर्ट के अनुसार 1,300 से अधिक घर पूरी तरह से जबकि 2,331 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वहीं लगभग 27,000 हेक्टेयर फसलें नष्ट हो गई हैं। छह राष्ट्रीय राजमार्गों और एक चार लेन सड़क सहित बुनियादी ढाँचे को भारी नुकसान पहुँचा है। 1280 से ज़्यादा जलापूर्ति योजनाएँ बाधित हुई हैं और 2809 से ज़्यादा ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। लगातार गिरते पत्थरों के कारण ब्राउनी में राष्ट्रीय राजमार्ग-05 को बंद करना पड़ा।

राज्यपाल ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर दी शुभकामनाएं

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को हरियाणा और पूरे देश के शिक्षकों को हार्दिक बधायी और शुभकामनायें दीं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षक युवा मस्तिष्कों को ज्ञान, मूल्यों और बुद्धिमत्ता से पोषित कर राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। उनका निस्वार्थ समर्पण न केवल छात्रों का भविष्य संवारता है, बल्कि एक मजबूत, समावेशी और प्रगतिशील समाज की नींव भी रखता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक हमेशा से भारत की विकास यात्रा के मार्गदर्शक रहे हैं और पीढ़ियों को राष्ट्र के लिए सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करते रहे हैं।

ओखलकांडा की लापता महिला का शव बरामद

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जिले के ओखलकांडा से तीन दिन पहले लापता महिला का शव गुरुवार को हल्द्वानी के गौला नदी से बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। मामले के अनुसार ओखलकांडा के बसोटिया गांव निवासी तुलसी देवी (50) मंगलवार को घास लेने के लिए जंगल गई थी। इसके बाद महिला घर नहीं लौटी। ग्रामीणों ने खोजबीन की तो मृतका के चप्पल और दरांती गौला नदी के किनारे मिले। इससे अंदाजा लगाया जा रहा था कि महिला तेज़ बहाव की चपेट में आकर बह गयी है।

सुडोकू 7025 का हल

5	2	9	1	7	3	6	4	8
8	6	7	9	4	2	3	5	1
3	1	4	5	8	6	9	7	2
7	9	2	8	6	5	4	1	3
6	4	5	7	3	1	8	2	9
1	8	3	2	9	4	7	6	5
4	7	1	3	5	9	2	8	6
9	5	8	6	2	7	1	3	4
2	3	6	4	1	8	5	9	7

महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य करती रहेगी सरकार : धामी

■ अमरनाथ तिवारी

- सीएम ने 13 महिलाओं को तीलू रौतेली पुरस्कार देकर किया सम्मानित
- 33 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला सम्मान

देहरादून, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के बिना विकास अधूरा है, इसलिए सरकार हर स्तर पर महिलाओं की भागीदारी और उनके सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी सभागार में आयोजित राज्य स्त्री शक्ति, तीलू रौतेली एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री धामी ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 13 महिलाओं को तीलू रौतेली पुरस्कार और 33 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। सीएम धामी ने वीरांगना तीलू रौतेली को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने 15 वर्ष की उम्र में जिस अदम्य साहस और रणकौशल का परिचय दिया, वह उत्तराखंड की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तीलू रौतेली को 'उत्तराखंड की झांसी की रानी' कहना अतिशयोक्ति नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'नारी तू नारायणी' के मंत्र के साथ महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए काम कर रहे हैं। 33 प्रतिशत आरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना और ट्रिपल तलाक जैसी कुप्रथाओं के अंत पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने महिलाओं को हर स्तर पर सामाजिक और आर्थिक मजबूती प्रदान की है।उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने सरकारी सेवाओं में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण लागू किया है और देश में पहली बार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है।

आपदा पीड़ितों के साथ सरकार

धामी ने कहा कि यह आयोजन पहले आठ अगस्त को होना था, लेकिन आपदा के कारण स्थगित करना पड़ा। उन्होंने कहा कि प्रदेश इस समय प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है, और सरकार केंद्र के सहयोग से प्रभावितों तक हर संभव मदद पहुंचा रही है।

तीलू रौतेली पुरस्कार प्राप्त करने वाली महिलाएं

- अल्मोड़ाः मीता उपाध्याय
- बागेश्वरः अलिशा मनराल
- चमोलीः सुरभि
- चंपावतः अनामिका बिष्ट
- देहरादूनः शिवानी गुप्ता
- हरिद्वारः रुमा देवी
- नैनीतालः नैना
- पौड़ी गढ़वालः रोशमा देवी
- पिथौरागढ़ः रेखा भट्ट
- रुद्रप्रयागः हेमा नेगी करासी
- टिहरी गढ़वालः साक्षी चौहान
- ऊधमसिंह नगरः रेखा
- उत्तरकाशीः विजयलक्ष्मी जोशी

सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार 'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' और 'उद्यमिता विकास कार्यक्रम' के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। महिला स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख रुपए तक का ब्याजमुक्त ऋण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2023 से तीलू रौतेली पुरस्कार राशि 31 हजार से बढ़ाकर 51 हजार और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कार राशि 21 हजार से बढ़ाकर 51 हजार कर दी गई है।

उत्तराखंड के सभी जनपदों में खोले जाएंगे वृद्ध आश्रम

देहरादून, 4, सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को प्रदेश के सभी जनपदों में एक-एक वृद्धाश्रम की व्यवस्था किये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिव्यांग युवक-युवती से विवाह करने पर प्रोत्साहन अनुदान धनराशि 25 हजार रुपए से बढ़ाकर 50 हजार रुपए किया जाएगा। दिव्यांग छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत, कक्षा एक से कक्षा आठ तक के दिव्यांग छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के लिए आय सीमा को समाप्त किया जाएगा। श्री धामी ने 'मुख्य सेवक संवाद' कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के साथ संवाद के दौरान उक्त घोषणायें की। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांग शादी अनुदान एवं राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना का सॉफ्टवेयर लॉच किया एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत दी जा रही पेंशन की इस वित्तीय वर्ष की पांचवीं किश्त का ऑनलाइन भुगतान किया। श्री धामी ने वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सबके आशीर्वाद से ही उन्हें राज्य के मुख्य सेवक के रूप में कार्य करने की ऊर्जा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संवाद के पीछे भी उनका यही मंतव्य था कि वो सबकी समस्याओं, आवश्यकताओं को सीधे तौर पर जान सकें, जिससे उनके समाधान के लिए और अधिक ठोस कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि कई बार सरकार के स्तर पर नीतियां और योजनाएँ तो बन जाती हैं, परन्तु उन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिल पाता है, जब वे जमीनी स्तर तक पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से पहुँचें। साथ ही, लाभार्थी भी ये महसूस करें कि सरकार ने उनकी ज़िंदगी को आसान और बेहतर बनाने का कार्य किया है। श्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण के निरंतर प्रयास किए जा रहें हैं।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सैन्य विद्यालय प्राचार्य सम्मेलन 2025 का आयोजन

देहरादून, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (आरआईएमसी) ने दो दिवसीय राष्ट्रीय सैन्य विद्यालय (आरएमएस) प्राचार्य सम्मेलन 2025 का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में देशभर के पांच राष्ट्रीय सैन्य विद्यालयों के प्रमुखों ने भाग लिया, जिनमें शैक्षणिक, प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक स्तर पर सहयोग को सुदृढ़ करने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रमुखों में शामिल रहे, लेफ्टिनेंट कर्नल के. अनुप नायर (बेंगलुरु), वी. के. गंगवाल जैन (चौल), लेफ्टिनेंट कर्नल ऋतु (अजमेर), लेफ्टिनेंट कर्नल प्रभा बिष्ट (बेलगाम), और लेफ्टिनेंट कर्नल अमित शर्मा (धौलपुर)। कार्यक्रम की शुरुआत आरआईएमसी के कमांडेंट कर्नल राहुल अग्रवाल द्वारा अतिथियों के स्वागत और सम्मान के साथ हुई। इसके पश्चात आयोजित विभिन्न सत्रों में संकाय प्रमुखों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, नवप्रवेशित बालिका कैडेटों के समावेश, और समग्र छात्र विकास जैसे विषयों पर प्रस्तुतियां दीं। सम्मेलन में बुनियादी ढांचे में नवाचार, शिक्षकों के प्रशिक्षण, और एनडीए परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर विशेष बल दिया गया। आरआईएमसी और आरएमएस दोनों के नेतृत्व ने आपसी सहयोग और संसाधनों के साझा उपयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता पर सहमति जताई। सम्मेलन का समापन भविष्य की संयुक्त कार्ययोजनाओं के साथ हुआ, जिसमें शैक्षणिक सहयोग, संस्थाओं के मध्य कैडेट और संकाय आदान-प्रदान, और संयुक्त अधोसंरचना विकास के प्रस्ताव शामिल थे। यह सम्मेलन सशस्त्र बलों के प्रमुख फीडर संस्थानों के बीच समन्वय को एक नई दिशा देने वाला साबित हुआ।

राजाजी नेशनल पार्क से हटाए गए वन गुर्जरों का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

नैनीताल, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के राजाजी नेशनल पार्क से हटाए गए 228 वन गुर्जर परिवारों का मामला उच्च न्यायालय पहुंच गया है। इस मामले को वन गुर्जर इरशाद की ओर से एक जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दी गई है। जनहित याचिका में इन परिवारों के पुनर्वास के मामले को चुनौती दी गई है। उच्च न्यायालय इस मामले में आगे सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंदर और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में इस मामले पर गुरुवार को सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि राजाजी नेशनल पार्क में 228 वन गुर्जर परिवार रह रहे थे। राज्य सरकार की ओर से वर्ष 2013 में एक शासनादेश जारी कर इन परिवारों को पुनर्वासित करने का निर्णय लिया। पुनर्वास के लिए बकायदा शाह मंसूर नामक क्षेत्र में भूमि भी चयनित कर ली गई।

देवाल विकासखंड में युवा ब्लॉक प्रमुख व सदस्यों ने ली शपथ, गिनाई प्राथमिकताएं

चमोली, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। देवाल विकासखंड में युवा नेता तेजपाल रावत ने ब्लॉक प्रमुख पद की शपथ ली। इस दौरान तेजपाल रावत ने कहा कि देवाल के विकास के लिए वो हरसम्भव प्रयास करेंगे। जिससे उनका क्षेत्र विकास के पथ पर आगे पढ़ सके। उन्होंने कहा कि भारी बारिश और प्राकृतिक आपदा से देवाल में काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए वे प्रयासरत रहेंगे। चमोली जनपद के देवाल विकासखंड में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता रमेश चंद्र ने नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख तेजपाल रावत को ब्लॉक प्रमुख पद की शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद देवाल विकासखंड के युवा ब्लॉक प्रमुख तेजपाल रावत ने ज्येष्ठ प्रमुख पद पर दीपक सिंह और कनिष्ठ प्रमुख पद पर पिंकी देवी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में थराली विधायक भूपालराम टम्टा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत किया। नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्यों शपथ ग्रहण कार्यक्रम के तहत देवाल के कुल 20 क्षेत्र पंचायत सदस्यों में से 19 क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। वहीं देवाल विकासखंड के युवा ब्लॉक प्रमुख ने शपथ ग्रहण में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे विधायक भूपालराम टम्टा का शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। साथ ही खंड विकास अधिकारी जयदीप बैरवाण ने ब्लॉक प्रमुख तेजपाल रावत को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

कांग्रेस उत्तराखंड में अपने संगठन को मजबूत करने पर कर रही काम

■ अमरनाथ तिवारी

- राष्ट्रीय सचिव बीएम संदीप कार्यकर्ता से ले रहे फीडबैक

देहरादून, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। कांग्रेस उत्तराखंड में अपने संगठन को मजबूत करने पर काम कर रही है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सचिव बीएम संदीप उत्तराखंड में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं से मिल रहे हैं। इसी क्रम में मसूरी पहुंचे संदीप ने बताया कि उन्हें 17 लोगों ने मिलकर सुझाव दिए। उत्तराखंड में संगठन को मजबूती के साथ संघर्ष करना होगा। बीजेपी को सत्ता से बाहर करने के लिए संगठन का मजबूत होना जरूरी है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए मैं ज्यादा से लोगों, कार्यकर्ताओं और नेताओं से मिल रहा हूं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी पूरे देश में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए संगठन पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उत्तराखंड में जिला कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव होना है। इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं से राय ली जा रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव बीएम संदीप ने कहा कि उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का पूरा प्रयास किया जायेगा। संदीप ने कहा कि बीजेपी मतदान का अधिकार छीनने का कार्य कर रही है, जिसे कामयाब नहीं होने दिया जायेगा। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी को पकड़ा है और बेंगलुरु के महादेव पुरा की विधानसभा सीट में एक लाख से अधिक फर्जी मतों को पकड़ा है। वहीं बिहार में 65 लाख लोगों का मतदान का अधिकार छीनने का कार्य भाजपा ने किया है। बीएम संदीप ने कहा कि वोट चोर, गद्दी छोड़ अभियान कांग्रेस का नहीं है, बल्कि अब जनता का अभियान बन गया है। डॉ अंबेडकर के नेतृत्व में पहले दिन से ही संविधान में वोट देने का अधिकार सभी को मिला था। जबकि अमेरिका, फ्रांस, स्विट्जरलैंड में संविधान बनने के कई सालों बाद मतदान का अधिकार महिलाओं को दिया गया था। संदीप ने कहा कि अब भाजपा और आरएसएस मतदान का अधिकार छीनने का कार्य कर रहे हैं। बिहार में 65 लाख मतदाताओं को मतदान सूची से बाहर कर संविधान का घोर उल्लंघन किया गया है। बीएम संदीप ने कहा कि बीजेपी हमेशा संविधान के विरोध में बात करती है। अब पूरे देश में भाजपा के खिलाफ माहौल बन रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी व सोनिया गांधी के नेतृत्व में लगातार कांग्रेस को मजबूत करने का प्रयास जारी है।

> भाजपा मतदान का अधिकार छीनने का कार्य कर रही है, जिसे कामयाब नहीं होने दिया जाएगा : बीएम संदीप

हरियाणा में बनेंगे क्वालिटी पर खरे उतरने वाले प्रोडक्ट : अश्विनी वैष्णव

चंडीगढ़, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार की औद्योगिक नीति और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से आईएमटी सोहना में जापान की कंपनी एटीएल ने करीब तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर लिथियम आयरन बैटरी निर्माण का एशिया का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस इकाई से पांच हजार से अधिक युवाओं को सीधा रोजगार मिलेगा और प्रदेश की पहचान औद्योगिक क्षेत्र में नयी ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीरवार को एटीएल बैटरी टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के इस प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, टीडीके ग्रुप से सैटो और शशिदा, विदेशी सहयोग सलाहकार पवन चौधरी और आईसीडब्ल्यूए से पंकज महेंद्रू भी उपस्थित रहे। श्री वैष्णव ने कहा कि जापान की तरह हरियाणा में भी अब क्वालिटी आधारित प्रोडक्ट तैयार होंगे। आधुनिक भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण तेजी से बढ़ रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को लाभ और युवाओं को रोजगार मिल रहा है। राव नरबीर सिंह ने इसे हरियाणा के औद्योगिक इतिहास का स्वर्णिम दिन बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश आत्मनिर्भरता, नवाचार और वैश्विक सहयोग का प्रतीक बन चुका है।

प्रादेशिकी

भाजपा सरकार का रवैया तानाशाहीपूर्ण : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ईमानदार होनी चाहिए। भाषा और व्यवहार उचित होना चाहिए। लेकिन भाजपा सरकार का रवैया तानाशाहीपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि पीडीए की एकजुटता और बढ़ती ताकत से भाजपा डरी हुई है। पीडीए बड़ी ताकत है। जनता भाजपा को हटाने के लिए तैयार है। बीजेपी को सावधानी के साथ सत्ता से बाहर करना है। उसके किसी उकसावे में नहीं आना है। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा धोखेबाज पार्टी है। भाजपा जनता को पिछले एक दशक से छल रही है। विपक्षी दलों और मतदाताओं के साथ दुश्मनों जैसा बर्ताव करती है। भाजपा किसी की सगी नहीं है वह अपनों को भी धोखा देने से बाज नहीं आती है।

एसआरएम यूनिवर्सिटी वाले अपने ही जाल में फंसे

सरकार का कानूनी शिकंजा गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज

अनधिकृत रूप से चला रहे थे विधि पाठ्यक्रम, छात्रों ने घेरा तो पुलिस ने की बर्बर पिटाई

■ रतिभान त्रिपाठी

लखनऊ, 4 सितंबर (देशबन्धु)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदर्शनकारी छात्रों की बर्बर तरीके से पिटाई श्रीरामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी के संचालकों को महंगी पड़ती दिखने लगी है। आखिरकार वह अपने ही बुने जाल में फंस गए हैं। पिटाई का मामला तूल पकड़ते ही सक्रिय हुई सरकार ने यूनिवर्सिटी के जिम्मेदारों पर कानूनी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। बुधवार को देर रात यूनिवर्सिटी के खिलाफ बाराबंकी कोतवाली में गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई गई है। अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत निर्दोष छात्रों पर जिस पुलिस ने बर्बर लाठीचार्ज किया, अब वही यूनिवर्सिटी वालों पर कड़ी कार्रवाई को मजबूर हो गई है। विद्यार्थी परिषद से जुड़े छात्रों ने एसआरएम यूनिवर्सिटी, देवा रोड, बाराबंकी में विधि पाठ्यक्रम के अवैध संचालन का मुद्दा उठाया और इसके खिलाफ यूनिवर्सिटी पर प्रदर्शन किया लेकिन यूनिवर्सिटी वालों ने अपनी ताकत के बल पर छात्रों की बर्बर पिटाई करवाई। घायल छात्रों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जिन्हें देखने प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक गए। कहा जाता है कि भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात करके पूरा मामला उनके संज्ञान में दिया। धर्मपाल सिंह चूंकि स्वयं विद्यार्थी परिषद की राजनीति करते हुए मौजूदा महत्वपूर्ण पद पर पहुंचे हैं। इसलिए उनकी बात को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को बुलाया और जांच कमेटी बनाते हुए 24 घंटे

■ अब चला सरकार का चाबुक, बचाव के लिए हाथ-पैर मार रहा प्रबंध तंत्र

में रिपोर्ट देने को कहा। मंडलायुक्त अयोध्या राजेश कुमार और पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में बनी जांच कमेटी ने बुधवार को दिन भर जांच पड़ताल की। जांच में सामने आया कि यूनिवर्सिटी ने बिना मान्यता के ही तीन वर्षीय विधि पाठ्यक्रम में प्रवेश ले लिया। छात्रों ने इसके खिलाफ आवाज उठाई तो उसे दबाने के लिए पुलिस बल प्रयोग किया गया। रिपोर्ट मिलते ही मुख्यमंत्री ने अफसरों को कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया। इस पर उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा परिषद के अपर सचिव डॉ. दिनेश कुमार की ओर से एसआरएम यूनिवर्सिटी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत कई गंभीर धाराओं की रिपोर्ट देर रात दर्ज करा दी गई। सूत्रों के मुताबिक सरकार का चाबुक चलने के बाद यूनिवर्सिटी का प्रबंध तंत्र अब इस जकड़न से खुद को बचाने के लिए हाथ-पैर मार रहा है।

न्याय पंचायत ततीना की बैठक सात को

मवाना, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। विकास खंड मवाना अंतर्गत गांव ततीना न्याय पंचायत की बैठक सात सितंबर को आयोजित की जाएगी, जिसमें मतस्य पालन समिति का गठन किया जाएगा। उक्त जानकारी देते न्याय पंचायत के सचिव मनोज कुमार ने बताया कि न्याय पंचायत ततीना के अंतर्गत आने वाली ततीना, जंधेड़ी, अटोरा, बिराना खेड़की में मत्स्य जीवी सरकारी समिति लिमिटेड की प्रथम बैठक सात सितंबर को ततीना में दोपहर दो बजे रामेश्वर के घेर में आयोजित की जाएगी। मत्स्य पालक, मत्स्य पालक कार्यकर्ता बैठक में प्रतिभाग करें।

गंगाजल का उतार-चढ़ाव जारी पलायन कर रहे परेशान ग्रामीण

मवान/हस्तिनापुर, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। गंगा का जलस्तर एक बार फिर ग्रामीणों की मुसीबतों में इजाफा कर रहा है। नदी के पानी में हो रहे लगातार उतार-चढ़ाव के कारण खादर क्षेत्र के लोग बाढ़ की विभीषिका झेल रहे हैं। गांव-गांव में पानी घुसने से खेत डूब गए हैं और कच्चे मकान जर्जर होने लगे हैं। गुरुवार को बिजनौर बैराज से करीब 1 लाख 80 हजार क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज चल रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि जलस्तर स्थिर न होने से उन्हें लगातार असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। बता दे कि अगस्त के पहले सप्ताह से गंगा नदी के जलस्तर में उतार चढाव के खेल चल रहा है।

■ गुरुवार को गंगा डिस्चार्ज 1.80 लाख क्यूसेक

जिसके चलते खेतों में खड़ी फसलें पानी में डूबकर नष्ट हो रही हैं। किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। कई जगहों पर ग्रामीण अपने मवेशियों और अनाज को ऊंचे स्थानों पर ले जाकर किसी तरह जान-माल बचाने की कोशिश कर रहे हैं। गांवों की गलियों और कच्चे रास्तों पर पानी भर जाने से आना-जाना भी मुश्किल हो गया है। बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशानी झेल रहे हैं। हालांकि प्रशासन का कहना है कि राहत कार्यों के लिए टीमों को अलर्ट किया गया है और लगातार निगरानी की जा रही है, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर अब तक कोई ठोस मदद नहीं पहुंच सकी है। लोगों ने मांग की है कि तुरंत राहत सामग्री, नावों और सुरक्षित ठिकानों की व्यवस्था की जाए।

ठोस कदम उठाए प्रशासन तो त्रासदी से जल्द मिले राहत

गंगा किनारे बसे गांवों के लोगों की नींद हराम हो चुकी है। ग्रामीणों को डर है कि अगर पानी का डिस्चार्ज इसी तरह जारी रहा तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। लोग प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं कि जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए जाएं ताकि उन्हें इस बाढ़ की त्रासदी से राहत मिल सके।

तक्षशिला पब्लिक स्कूल में धूमधाम मनाया गया शिक्षक दिवस

मेरठ, 4 सितम्बर (देशबन्ध)। कंकरखेड़ा स्थित तक्षशिला पब्लिक स्कूल मेरठ में शिक्षक दिवस बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। सर्वप्रथम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छाया चित्र पर माल्यार्पण करते हुए विद्यालय के चेयरमैन डॉ. ओमपाल सिंह तथा प्राचार्य डॉ. प्रवीन कुमार पथरा ने दीप प्रज्जवलित किया। तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा गुरू-शिष्य परम्परा, गुरू महिमा आदि पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया। मुख्य प्रस्तुतियों में सरस्वती वन्दना, गुरू वन्दना, गुरू अमृतवाणी तथा सारे तीरथ धाम आपके चरणामें में आदि मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे। विद्यार्थियों द्वारा अध्यापकों के लिए किए गये सभी कार्यक्रमों को शिक्षकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के चेयरमैन डॉ. ओमपाल सिंह तथा प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीन कुमार पथरा ने अपने संभाषण में बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की और प्रत्येक के जीवन में शिक्षकों के महत्व को समझाते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सार संक्षेप

नो हेलमेट, नो पेट्रोल के दिए निर्देश

मेरठ। जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह ने बताया कि जनपद में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने तथा हेल्मेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से शासन के निर्देश के क्रम में परिवहन आयुक्त, उ0प्र0 के पत्र के द्वारा दिनांक 01 सितम्बर 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक 'नो हेल्मेट, नो फ्यूल' हेतु विशेष अभियान चलाये जाने के निर्देश दिए गए हैं।

शराब ठेके के पास से बाइक उड़ाई

मवाना। तहसील के समीप स्थित देशी शराब ठेके पास से गुरुवार को बाइक साफ कर दी। पीड़ित ने थाने पहुंचकर घटना के संबंध में थाने पर तहरीर दी। नगर के मुहल्ला हीरालाल निवासी अरविंद चैहान पुत्र हरीशचंद चैहान ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि वह दोपहर बाइक पैशन प्रो-डीएल 55बीएच-9926 द्वारा तहसील की ओर गए थे। उन्होंने लगभग 12.40 बजे तहसील के समीप देशी ठेके के बराबर में बाइक लॉक करके किसी व्यक्ति से बात करने लगे। थोडी देर बाद ही समय करीब एक बजे देखा तो बाइक वहां पर नहीं थी। इधर-उधर काफी तलाश की, लेकिन बाइक वहां पर नहीं मिली।

यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम पर हुआ विस्तृत मंथन

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय में गुरुवार को श्कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से बचावश् (पीओएसएच) विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के आंतरिक प्रकोष्ठ, सरदार पटेल सुभारती लॉ कॉलेज तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों और छात्रों को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून के प्रति जागरूक करना और एक सुरक्षित एवं सम्मानजनक माहौल को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में न्यायपालिका, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र के विशेषज्ञों ने कानून के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सर्वलांस टीम गाजियाबाद की मवाना में अटोरा रोड पर दबिश

मवाना। सर्वलांस टीम गाजियाबाद ने गुरुवार को किसी मामले में नगर के मुहल्ला कल्याण सिंह अटोरा रोड निवासी मुस्लिम युवक को हिरासत में लेकर थाने पर घंटों पूछताछ की। टीम द्वारा देर शाम तक पूछताछ जारी थी। उक्त टीम ने गुरुवार को सर्वलांस टीम गाजियाबाद साइवर क्राइम संबंधी मामले में मवाना पहुंची और मुहल्ला कल्याण सिंह अटोरा रोड पर दबिश देकर फैजान पुत्र नफीस को हिरासत में लिया और थाने ले जाकर उससे घंटों को पूछताछ की। देर शाम तक पूछताछ का क्रम जारी था। टीम ने देर शाम तक थाने में डेरा डाले रखा। इस दौरान मीडिया को टीम द्वारा कोई जानकारी नहीं दी गई। इस बाबत पूछने पर थाना प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि सर्वलांस टीम गाजियाबाद साइवर क्राइम संबंधी किसी मामले में युवक से पूछताछ कर रही है। इस बाबत थाने पर कोई जानकारी टीम द्वारा नही दी गई है।

सुभारती में कला और संस्कृति के उत्सव में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

ऑपरेशन सिंदूर पर नुक्कड़ नाटक ने दर्शकों को झकझोरा

■ मंच पर संदेश स्पंदन-2025 बना प्रतिभाओं का महाकुंभ

■ होनहार छात्रों ने मनवाया लोहा, रैंप पर फैशन, कैनवास पर बिखेरे रंग

मेरठ, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय में चल रहे वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव स्पंदन-2025 में कला, संस्कृति और रचनात्मकता की ऊर्जा की झलक दिखी। विश्वविद्यालय परिसर में फैशन शो, नुक्कड़ नाटक, मिमिक्री, रंगोली, फोटोग्राफी, मेहंदी और कोलाज मेकिंग जैसी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दिन का एक प्रमुख आकर्षण रहा फैशन शो, जिसका विषय 'बॉलीवुड' 'भारतीय संस्कृति' था। इस शो में 13 कॉलेजों के प्रतिभागियों ने रैंप पर जलवा बिखेरा, जिसका मूल्यांकन निर्णायक मंडल रश्मि अरोड़ा, रॉबिन सारन और सुजल सैनी ने किया। रोमांचक मुकाबले में फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स एवं फैकल्टी ऑफ साइंस ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, फैकल्टी ऑफ फार्मेसी ने द्वितीय और फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग ने तृतीय स्थान हासिल किया।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा सुभारती विश्वविद्यालय की सर्वोत्तम प्रथाएं विषय पर आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में मेरठ के प्रसिद्ध युवा फोटोग्राफर्स करण और जतिन ने निर्णायक की भूमिका निभाई, जिसमें हसन राजा (पॉलिटेक्निक) प्रथम, तुषार कुमार (पत्रकारिता) द्वितीय, और मुकुल (पैरामेडिकल) तृतीय स्थान पर रहे। सत्यजीत रे सभागार में सामाजिक चेतना का संदेश देते हुए नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने ऑपरेशन सिंदूर जैसे गंभीर विषय पर सशक्त प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रस्तुतियों का मूल्यांकन मनमोहन भल्ला, भरत भूषण शर्मा और सीमा समर ने किया। प्रतियोगिता में डिपार्टमेंट ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज को प्रथम, डिपार्टमेंट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज को द्वितीय, तथा केरल वर्मा सुभारती कॉलेज ऑफ साइंस एवं ज्योतिराव फुले सुभारती कॉलेज ऑफ फिजियोथैरेपी को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान मिला। इसी सभागार में आयोजित मिमिक्री प्रतियोगिता ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया, जिसमें ज्योतिराव फुले सुभारती कॉलेज ऑफ फिजियोथैरेपी संकाय ने प्रथम, शारीरिक शिक्षा संकाय ने द्वितीय और सहयोगी एवं स्वास्थ्य देखभाल संकाय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंच की प्रस्तुतियों के साथ-साथ परिसर में रचनात्मक कलाओं की भी धूम रही।

शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में 21 समूहों ने भाग लिया, जिसकी निर्णायक ममता दीक्षित, अंशु पटेल और डॉ. कामाक्षी जिंदल रहीं। इसमें नंदलाल बोस सुभारती कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट के एकता आर्य, दिपुल कुमार कदम, प्रतीक कुमार व सुमित कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में, शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता और कोलाज/ चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ, जिनका मूल्यांकन निर्णायक मंडल निधि जैन, यशा रस्तोगी एवं सुश्री शालिनी शर्मा ने किया। मेहंदी में अंचल चित्तौड़िया (ललित कला) व करिश्मा कश्यप (लॉ) ने संयुक्त प्रथम स्थान जीता, जबकि कोलाज व चित्रकला में निशा यादव (फिजियोथेरेपी) व प्रियांशी गुप्ता (फाइन आर्ट्स) को प्रथम स्थान मिला। कुल मिलाकर, 'स्पंदन-2025' के तहत आयोजित इन विविध प्रतियोगिताओं ने न केवल विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को एक भव्य मंच प्रदान किया, बल्कि विश्वविद्यालय परिसर को उत्सव और उत्साह के जीवंत रंगों से सराबोर कर दिया। इस दौरान आयोजन समिति की अध्यक्षा डॉ. भावना ग्रोवर, ललित कला संकाय के अध्यक्ष डॉ. पिंटू मिश्रा, इंजी. आकाश भटनागर, डॉ. आशिमा भटनागर, शैली शर्मा, पल्लबी मुखर्जी, स्वाति शर्मा आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

कांग्रेस के खिलाफ सड़कों पर उतरी महिलाएं

■ स्वामीनाथ शुक्ल

अमेठी, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के अपमान के खिलाफ कांग्रेस के गढ़ अमेठी में भी महिलाओं का पारा आसमान पर है। जबकि अमेठी में कांग्रेस के सांसद किशोरी लाल शर्मा है। लेकिन हाथ में बेलन लेकर दासियों हजार महिलाएं सड़क पर उतर पड़ी थी। इस पर भाजपा के जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश मसाला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां का अपमान, सहन नहीं करेगा हिंदुस्तान। इसलिए दसियों हजार महिलाएं हाथ में बेलन लेकर सड़क पर उतरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के अपमान के खिलाफ गुरुवार को हाथ में बेलन लेकर दासियों हजार महिलाएं अमेठी की सड़कों पर थी। महिलाओं की पायलट नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष चंद्रमा देवी थी। चंद्रमा देवी राजेश मसाला की पत्नी हैं। इस पर चंद्रमा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां का अपमान करके पूरे देश की मां,बहन और बेटियों का अपमान किए है। जिससे मातृशक्ति हाथ में बेलन लेकर सड़क पर उतरी है। उन्होंने कहा कि मोदी ने महिलाओं को क्या नही दिए है। महिलाओं के लिए सैकड़ों योजनाएं चल रही है। आरजेडी और कांग्रेस के मंच से समस्त नारी समाज को गाली दिए हैं। जिससे देश की महिलाओं का पारा आसमान पर है। इसका खामियाजा कांग्रेस और आरजेडी दोनों को भुगतना पड़ेगा। महिलाएं सड़क पर नारेबाजी भी कर रही थी। नारी के सम्मान में, नारी है मैदान में, मातृशक्ति का अपमान,सहन नहीं करेगा हिंदुस्तान, दिवंगत मां का अपमान, कांग्रेस की यही पहचान, राहुल गांधी शर्म करो आदि नारे लगाए जा रहे थे। बारिश में भीगते हुए महिलाओं का समूह सड़कों पर था। महिलाओं की भारी संख्या देखकर पुलिस और प्रशासन दोनों चौकन्ना था। लेकिन महिलाओं का प्रदर्शन बहुत संयमित था।

महावारी व हाइजिनक के प्रति सोच परिवर्तन पर कार्यशाला

मवाना, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। एएस इंटर कालेज में गुरुवार को आयोजित कार्यशाला में सच्ची सहेली एसबीआई फाउंडेशन नया सवेरा की तरफ से माहवारी के बारे में बताया गया और रूढ़िवादी सोच को भी दूर किया गया। पारुल निशा प्रज्ञान शालिनी भारद्वाज ने बताया कि महावारी में लड़कियों को कैसे हाजेनिक का ध्यान रखना है। महावारी छुपाने की नहीं बल्कि इस पर सही जानकारी और बात करने की जरूरत है। महिला तथा पुरुष शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं कर्मचारी की कार्यशाला में प्रधानाचार्य डॉ मेघराज सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि आज के समय में रूढ़िवादी सोच तथा छात्रों के प्रति जागरूकता के लिए शिक्षक शिक्षिकाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर एक नई पहल की है। जिससे शिक्षक-शिक्षिकाएं छात्र-छात्राओं को जागरुक कर सकेंगे तथा समाज में एक नया परिवर्तन लाया जा सकता है। आज के कार्यक्रम में कोऑर्डिनेटर अंजू सिंह, कोऑर्डिनेटर निष्ठा, कोर्डिनेटर निपेंद्र कुमार भटनागर, चीफ प्रॉक्टर विभा जैन, चीफ प्रॉक्टर कृष्ण चंद, श्रवण कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

द्वितीय चरण के पांच दिवसीय एफ.एल.एन. प्रशिक्षण शिविर का समापन

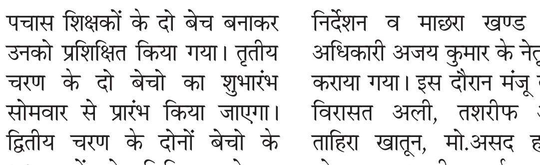

किठौर, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। बृहस्पतिवार ब्लॉक संसाधन केंद्र माछरा के सभागार कक्ष में निपुण भारत मिशन के अंर्तगत परिषदीय स्कूलों के अध्यापकों/शिक्षा मित्रों का बुनियादी साक्षरता तथा संख्या ज्ञान के लिए द्वितीय चरण में दो बेचो के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बृहस्पतिवार को माछरा खण्ड शिक्षा अधिकारी अजय कुमार व ए.आर.पी. सबा परवीन द्वारा समापन किया गया। माछरा ब्लॉक के संसाधन केंद्र माछरा पर पांच दिन से चल रहे बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर आधारित ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण/कार्यशाला जो कक्षा एक से पांच तक के छात्रों के लिए अनिवार्य की गई। उसी क्रम में शनिवार 30 अगस्त से द्वितीय चरण के दो बेचो में ब्लॉक के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों से पचास पचास शिक्षकों के दो बेच बनाकर उनको प्रशिक्षित किया गया। तृतीय चरण के दो बेचो का शुभारंभ सोमवार से प्रारंभ किया जाएगा। द्वितीय चरण के दोनों बेचो के अध्यापकों को प्रशिक्षित करते हुए कहा के बेसिक स्तर के साथ साथ रोजाना की जाने वाली गतिविधियों से अवगत कराया जाना चाहिए। नई शिक्षा नीति 2020 पर विशेष प्रकाश डाला गया तथा एनसीईआरटी की पुस्तकों के बारे में जानकारी दी गई प्रशिक्षण में पाठ योजना बनवाई गई तथा इसका प्रस्तुतिकरण भी कराया गया। यह प्रशिक्षण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशा चौधरी के निर्देशन व माछरा खण्ड शिक्षा अधिकारी अजय कुमार के नेतृत्व में कराया गया। इस दौरान मंजू दयाल विरासत अली, तशरीफ अली, ताहिरा खातून, मो.असद हयाती, मो.इरफान, अमरीश शर्मा कार्यालय सहायक, चारूशर्मा ब्लॉक क्वालिटी कोऑर्डिनेटर अनिल कुमार, चांद मोहम्मद, जावेद अली, मो.इमरान, नसीम खातून, मो.इरफान, शालिनी, विकास कुमार, सुधीर कुमार, शमीम गौड, धर्मेन्द्र कुमार, शालिनी, इंतजार अली, सुशील कुमार, इरफान, वकार, शादाब, सुभाषिनी वर्मा आदि सैकड़ों अध्यापकगणों ने पांच दिवस प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया।

जलस्तर से त्रस्त ग्रामीणों का भाजपा मंत्री पर फूटा गुस्सा

■ राज्य मंत्री के सामने जमकर फूटा गुस्सा, ठुकराई राहत सामग्री

■ बोले राशन नहीं, जीवन और सुरक्षित ठिकाना चाहिए

■ ग्रामीणों ने जलशक्ति मंत्री के सामने किया हंगामा

मवाना, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। गंगा के बढ़ते जलस्तर से त्रस्त ग्रामीणों का गुस्सा गुरुवार को प्रशासनिक अधिकारियों और राज्य मंत्री के सामने जमकर फूटा। बाढ़ प्रभावित बस्तौरा नारंग गांव में पहुंचे राज्य मंत्री दिनेश खटीक और प्रशासनिक टीम ने जब राहत सामग्री बांटनी शुरू की तो ग्रामीणों ने लेने से साफ इनकार कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि राशन कुछ दिन का सहारा भर है, जबकि उन्हें जीवन बचाने के लिए सुरक्षित स्थान और स्थायी समाधान चाहिए। गंगा कटान से प्रभावित गांव में मंत्री दिनेश खटीक डीएम डॉ. वी.के. सिंह और एसएसपी विपिन ताडा के साथ पहुंचे थे। मंत्री ने आश्वासन दिया कि शासन और प्रशासन हर संभव मदद के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि गंगा किनारे पक्का तटबंध बनाने की परियोजना शासन को भेजी जाएगी, ताकि भविष्य में ग्रामीणों को राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से कहा कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और प्रशासन हर जरूरतमंद तक मदद पहुंचा रहा है। कई परिवार पहले ही गांव छोड़कर सुरक्षित जगह जा चुके हैं, जबकि बाकी परिवारों का कहना है कि उनके पास पलायन का कोई विकल्प नहीं है। ग्रामीणों ने लौटाई राहत सामग्री

जैसे ही अधिकारियों ने बाढ़ राहत सामग्री बांटी, ग्रामीण भड़क उठे। उन्होंने कहा कि राशन से कुछ दिन का गुजारा होगा, लेकिन जब घर ही बह जाएंगे तो कहां रहेंगे ग्रामीणों ने राहत सामग्री लौटाते हुए साफ कहा हमें राशन नहीं, जीवन चाहिए।

हंगामा बढते देख बैरग लौट जलशक्ति मंत्री

बाढ़ प्रभावित बस्तौरा गांव में राहत सामग्री लेने से इंकार करते हुए ग्रामीणो ने हंगामा शुरू कर दिया। ग्रामीणों द्वारा बढ़ते हंगामे और विरोध को देखते हुए मंत्री और प्रशासनिक अधिकारी बिना राहत सामग्री बांटे ही लौट गए। घटनाक्रम से गांव में तनाव और असंतोष का माहौल बना रहा।

फ्रेंचाईजी मालिक देवेश कामरा ने किया जिम का दौरा

मेरठ, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। आर.जी. डिग्री कॉलेज के निकट फिट-7 जिम में नई मशीनों की फिटिंग से लेकर रखरखाव को दुरूस्त किया जा रहा है। इस कार्य में अभी एक सप्ताह और लग सकता है। पुराने मैंबर्स को नई मशीनों का बेसबरी से इंतजार है। बता दें कि फिटनेस की दुनिया में महेन्द्र सिंह धोनी ने करीब 10 वर्ष पूर्व एक खास पहल की थी। जिसकी देशभर में दर्जनों फ्रेंचाईजी खोली गई है। विगत 2015 में जनपद मेरठ के आर.जी. डिग्री कालेज के बराबर में निर्भय अर्केड की तीसरी मंजिल पर एक फ्रेंचाईजी की शरूआत की गई और मेरठ की जनता को बेहतर स्वास्थ्य पाने के लिए एक शानदार मंच मिला। जिम की शुरूआत के बाद से ही मशीनों का रखरखाव के करने के लिए विशेष टीम भी लगी है जो समय समय पर जिम इक्विपमेंट की देखरेख में लगी रहती है। बदलती टैक्नोलोजी के साथ अब तक कई मशीनों को रिप्लेस भी किया जा चुका है। इसी के मद्देनजर 2025 की दिवाली से पहले पूरे जिम को नया लुक मिलने जा रहा है। जिम के लुक को और सुगम बनाने के लिए फ्रेंचाईजी ऑनर देवेश कामरा ने जिम का दौरा कर मरम्मत से लेकर मशीनों के स्थान को चिन्हित किया। देवेश कामरा ने बताया कि इस बार जिम में कई मशीनें ऐसी देखने को मिलेंगी जो अभी तक दिल्ली के जिम तक भी नहीं पहुंची हैं। इन मशीनों से वर्कआउट करने में खास अनुभव तो मिलेगा ही साथ ही सेफ्टी भी बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिन से मशीनों की फिटिंग कार्य चल रहा है। जिम के सभी इक्विपमेंट को बदला जाने में अभी एक सप्ताह को और समय लग सकता है। जिसके बारे में सभी मैंबर्स को सूचित कर दिया गया है।

■ दूसरे राज्यों से मंगवाई गई आधुनिक मशीनें

एक्शन व डायलॉग पैक्ड फिल्म 'अजेय' में दिखेगा योगी का दमदार अवतार

मुंबई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर बनी फिल्म 'अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ अ योगी' का ट्रेलर गुरुवार को जारी कर दिया गया। इस फिल्म को 19 सितम्बर को रिलीज किया जाना है, जिसका दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, ट्रेलर की शुरुआत में विजुअल के साथ वॉयस ओवर चलता है, जिसमें पूर्वांचल के कद्दावर नेता अवधेश राय की गोली मारकर हत्या से जुड़ी खबर दिखाई जाती है। इसमें बाद गोरखपुर में कर्फ्यू की घोषणा की जानकारी दी जाती है। इस सीन में एक जीप पर भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ भी दिखाए जाते हैं, जो आगे की सीट पर बैठकर कैमरे से फोटो क्लिक करते हैं। इस सीन के अगले फ्रेम में फिल्म में योगी आदित्यनाथ का किरदार निभा रहे अनंत जोशी की एंट्री होती है, जो एक दमदार डायलॉग बोलते सुनाई देते हैं।

सौंदर्य बढ़ाने के काम आता है चावल का आटा

चावल में मौजूद तत्व जैसे एलांटोइन, फेरुलिक एसिड, विटामिन बी त्वचा के लिए फायदेमंद

मृत त्वचा की परत को हटाकर नए सेल्स को सांस लेने का देता है मौका

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। त्वचा की देखभाल के लिए कुछ लोग बाजार में मिलने वाले महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, तो कुछ आज भी घरेलू नुस्खों को ही बेहतर मानते हैं। हमारी दादी-नानी के जमाने से लेकर आज तक, रसोई में मौजूद कई चीजें सौंदर्य बढ़ाने में काम आती रही हैं। इन्हीं में से एक है 'चावल का आटा'।

आयुर्वेद में चावल को त्वचा के पोषण के लिए प्रभावशाली माना गया है। वहीं, आधुनिक विज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है। अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, चावल में मौजूद तत्व जैसे एलांटोइन, फेरुलिक एसिड, विटामिन बी, और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा के लिए कई तरह से फायदेमंद होते हैं। चावल के आटे से बने फेस पैक, स्क्रब और क्लींजर स्किन को एक्सफोलिएट करते हैं, यानी मृत त्वचा की परत को हटाकर नए सेल्स को सांस लेने का मौका देते हैं। यह प्रक्रिया त्वचा को निखारती है और प्राकृतिक चमक लौटाती है। चावल के आटे में मौजूद स्टार्च त्वचा को ठंडक देने का काम करता है, जिससे लालपन, जलन या सूजन जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। वहीं, चावल के आटे में पाए जाने वाले मिनरल्स और विटामिन्स त्वचा की मरम्मत करने का काम करते हैं। हालांकि, हर अच्छी चीज के साथ कुछ सावधानियां भी जरूरी होती हैं। चावल का आटा भले ही एक नेचुरल इंग्रेडिएंट हो, लेकिन अगर इसे गलत तरीके से या अधिक मात्रा में इस्तेमाल किया जाए, तो यह फायदे की बजाय नुकसान भी पहुंचा सकता है। अगर आपकी त्वचा ड्राई है और आप बार-बार चावल का आटा लगाते हैं, तो इससे त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो सकती है। इसका कारण यह है कि चावल का आटा एक नैचुरल एक्सफोलिएटर होने के कारण स्किन की ऊपरी परत को हटा देता है, जिससे त्वचा रूखी होती है और खिंचाव महसूस हो सकता है। कुछ लोगों की त्वचा संेसेटिव होती है और उन पर चावल के आटे का सीधा इस्तेमाल जलन, खुजली या रैश की वजह बन सकता है। ऐसे मामलों में पहले पैच टेस्ट करना जरूरी होता है, ताकि किसी भी एलर्जिक रिएक्शन से बचा जा सके। इसके अलावा, अगर चावल के आटे का प्रयोग करने के बाद चेहरे को अच्छी तरह साफ नहीं किया गया, तो यह स्किन के पोर्स को बंद कर सकता है। इससे एक्ने, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स जैसी परेशानियां शुरू हो सकती हैं।

फोलिक एसिड सिर्फ महिलाओं के लिए नहीं, हर उम्र के लिए जरूरी विटामिन

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। अक्सर लोग सोचते हैं कि फोलिक एसिड, जिसे विटामिन बी-9 भी कहा जाता है, सिर्फ गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी होता है। इसे आमतौर पर खून की कमी और गर्भ में बच्चे के विकास से जोड़ा जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि फोलिक एसिड सिर्फ महिलाओं के लिए नहीं, बल्कि पुरुषों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी एक अत्यंत आवश्यक पोषक तत्व है।

यह शरीर की कोशिकाओं से लेकर मस्तिष्क और हृदय तक कई महत्वपूर्ण कार्य करता है। फोलिक एसिड हमारे शरीर में नए रक्त कण बनाने में मदद करता है। अगर हमारे शरीर में फोलिक एसिड की कमी हो जाए, तो हमें थकान, कमजोरी और चक्कर आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

यह विटामिन दिल की सेहत के लिए भी अच्छा होता है। यह एक खतरनाक तत्व, होमोसिस्टीन, को कम करता है, जो दिल की बीमारियों का कारण बन सकता है। जिन लोगों के शरीर में फोलिक एसिड की मात्रा ठीक रहती है, उन्हें दिल का दौरा और लकवा होने का खतरा कम होता है।

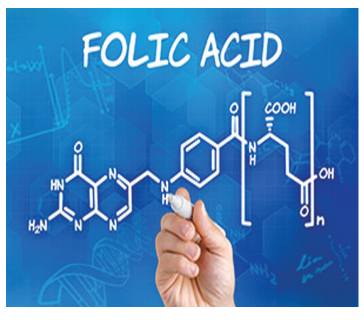

- **व्यक्ति की उदासी, चिड़चिड़ेपन को दूर करता है**
- **बच्चे के दिमाग व रीढ़ की हड्डी को सही तरीके से बनने में मददगार**

फोलिक एसिड दिमाग के लिए भी फायदेमंद होता है। यह दिमाग में ऐसे रसायन बनाने में मदद करता है जो हमारे मूड को ठीक रखते हैं। अगर इसकी कमी हो जाए, तो व्यक्ति को उदासी, चिड़चिड़ापन और भूलने की समस्या हो सकती है। कुछ शोधों में यह भी देखा गया है कि फोलिक एसिड का सेवन करने वाले लोगों में याददाश्त बेहतर रहती है।

गर्भवती महिलाओं को तो फोलिक एसिड की काफी जरूरत होती है। यह बच्चे के दिमाग और रीढ़ की हड्डी को सही तरीके से बनने में मदद करता है। डॉक्टर सलाह देते हैं कि महिलाएं गर्भधारण से पहले ही फोलिक एसिड लेना शुरू कर दें, ताकि जन्म लेने वाले बच्चे में किसी प्रकार की शारीरिक कमी न हो। इसके अलावा, यह हमारी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद है। यह नई कोशिकाओं को बनने में मदद करता है, जिससे त्वचा साफ और बाल मजबूत रहते हैं। हालांकि, फोलिक एसिड का ज्यादा सेवन भी हानिकारक हो सकता है। अगर बिना जरूरत के ज्यादा मात्रा में इसे लिया जाए, तो इससे पेट खराब, घबराहट और कुछ मामलों में अन्य समस्याएं हो सकती हैं। कुछ दवाइयां, जैसे मिर्गी की दवा या कैंसर की दवा, फोलिक एसिड को शरीर में कम कर देती हैं। ऐसे लोगों को डॉक्टर की सलाह पर इसे लेना चाहिए।

हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे : जेनेलिया डिसूजा

मुंबई, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा अपनी मासूमियत और सादगी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाए रखती हैं। फिल्मों के अलावा, वह अक्सर अपने फैंस से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ खास पोस्ट करती रहती हैं। गुरुवार को उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

तस्वीरों में जेनेलिया का अंदाज किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रहा। उन्होंने डार्क ब्राउन कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें गोल्डन कलर की स्ट्राइप्स हैं। इस आउटफिट की खास बात उसका दुपट्टा है, जो लाइट बेज कलर का फ्लोरल प्रिंटेड है। इसमें ब्लू, रेड और ग्रीन कलर के फूलों के डिजाइन हैं।

जेनेलिया ने इस लुक के साथ ट्रेडिशनल गहनों को बेहद खूबसूरती से कैरी किया हुआ है। उनके गले में कुंदन चोकर हार है, कानों में भारी झुमके हैं, और हाथों में कंगनों की भरमार है। बालों को उन्होंने हल्का कर्ल कर करके पीछे की ओर बांधा हुआ है, और उसमें सफेद फूलों का एक छोटा सा गजरा है, जो उनके पूरे लुक में चार चांद लगा रहा है। पहली तस्वीर में जेनेलिया नीचे बैठी हैं, उनकी नजरें झुकी हुई हैं और चेहरे पर हल्की मुस्कान है। तस्वीर देखकर ऐसा लग रहा है, मानो वो किसी सुनहरे ख्यालों में डूबी हुई हों। दूसरी तस्वीर क्लोजअप क्लिक है। इसमें वह पलके नीचे झुकाते हुए कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह खड़ी हैं और कहीं और देख रही हैं।

इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा कि हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे। जेनेलिया के इस पोस्ट पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। लोग उनके लुक के साथ-साथ आउटफिट की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा कि आपकी स्माइल ही तो हमारी मुस्कान की वजह है। दूसरे फैन ने लिखा, आपकी खूबसूरती की बात ही अलग है। अन्य फैंस ने उन्हें एथनिक क्वीन का टैग दिया।

शिक्षक दिवस : बॉलीवुड स्टार्स टीचर के रोल में छाए

मुंबई, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। हर साल 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन सिर्फ कक्षा में पढ़ाने वाले गुरुओं को ही नहीं, बल्कि समाज को प्रेरणा देने वाले हर उस इंसान को समर्पित होता है जो ज्ञान, दिशा और जीवन का मूल्य समझाता है। भारतीय सिनेमा ने भी कई बार पर्दे पर ऐसे किरदार गढ़े हैं, जिन्होंने शिक्षकों की अहमियत और उनकी भूमिका को बड़े ही प्रभावशाली ढंग से दर्शाया है। आइए जानते हैं उन बॉलीवुड स्टार्स के बारे में जो टीचर्स का रोल कर करके पर्दे पर छा गए।

आमिर खान, अमिताभ ने शिक्षकों की अहमियत दर्शाया

आमिर खान : बॉलीवुड स्टार आमिर खान ने फिल्म 'तारे ज़मीन पर' में कला शिक्षक राम शंकर निकुंभ का किरदार निभाया है। यह किरदार उन बच्चों की भावनाओं को आवाज देता है, जिन्हें अक्सर समझा ही नहीं जाता, जिन्हें पढ़ने-लिखने में कुछ मुश्किलें आती हैं। वह उन बच्चों के टैलेंट को पहचान उन्हें उड़ान भरने में मदद करते हैं।

ऋतिक रोशन : अभिनेता ऋतिक रोशन ने 'सुपर 30' में बिहार के मशहूर गणितज्ञ और शिक्षक आनंद कुमार का किरदार निभाया है। यह फिल्म उस संघर्ष की कहानी है जिसमें एक शिक्षक गरीब बच्चों को आईआईटी की परीक्षा की तैयारी कराता है। ऋतिक ने इसमें एक दमदार शिक्षक का रोल निभाया है, फिल्म में उनका अभिनय दर्शाता है कि शिक्षा बदलाव की सबसे बड़ी ताकत है।

रानी मुखर्जी : रानी मुखर्जी ने 'हिचकी' में नैना माथुर की भूमिका निभाई, जो टॉरेट सिंड्रोम से जूझ रही हैं। बाधाओं के बावजूद वह एक आदर्श शिक्षिका साबित होती हैं। उनका किरदार हमें सिखाता है कि कमजोरियां भी ताकत बन सकती हैं। रानी को इस रोल के लिए खूब सराहा गया था।

बोमन ईरानी : बॉलीवुड एक्टर बोमन ईरानी ने फिल्म '3 इडियट्स' में सख्त प्रिंसिपल डॉ. वीरू सहस्त्रबुद्धे का रोल निभाया। यह किरदार शिक्षा व्यवस्था की कठोर सच्चाई दिखाता है और बताता है कि शिक्षा सिर्फ रटने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह उनके बेस्ट किरदारों में से एक है।

अमिताभ बच्चन : 'ब्लैक' फिल्म में अमिताभ बच्चन ने देबराज सहाय का किरदार निभाया। उन्होंने एक बहरी और अंधी लड़की मिशेल को शिक्षा दी और जीवन का अर्थ समझाया। उनका अभिनय शिक्षण की सबसे ऊंची परिभाषा पेश करता है।

शाहरुख खान : शाहरुख खान ने 'चक दे! इंडिया' में कोच कबीर खान का रोल निभाया। भले ही वो परंपरागत शिक्षक नहीं थे, लेकिन उन्होंने भारतीय महिला हॉकी टीम को अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। यह किरदार बताता है कि शिक्षक केवल कक्षा तक सीमित नहीं होते।

इमर्जिंग फिनाकेयर ने लगाया नि:शुल्क वेल्थ चेक-अप कैम्प

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। जैसे हम सभी अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए सालाना हेल्थ चेक-अप कराते हैं, वैसे ही हमारी आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करना भी उतना ही आवश्यक है। आज की बदलती आर्थिक परिस्थितियों में वित्तीय योजना अब विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता बन गई है। इसी जागरूकता को बढ़ाने के लिए इमर्जिंग फिनाकेयर ने पहल करते हुए लोगों को फाइनेंशियल कुंडली उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है - वह भी बिल्कुल मुफ्त। यह कुंडली एक व्यक्तिगत वित्तीय रिपोर्ट है, जो व्यक्ति को उनके भविष्य के आर्थिक मार्गदर्शन में सहायता करेगी।

इसी उद्देश्य से फिनाकेयर द्वारा एक सप्ताह का नि:शुल्क वेल्थ चेक-अप कैम्प आयोजित किया जा रहा है। इस कैंप में आम जनता अपने वर्तमान आर्थिक हालात, निवेश, देनदारियां और भविष्य की आवश्यकताओं का विश्लेषण करवा सकती है। इससे लोग अपनी वित्तीय खामियों को पहचानकर समय रहते अपनी रणनीति में सुधार कर पाएंगे। हेमंत सिंह और प्रमोद चौधरी के नेतृत्व में संचालित इमर्जिंग फिनाकेयर से 6 भिलाई, प्रमाणित वित्तीय सलाहकारों की एक भरोसेमंद टीम है, जो वर्षों से लोगों को निवेश और धन प्रबंधन में सही मार्गदर्शन देती आ रही है। उनकी फाइनेंशियल कुंडली की अवधारणा जीवन के रोडमैप की तरह है, जो आय, बचत, जोखिम और दीर्घकालिक लक्ष्यों की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करती है। इसके साथ ही फिनाकेयर सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए वरिष्ठ नागरिकों और पुलिस एवं डॉक्टर व संपूर्ण चिकित्सा विभाग के सदस्यों का आयकर रिटर्न नि:शुल्क दाखिल करता है।

योगासन से पीरियड्स साइकिल में आता है सुधार

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। महिलाओं की सेहत में सबसे अहम नियमित पीरियड्स साइकिल होता है। कई बार तनाव, थकान, खराब जीवनशैली और खानपान की गड़बड़ी के कारण पीरियड्स समय पर नहीं आते। यह समस्या सिर्फ शारीरिक नहीं होती, मानसिक रूप से भी महिलाओं को काफी परेशान करती है। ऐसे में बहुत-सी महिलाएं दवाइयों का सहारा लेती हैं, लेकिन इस समस्या से योग के जरिए भी राहत पाई जा सकती है।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक, योग करने से पेल्विक एरिया एक्टिव होता है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, और हार्मोन बैलेंस रहता है।

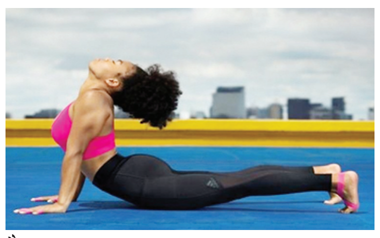

भुजंगासन : इसे अंग्रेजी में कोबरा पोज कहा जाता है। इस आसन में शरीर की मुद्रा कोबरा के समान होती है। इस आसन में शरीर को जमीन पर पेट के बल लेटकर पीछे की ओर उठाया जाता है। इससे पेट और पेल्विक हिस्से पर खिंचाव आता है, जिससे वहां का ब्लड फ्लो बेहतर होता है। हार्मोनल ग्रंथियां एक्टिव होती हैं और पूरे प्रजनन तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। इस आसन से न सिर्फ पीरियड्स साइकिल सुधरती है, बल्कि पीरियड्स के दौरान होने वाला दर्द भी कम होता है।

तितली आसन : तितली आसन को संस्कृत में बद्ध कोणासन कहा जाता है। इस आसन को करते वक्त दोनों पैरों के तलवों को मिलाकर बैठा जाता है और घुटनों को ऊपर-नीचे हिलाया जाता है।

जगद्गुरु ने आमिर से मुलाक़ात में पीएम मोदी के विकसित भारत का दिया संदेश

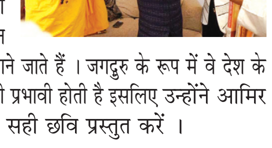

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। फ़िल्म अभिनेता आमिर ख़ान महर्षि महेश योगी आश्रम के जगद्गुरु स्वामी सतीशाचार्य महाराज के ऐसे मुरीद हुए कि वे छ घंटों तक उनसे धर्म , उपनिषद , राष्ट्र धर्म और निज धर्म के भेद सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा करते रहे। आमिर ने जगद्गुरु के प्रति आदर व्यक्त करते हुए जमींन पर बैठक उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया । जगद्गुरु सतीशाचार्य ने आमिर ख़ान को गीता पुस्तक भेंट कर पीएम मोदी का 2047 में भारत को विकसित बनाने का संदेश भी दिया । इस पर आमिर ख़ान ने कहा बोल उठे अरे वाह। आमिर ने जगद्गुरु की सभी बातें ध्यान से सुनी और कहा राष्ट्र धर्म और निज धर्म की गुरुदेव की व्याख्या से वे बहुत प्रभावित हैं। जगद्गुरु, आमिर ख़ान के बुलावे पर मुंबई स्थित उनके आवास पर गए थे। जहाँ रात्रिभोज के दौरान दोनों की मुलाक़ात हुई। यह मुलाक़ात क़रीब छ घंटे तक चली । जगद्गुरु सतीशाचार्य महर्षि महेश योगी परंपरा के वाहक संत के रूप में जाने जाते हैं । जगद्गुरु के रूप में वे देश के अलग अलग हिस्सों में जाकर धर्म और सनातन का प्रचार प्रसार करने में जुटे हुए हैं। जगद्गुरु का कहना है कि फ़िल्म स्टार्स की बात भी काफ़ी प्रभावी होती है इसलिए उन्होंने आमिर ख़ान से मिलकर उन्हें गीता की पुस्तक भेंट की और उनसे अपेक्षा भी की कि वे अपनी फ़िल्मों के माध्यम से धर्म की सही छवि प्रस्तुत करें ।

यूपीआईटीएस-2025 में विदेशी खरीदारों व इंडस्ट्री-अकादमिक भागीदारी पर जोर : जिलाधिकारी

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण के आयोजन को लेकर जिलाधिकारी मेधारुपम ने अब तक की तैयारी को साझा किया। इस दौरान डॉ. राकेश कुमार, चेयरमैन, इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल), मंगलेश दुबे, एडीएम (ई), और सुदीप सरकार, सीईओ, आईईएमएल मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि यूपीआईटीएस 2025 उत्तर प्रदेश सरकार व इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। यह भव्य आयोजन 25 से 29 सितम्बर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में होगा। इसमें उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, विविध ओडीओपी उत्पादों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और बहु-क्षेत्रीय निवेश अवसरों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार आयोजन को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है। सुविधाओं, सुरक्षा और आवश्यकताओं में सुधार किया जा रहा है, खासतौर पर पिछले संस्करण में सामने आई समस्याओं को हल करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस शो में पूरे देश से पांच लाख लोग पहुंचते हैं। इस सो में 80 देशों से 500 खरीदारों की पहुंचने की सम्भावना है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो देश के लिए अवसर है और नोएडा उत्तर प्रदेश का गेटवे है। इस शो में उद्योग व विद्यार्थियों को जोड़ने का प्रयास है।

यूपीआईटीएस की मोबाइल ऐप से मिलेगी सारी जानकारी

यूपीआईटीएस 2025 मोबाइल ऐप के शुभारंभ की घोषणा की, जो प्रदर्शकों, आगंतुकों और प्रतिभागियों को रीयल-टाइम अपडेट, नेविगेशन और अन्य उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराएगा, जिससे उनके अनुभव को और समृद्ध बनाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान एक कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा, जहां टीम तैनात रहेगी और समस्याओं का तुरंत समाधान और आयोजन की निगरानी की जाएगी।

- **तीसरे संस्करण में व्यापार-व्यवसाय के साथ यूपी की शिल्प, संस्कृति व खानपान पर किया जाएगा केन्द्रित**
- **यातायात सुगम बनाने के लिए तैयार किया गया है रोडमैप**

तीसरे संस्करण को अधिक आकर्षण बनाने की है तैयारी

इस वर्ष का संस्करण और अधिक आकर्षक व सहभागी होगा, जिसमें कई इंटरैक्टिव कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं शामिल होंगी-जैसे बैटल ऑफ बैंड्स, एआई और रोबोटिक्स प्रतियोगिताएं, बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता तथा कई अन्य रोचक गतिविधियां, जो आयोजन में नई ऊर्जा और उत्साह भरेंगी। इस संस्करण को पिछली बार से अधिक सफल बनाएगा, बल्कि प्रदेश को मुख्यमंत्री की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की परिकल्पना को साकार करने में भी सहयोग करेगा।

डॉ. राकेश कुमार, चेयरमैन, आईईएमएल ने कहा कि यूपीआईटीएस एक अनोखा और विशिष्ट व्यापार आयोजन है, जैसा किसी अन्य राज्य में नहीं होता। यह एक ऐसा मंच है, जहां उत्तर प्रदेश के सभी उत्पाद, सेवाएं, नवाचार और परंपराएं एक ही छत के नीचे प्रदर्शित और उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे व्यापार, वाणिज्य और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ावा मिलता है। यूपीआईटीएस वास्तव में एक वैश्विक मंच के रूप में उभरा है, जो व्यापार, परंपरा और तकनीक को जोड़ता है। 2025 का संस्करण और भी भव्य होगा, जो उत्तर प्रदेश के उद्यमियों, एमएसएमई और निर्यातकों के लिए नए अवसर खोलेगा।

महादेव की कृपा पाने के लिए करें शुक्र प्रदोष व्रत

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। हिंदू पंचांग के अनुसार, प्रत्येक माह की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाता है। शुक्रवार को पड़ने पर इसे शुक्र प्रदोष व्रत कहा जाता है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित होता है।

दृक पंचांग के अनुसार, 5 सितम्बर को पहला शुक्र प्रदोष व्रत मनाया जाएगा। यह व्रत 5 सितम्बर की सुबह 4 बजकर 8 मिनट से शुरू होकर 6 सितम्बर की सुबह 3 बजकर 12 मिनट तक रहेगा। इस दिन अभिजीत मुहूर्त सुबह के 11 बजकर 54 मिनट से शुरू होकर दोपहर के 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा और राहुकाल का समय सुबह 10 बजकर 45 मिनट से शुरू होकर दोपहर के 12 बजकर 20 मिनट तक रहेगा।

शुक्र प्रदोष व्रत का विशेष धार्मिक महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस व्रत को करने से जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। यह व्रत विशेष रूप से प्रेम और संबंधों को मजबूत करने के लिए भी किया जाता है।

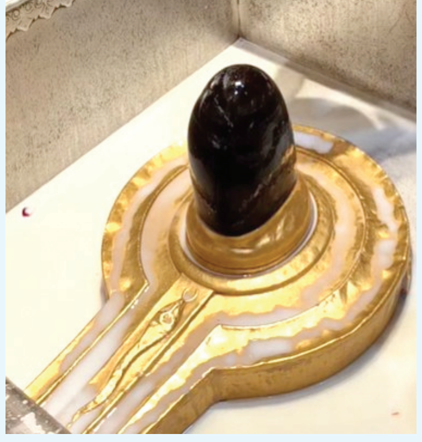

- **पूजा-पाठ करने के बाद 'ओम नम: शिवाय' मंत्रों का जप करें**
- **व्रत को करने से जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति**

पौराणिक ग्रंथों में प्रदोष व्रत के पूजन की विधि सरल तरीके से बताई गई है। इस दिन पूजा करने के लिए आप ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नित्य कर्म-स्नान आदि करने के बाद पूजा स्थल को साफ करें। उस पर आटा, हल्दी, रोली, चावल, और फूलों से रंगोली बनाकर मंडप तैयार करें। अब कुश के आसन पर बैठकर भगवान शिव और पार्वती की पूजा करें।

भोलेनाथ को दूध, जल, दही, शहद और घी से स्नान कराने के बाद बेलपत्र, माला-फूल, इत्र, जनेऊ, अबीर-बुक्का, जौ, गेहूं, काला तिल, शक्कर आदि अर्पित करें। इसके बाद धूप और दीप जलाकर प्रार्थना करें।

विधि-विधान से पूजा-पाठ करने के बाद 'ओम नम: शिवाय' मंत्रों का जप करें।

संध्या के समय पूजन करने के बाद शुक्र प्रदोष व्रत कथा सुनें और इसके बाद आरती करें। घर के सभी सदस्यों को प्रसाद देकर भगवान से सुख-समृद्धि की कामना करें। साथ ही ब्राह्मण और जरूरतमंदों को अन्न दान करें। दूसरे दिन पारण करना चाहिए।

[अर्थ जगत]

अमेरिकी शुल्क की घोषणा से एमएसएमई पर बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क की घोषणा से खतरा मंडराने लगा है। देश के कुल निर्यात में 45 प्रतिशत से अधिक योगदान करने वाले इस क्षेत्र के सामने बड़ी आफत आ खड़ी हुई है। एमएसएमई उद्योग संगठनों ने अमेरिकी कदम का बड़ा असर होने की चिंता जताई है और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। इंडिया एसएमई फोरम के अध्यक्ष ने कहा कि शुल्क बढ़ने से सालाना 30 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार खटाई में पड़ने की आशंका है।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

महिंद्रा एंड महिंद्रा	5.96 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	4.28 प्रतिशत
आईटीसी	1.06 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	0.78 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	0.61 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

मारूति सुजुकी	1.78 प्रतिशत
बीईएल	1.61 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.57 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.24 प्रतिशत
पावर ग्रिड	1.19 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,06,070
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,25,600
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7977.50
मसूर काली	8139.80
उड़द दाल	10438.17
मूंग दाल	10081.03
अरहर दाल	10669.41

जीएसटी में गरीब व मध्यम वर्ग को मिलेगी ज्यादा राहत

- **आम लोगों के इस्तेमाल की अधिकतर वस्तुओं को पांच प्रतिशत के स्लैब में रखा**
- **कुछ वस्तुओं पर शून्य कर व कुछ पर 40 प्रतिशत कर भी होंगे**

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने बुधवार को जीएसटी की अगली पीढ़ी की सुधार के तहत मुख्य स्लैबों की संख्या चार घटकर दो करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी और आम लोगों के इस्तेमाल की अधिकतर वस्तुओं को पांच प्रतिशत के स्लैब में रखने का फैसला किया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिषद की 56 वीं बैठक के बाद बताया कि अब दो मुख्य स्लैब पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत के होंगे। इसके अलावा कुछ वस्तुओं पर शून्य कर और कुछ पर 40 प्रतिशत कर भी होंगे। ये कर सुधार 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में कर स्लैब और दरों को युक्तिसंगत बनाने के सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। नई व्यवस्था में अल्ट्रा हाई टेंपरेचर दूध, छेना, पनीर, चपाती रोटी पराठा आदि पर कोई कर नहीं लगेगा। तैंतीस जीवन रक्षक दवाओं को भी कर मुक्त रखा गया है। सभी देशी रोटियों (चपाती, पराठा, रोटी आदि) पर जीएसटी दर शून्य होगी।

तैंतीस जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर दीर्घकालिक रोगों के उपचार में प्रयुक्त तीन जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों पर जीएसटी पांच प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। अन्य दवाओं पर पांच प्रतिशत कर लगेगा। व्यक्तिगत जीवन बीमा और व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पर भी कोई कर नहीं होगा।

जिन वस्तुओं पर क्षतिपूर्ति उपकर लग रहा है उन पर करों की दरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि राज्यों को क्षतिपूर्ति के पूरे भुगतान के बाद उनकी दरों में बदलाव का अधिकार वित्त मंत्री को होगा और इसके लिए दोबारा परिषद की बैठक बुलाने की आवश्यकता नहीं होगी।

राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 के आधार पर गणना करें तो इस बदलाव से करीब 48,000 करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि ये फैसले आम आदमी को ध्यान में रखकर लिए गए हैं। हेयर ऑयल, साबुन, शैंपू, टूथब्रश, टूथपेस्ट, साइकिल, टेबलवेयर, किचनवेयर और अन्य घरेलू सामानों, पैकेज्ड नमकीन, भुजिया, सॉस, पास्ता, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी, संरक्षित मांस, कॉर्नफ्लेक्स, मक्खन, घी आदि जैसे लगभग सभी खाद्य पदार्थों पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। कृषि उपकरणों और संबंधित सभी वस्तुओं पर पांच प्रतिशत की दर से कर लगेगा। सल्फ्यूरिक अम्ल, नाइट्रिक अम्ल और अमोनिया पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत किया गया है जिससे किसानों को फायदा होगा।

जीएसटी में किसानों को राहत, घटेगी लागत

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हुए बदलावों का बड़ा फायदा देश के किसानों को मिलने जा रहा है क्योंकि इसमें कृषि और संबंधित क्षेत्रों में काम आने वाले उपकरणों, उर्वरकों आदि के दाम घटाए गए हैं। जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में ट्रैक्टर, मिट्टी तैयार करने, बागवानी या वानिकी में काम आने वाली मशीनरी, कटाई या थ्रेसिंग की मशीनरी, जिसमें पुआल या चारा बेलर, घास काटने की मशीन, कम्पोस्ट मशीनरी आदि पर लगने वाली कर की दर को 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिषद की बुधवार को 56वीं बैठक के बाद बताया कि खेती के काम में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्टर पर लगने वाले 12 प्रतिशत जीएसटी को कम करके पांच प्रतिशत के स्लैब में डाल दिया गया है। इससे ट्रैक्टर की कीमत कम हो जायेगी। यही नहीं, ट्रैक्टर के टायर और पुर्जों पर जो पहले 18 प्रतिशत टैक्स लगता था उसे भी कम करके पांच फीसदी के स्लैब में डाल दिया गया है। जीएसटी परिषद ने खेत की तैयारी में काम आने वाले उपकरणों के साथ साथ कटाई, थ्रेसिंग के लिए मशीनों पर लगने वाले 12 प्रतिशत कर को भी पांच प्रतिशत कर दिया है। इससे कृषि, बागवानी और वानिकी में इस्तेमाल होने वाली मशीनें भी सस्ती हो जायेंगी।

इस बैठक में टपक सिंचाई प्रणाली और छिड़काव से होने वाली सिंचाई में काम आने वाले उपकरणों पर लगने वाला जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने का फैसला किया गया। इससे किसानों की सिंचाई पर आने वाली लागत कम होगी।

जीएसटी में बदलाव से मत्स्य पालन की लागत होगी कम

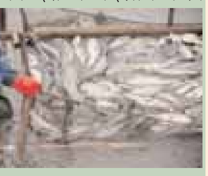

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में आए बदलाव के कारण मत्स्य पालन की लागत में कमी होने जा रही है। जीएसटी परिषद की बुधवार को हुई बैठक में मछुआरों को राहत देने के लिए कई तरह की चीजों पर लगने वाले अप्रत्यक्ष कर अथवा जीएसटी की दरों में बदलाव करने को स्वीकृति दे दी गई। मछुआरों के लिए डीजल इंजन, पंप, एयरेटर पर जीएसटी को 12 और 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। इससे मछुआरों की लागत कम होगी। इसके अलावा तालाब तैयार करने और जल गुणवत्ता प्रबंधन में उपयोग किए जाने वाले अमोनिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे महत्वपूर्ण रसायनों पर भी जीएसटी पहले के 12 से 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे मछली का चारा, तालाब की देखभाल पर आने वाली लागत घटेगी।इसके अलावा मछली पकड़ने की छड़, जाल और संबंधित चीजों पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। इससे पूंजीगत लागत कम होगी और इस क्षेत्र में आजीविका को समर्थन मिलेगा।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। गुरुवार को सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई से 1,000 रुपए टूटकर 1,06,070 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई। वहीं चांदी 500 रुपए गिरकर 1,25,600 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई।

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के अनुरूप कारोबारियों की मुनाफावसूली से सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई से 1,000 रुपए टूटकर 1,06,070 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव भी गुरुवार को 1,000 रुपए घटकर 1,05,200 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं चांदी 500 रुपए गिरकर 1,25,600 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है।

बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 1,07,070 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी, जो इसका सर्वकालिक उच्चतम स्तर था।

भारत इस वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करेगा : विरमानी

- **भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक झटकों को झेलने को लेकर अत्यधिक मजबूत**

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने गुरुवार को कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और शुल्कों के बावजूद, भारत द्वारा इस वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर हासिल करने की उम्मीद है और जीएसटी 2.0 जैसे सुधारों का दीर्घकालिक विकास दर पर निश्चित रूप से सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले पांच वर्षों ने साबित कर दिया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक झटकों को झेलने को लेकर अत्यधिक मजबूत है।

अर्थशास्त्री ने बताया कि जीएसटी सुधार पर उन्होंने व्यक्तिगत रूप से लंबे समय तक काम किया है और इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में कई सकारात्मक उपायों की घोषणा की गई थी और आयकर सुधार एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे, जिसे संसद ने पारित कर दिया है। जीएसटी सुधार भी अनुपालन को सरल बनाने और ईज-ऑफ डूइंग बिजनेस की उस बड़ी योजना का हिस्सा हैं।

अर्थशास्त्री ने कहा कि बेशक, सरलीकरण की दक्षता और सकारात्मक कर प्रभाव व अनुपालन प्रभाव सामने आने में समय लगता है, लेकिन मुझे यकीन है कि ये परिणाम जरूर आएंगे। उन्होंने कहा कि इनकी प्रत्याशा में बाजार हमेशा यही कहेगा कि इसका कुछ असर दिखना शुरू हो गया है। जीडीपी के पूर्वानुमान पर, उन्होंने कहा कि कई विशेषज्ञ शुरू से ही कह रहे हैं कि इस वर्ष जीडीपी लगभग 6.5 प्रतिशत ऊपर या नीचे रहेगी, हालांकि, अनिश्चितता का एक बड़ा दायरा है।

सार संक्षेप

सेल कर्मचारियों को आरोग्य के लिए प्रशिक्षित करेगा आर्ट ऑफ लिविंग

नई दिल्ली। भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) ने अपने कर्मचारियों के बीच समग्र आरोग्य को बढ़ावा देने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। सेल के प्रबंध प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई) के कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं विकास) संजय धर और आर्ट ऑफ लिविंग के व्यक्ति विकास केंद्र भारत (वीवीकेआई) के अध्यक्ष प्रज्ञाचैतन्य ने बेंगलुरु के आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में बुधवार को हस्ताक्षर किए। इस मौके पर सेल के निदेशक (कार्मिक) के.के. सिंह भी उपस्थित थे। समझौता ज्ञापन के अनुरूप इस सहयोग के तहत सेल के कर्मचारी आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा तैयार किये गये प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जो भावनात्मक लचीलापन, सचेतनता, नेतृत्व और व्यक्तिगत सशक्तिकरण पर केंद्रित होंगे।

अमेज़न ने एक्सियो का अधिग्रहण पूरा किया

गुरुग्राम। अमेज़न ने आज यह घोषणा की है कि उसने भारतीय रिज़र्व बैंक (आर.बी.आई.) से नियामक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद, भारत में अग्रणी डिजिटल ऋण और चेकआउट वित्त प्रदाता, एक्सियो (पहलेकैपिटल फ्लोट) का अधिग्रहण पूर्ण कर लिया है। भारत में अमेज़न के सबसे बड़े अधिग्रहणों में से एक इस अधिग्रहण की बदौलत भारत में अपनी वित्तीय सेवाओं के विस्तार के लिए अमेज़न की प्रतिबद्धता को और मज़बूती मिली है। एक्सियो के साथ अमेज़न की मौजूदा साझेदारी भी है, जिसकी बदौलत छह वर्षों से अधिक समय से भारत में अमेज़न पे के लिए अभी खरीदें और बाद में भुगतान करें सेवाएं दी जा रही हैं। अमेज़न में पेमेंट्स के वाइस प्रेसिडेंट महेंद्र नेरूकर ने कहा, केवल 6 में से 1 भारतीय ग्राहक के पास चेकआउट फाइनेंसिंग का एक्सेस है, इसलिए क्रेडिट एक्सेस बढ़ाना अमेज़न की एक मूलभूत प्राथमिकता है। पिछले छह वर्षों में, एक्सियो के साथ हमारी साझेदारी से हम 1 करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए ऋण उपलब्ध करा पाए हैं।

त्योहारों के मौसम के लिए ऑन-डिमांड इंस्टेंट गिफ्टिंग प्लेटफॉर्म 'गिफ्टेबल्स' लॉन्च

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी ऑन-डिमांड कंवीनियंस प्लेटफ़ॉर्म स्विगी लिमिटेड ने गिफ्टिंग स्पेस में प्रवेश करते हुए 'गिफ्टेबल्स' लॉन्च किया है, एक नई कैटेगरी जिसे उपयोगकर्ताओं को हर अवसर और रिश्ते के लिए आसानी से विचारशील और पर्सनलाइज्ड गिफ्ट खोजने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। गिफ्टेबल्स को आखिरी समय और पहले से योजना बनाकर किए गए गिफ्टिंग दोनों को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। गिफ्टेबल्स विभिन्न श्रेणियों में विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए उपहार प्रदान करता है, जिनमें प्रीमियम चॉकलेट, केक, फूल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ज्वेलरी, खिलौने आदि शामिल हैं।

मामूली तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

- **सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत की बढ़त में 80,718.01 अंक पर रहा**
- **निफ्टी 0.08 प्रतिशत बढ़कर 24,734.30 अंक पर बंद**

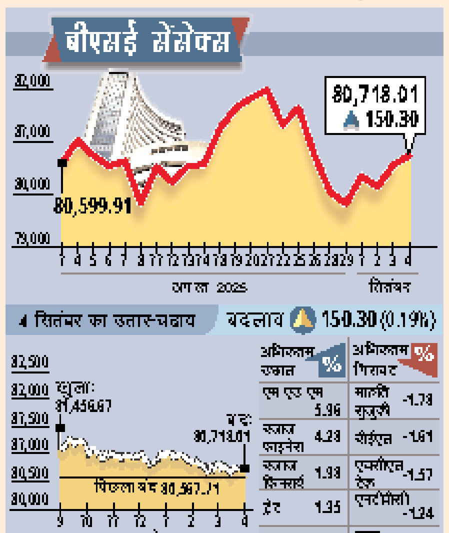

मुंबई, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांक गुरुवार को एक प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ खुलने के बाद अंत में मामूली तेजी में बंद हुए जबकि मझौली और छोटी कंपनियों में बाद में बिकवाली हावी हो गई।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 150.30 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की बढ़त में 80,718.01 अंक पर बंद हुआ। महिंद्रा एंड महिंद्रा में करीब छह प्रतिशत की तेजी रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 19.25 अंक (0.08 प्रतिशत) बढ़कर 24,734.30 अंक पर पहुंच गया। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने बुधवार को कर स्लैबों में बदलाव और करों की दरों को युक्तिसंगत बनाने के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। आम लोगों के उपभोग की ज्यादातर चीजों पर करें कम की गई हैं। इससे बाजार खुलते ही निवेशकों में उत्साह देखा गया।

सेंसेक्स 888.96 अंक की तेजी के साथ 81,456.67 अंक पर खुला और यही इसका दिवस का निचला स्तर रहा। बीच कारोबार में एक समय इसकी बढ़त मात्र 41 अंक रह गई थी जब यह 80,608.94 अंक तक उतर गया था।निफ्टी-50 सूचकांक भी 265.70 अंक चढ़कर 24,980.75 अंक पर खुला और इसका भी यही उच्चतम स्तर रहा। यह कारोबार के दौरान कुछ देर के लिए लाल निशान में भी गया और 24,708.20 अंक तक टूटा, लेकिन जल्द ही वापसी करते हुए बढ़त में बंद होने में कामयाब रहा। बड़ी कंपनियों के सूचकांक के विपरीत बाजार में सकल निवेश धारणा कमजोर रही। यहां तक की 100 शेयरो वाला निफ्टी-50 सूचकांक भी 0.01 प्रतिशत टूट गया। मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली हावी रहने से निफ्टी मिडकैप-50 में 0.54 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 में 0.67 प्रतिशत की गिरावट रही।

एनएसई में कुल 3,141 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 1,818 के शेयरों में गिरावट और 1,226 में तेजी रही। वहीं, 97 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 में से 19 कंपनियों में गिरावट रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा (5.96 प्रतिशत), एचडीएफसी बैंक (0.78 प्रतिशत), बजाज फाइनेंस (4.28 प्रतिशत), आईसीआईसीआई बैंक (0.61 प्रतिशत) और आईटीसी (1.06 प्रतिशत) जैसी दिग्गज कंपनियों में रही तेजी ने सूचकांक को हरे निशान में बनाए रखा।

मारुति सुजुकी का शेयर 1.78 प्रतिशत टूट गया। बीईएल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, पावर ग्रिड और इंफोसिस के शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक फिसले। रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और टीसीएस में भी गिरावट रही।

फियो ने जीएसटी परिषद के उपायों का किया स्वागत

- **निर्यात रिफंड में तेजी लाने से मिलेगी राहत**

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) ने निर्यातकों के लिए नकदी की चुनौतियों को कम करने और रिफंड प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के जीएसटी परिषद के ऐतिहासिक निर्णयों का गुरुवार को स्वागत किया।

फियो के अध्यक्ष एस.सी. रल्हन ने कहा कि परिषद द्वारा जोखिम विश्लेषण के आधार पर सात दिन के भीतर निर्यात रिफंड जारी करने और कपड़ा, फार्मा, रसायन और उर्वरक जैसे क्षेत्रों के लिए उल्टे शुल्क ढांचे के तहत तत्काल अनंतिम रिफंड जारी करने की मंजूरी एक बहुत ही स्वागत योग्य कदम है। ये सुधार कार्यशील पूंजी की रुकावटों को कम करने और निर्यातकों को समय पर राहत प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि ये उपाय न केवल देश के निर्यात क्षेत्र को मजबूत करेंगे, बल्कि आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव कम करके घरेलू मांग में भी वृद्धि करेंगे। उन्होंने कहा कि एक मजबूत निर्यात इकोसिस्टम अनिवार्य रूप से घरेलू विनिर्माण और उपभोग को बढ़ावा देता है। ये कदम अर्थव्यवस्था में सकारात्मक गुणक प्रभाव पैदा करेंगे, जिससे उद्योग और उपभोक्ता दोनों को लाभ होगा। श्री रल्हन ने आश्वासन दिया कि जहां भी अंतिम उत्पाद घरेलू उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा है, उद्योग यह सुनिश्चित करेगा कि कम लागत का लाभ उन्हें उचित रूप से मिले।

चावल-गेहूं नरम, खाद्य तेल-चीनी भी सस्ती, दालों में घट-बढ़

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के दाम में नरमी रहने के साथ गेहूं का भाव भी टूट गया। खाद्य तेलों और चीनी में भी मंदी का रुख रहा जबकि दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का नवंबर वायदा सात रिंगिट की बढ़त के साथ 4,449 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.33 प्रतिशत टूटकर 51.67 डॉलर के भाव बोला गया।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत करीब 35 रुपए गिरकर 3,817.81 रुपए प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं भी नौ रुपये से अधिक टूटकर 2,845.40 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा 3,305.43 रुपए प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा।

तेलों में आज गिरावट रही। सरसों तेल औसतन 49 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मूंगफली तेल में 45 रुपए और सोया तेल में 95 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सूरजमुखी तेल 74 रुपए और वनस्पति 129 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। पाम ऑयल भी 67 रुपए प्रति क्विंटल टूट गया।

दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव देखा गया। तुअर दाल की औसत कीमत 44 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। चना दाल 30 रुपए टूट गया जबकि मूंग दाल चार रुपए प्रति क्विंटल नरम हुई। मसूर दाल की कीमत में 27 रुपए और उड़द दाल में पांच रुपए प्रति क्विंटल की मजबूती रही।

भारत ने 2025 में अब तक जोड़ी 30 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता : जोशी

- **भारत में 226 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता मौजूद**
- **बिजली बिक्री समझौतों पर हस्ताक्षर करने में हो रही देरी से निपट रही सरकार**

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत ने 2025 में अब तक 30 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ी है और इस साल अंत तक यह 43 गीगावाट तक बढ़ने का अनुमान है। यह जानकारी केंद्रीय न्यू एवं रिन्यूएबल एनर्जी मंत्री प्रह्लाद जोशी की ओर से दी गई। एक कार्यक्रम में बोलते हुए जोशी ने बताया कि देश में जनवरी से जून के बीच लगभग 22 गीगावाट सौर और पवन ऊर्जा स्थापित की गई और अब यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 30 गीगावाट हो गया है। उन्होंने कहा कि हम इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक 39 गीगावाट से 43 गीगावाट की नई क्षमता हासिल करने के प्रति आशावादी हैं।

सरकार को उम्मीद है कि इस विकास दर के साथ वह 2030 तक 500 गीगावाट स्थापित रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता के अपने दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी। भारत में वर्तमान में 226 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 67.08 गीगावाट की परियोजनाओं के लिए टेंडर्स आमंत्रित की जा चुकी हैं और कुल 186.3 गीगावाट की परियोजनाएं वर्तमान में क्रियान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले से चालू क्षमता को मिलाकर, यह क्षमता लगभग 499 गीगावाट हो जाती है।

सरकार बिजली बिक्री समझौतों (पीएसए) पर हस्ताक्षर करने में हो रही देरी से निपट रही है और इस क्षेत्र को और मजबूत बनाने के लिए दक्षता बढ़ाने हेतु मौसम पूर्वानुमान प्रणालियों को बेहतर बना रही है। जोशी ने आगे कहा कि ऊर्जा मंत्रालय ने 2030 तक 500 गीगावाट क्षमता के एकीकरण को सुगम बनाने के लिए एक बड़ी ट्रांसमिशन योजना बनाई है, जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी वाले राज्यों पर विशेष जोर दिया गया है।

एचएसबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के बिजली क्षेत्र में जुलाई में मजबूत नीतिगत प्रोत्साहनों के कारण क्षमता में वृद्धि देखी गई, जिससे 2 गीगावाट पारंपरिक और 3.2 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता में वृद्धि हुई।

खेल जगत

एक व्यक्ति के तौर पर एमएस धोनी का व्यवहार मेरे लिए अहम : डेवाल्ड ब्रेविस

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिभावान युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की एक क्रिकेटर के अलावा एक व्यक्ति के रूप में जमकर प्रशंसा की है। ब्रेविस ने कहा कि एमएस धोनी के बारे में मैं बस यही कह सकता हूं कि उनकी विनम्रता और एक इंसान के रूप में उनका व्यक्तित्व मेरे लिए सबसे खास रहा। मैदान के बाहर वह कैसे हैं, खिलाड़ियों और लोगों के लिए उनके पास कितना समय है। यह बेहद अहम है। उनके कमरे का दरवाजा हमेशा खुला रहता है। अगर वह सो रहे होते हैं, तो सिर्फ उसी समय दरवाजा बंद होता है। एबी डिविलियर्स के यूट्यूब चैनल पर गुरुवार को ब्रेविस ने कहा कि मैं कई बार उनके कमरे में गया, जहां उन्होंने क्रिकेट से इतर अपने शौक के बारे में चर्चा की। उनके साथ क्रिकेट देखना वाकई अद्भुत था। यह देखना भी अद्भुत था कि मैदान के बाहर वह क्या करते हैं।

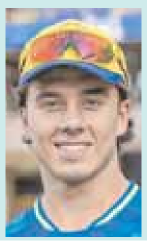

हॉकी एशिया कप के सुपर-4 में भारत-कोरिया मैच हुआ ड्रॉ

अपने स्ट्रक्चर पर भरोसा कर अगले दोनों सुपर 4 मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे : फुल्टन

■ मूसलाधार बारिश के चलते करीब 50 मिनट देर से शुरू हुए मैच

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

राजगीर (बिहार), 4 सितम्बर (देशबन्धु)। स्ट्राइकर अभिषेक और सुखजीत सिंह के डी के भीतर रिवर्स हिट से गोल करने का मोह भारत को महंगा पड़ा। खासतौर पर अभिषेक ने मूसलाधार बारिश के चलते करीब 50 मिनट देर से शुरू हुए मैच हार्दिक के गोल से पहले क्वार्टर के अधबीच भारत ने बढ़त ली लेकिन अगले पांच मिनट में दो गोल खा 1-2 से पिछड़ गया। भारत ने खेल खत्म होने से सात मिनट पहले मनदीप सिंह के गोल से पांच बार के और मौजूदा चैम्पियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ 12 वें पुरुष हॉकी एशिया कप में अपना पहला सुपर 4 मैच दो-दो से बराबर खेल अंक बांटे। भारत अब अपने दूसरे सुपर 4 मैच में चीन को 2-0 से आगाज करने वाली मलेशिया से भिड़ेगा। भारत के आक्रमण सेंटर हाफ हार्दिक ने पांचवें मिनट में मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर दिलाया और इस पर मनप्रीत शॉट लिया लेकिन दक्षिण कोरिया के गोलरक्षक दीहान यंग ने अच्छा बचाव किया।

अगले मिनट अभिषेक ने भारत को मैच का दूसरा पेनल्टी कॉर्नर दिलाया और इस पर दक्षिण कोरिया के गोलरक्षक दीहान ने रोकने की कोशिश की लेकिन इस पर लौटती गेंद को फिर गोलरक्षक ने रोक दिया। सुखजीत सिंह ने मैच के आठवें मिनट में दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी से गेंद छीनी और डी की ओर बढ़ते हार्दिक सिंह की ओर बढ़ना और तेज फर्राटा लगा आगे बढ़ आए गोलरक्षक दीहान को छका गोल कर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। चार मिनटमिन सियोन के स्लैप शॉट पर डी में जैसे ही सियोंग हो ने शॉट लेने की कोशिश की जुगराज ने पीछे से धक्का दे दिया इस पर लिए लिए रेफरल पर मिले पेनल्टी स्ट्रोक को जिहुन याग ने गोल कर दक्षिण कोरिया को एक एक की बराबरी दिला। पहला क्वॉर्टर खत्म होने एक मिनट पहले पेनल्टी कॉर्नर हियोनहांग किम ने गोल कर दक्षिण कोरिया को 2-1 की बढ़त दिला दी।

हरमनप्रीत को मैच के 21वें मिनट में हरा कार्ड दिखा कर दो मिनट के लिए मैदान से बाहर भेजा गया। दिलप्रीत सिंह और जुगराज सिंह ने डी के भीतर दक्षिण कोरियाई खिलाड़ियों की पहुंच से गेंद बाहर करने की बजाय ड्रिबल करने की कोशिश में गेंद गंवाई । अभिषेक, सुखजीत सिंह और मनदीप सिंह ने हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह के पास पर तीसरा क्वार्टर खत्म होने से पहले पहले पांच मे तीन बार डी में पहुंचे लेकिन इन तीनों के निशाने परीत बराबर लक्ष्य चूकते रहे। खासतौर पर अभिषेक ने खुद के निशाने चूकते तीसरा क्वार्टर के पहले मैच का चौथा पेनल्टी कॉर्नर दिलाया लेकिन इस पर भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह का निशाना लक्ष्य को चूका। स्ट्राइकर अभिषेक के रिवर्स स्टिक से गोल करने का मोह भारत को भारी पड़ा। सुखजीत को रोकने पर भारत को मैच कृ 54 वें मिनट में पांचवां पेनल्टी कॉर्नर लेकिन इस जुगराज सिंह के शॉट को गोलरक्षक दीहान यंग ने रोक कर बेकार कर दिया। सुखजीत के डी के भीतर पास पर मनदीप सिंह ने गोल कर भारत को दो दो की बराबरी दिला दी।

अगले मैचों में अपने बेस्ट प्रदर्शन कर मौकों को भुनाना होगा : हरमनप्रीत

भारत के कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'हमारी टीम हमेशा खुद पर और मैं पेनल्टी कॉर्नर पर अपनी क्षमता पर भरोसा करता हूं। दक्षिण कोरिया के फर्स्ट रशर ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक बेहतरीन ढंग से रोके। हमें अब अगले मैचों में अपना बेस्ट प्रदर्शन करने के साथ मौकों को पूरी तरह भुनाना होगा। हमने 1-2 से पिछड़ने के बाद तीसरे और चौथे क्वार्टर में गोल करने मौके भुनाए लेकिन आखिर में मनदीप सिंह के बराबरी दिलाने वाले गोल को छोड़ ज्यादा को भुना नहीं पाए।

नए जीएसटी प्रावधान से 'महंगे' होंगे आईपीएल टिकट

■ 500 रुपए से कम मूल्य के टिकट जीएसटी से मुक्त

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। मैदान में जाकर आईपीएल देखना अब और महंगा हो गया है क्योंकि भारत सरकार ने आईपीएल टिकटों पर लगने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को 28 फीसदी से बढ़ाकर 40 फीसदी करने का फैसला किया है। एक हजार रुपए के बेस प्राइस वाले टिकट का जीएसटी के साथ अंतिम दाम अब 1280 से बढ़कर 1400 रुपए हो जाएगा। इस बढ़ोतरी के साथ आईपीएल अब जीएसटी के सबसे बड़े ब्रैकेट में आ गया है जिसमें कैसिनो, रेस क्लब या कोई भी ऐसी जगह जहां कैसिनो या रेस क्लब होते हैं, शामिल हैं। हालांकि देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच देखने जाने वालों के लिए राहत की संभावना है। इन मैचों के टिकटों पर आईपीएल टिकटों के समान ही 28' जीएसटी लगता था, लेकिन अब यह स्लैब हटा दिया गया है। प्रेस सूचना ब्यूरो के सर्कुलर में, कर की दर में बदलाव की जानकारी देते हुए, केवल 'आईपीएल जैसे खेल आयोजनों' का ही जिक्र है। वित्तीय और व्यावसायिक प्रकाशनों ने इसका अर्थ यह निकाला है कि अन्य क्रिकेट मैच अब अन्य 'मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों' की श्रेणी में आ सकते हैं। अभी तक अन्य मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों के 500 रुपये से अधिक मूल्य के टिकटों पर 18 फीसदी जीएसटी लगता आया है। 500 रुपए से कम मूल्य के टिकट जीएसटी से मुक्त हैं। इसलिए निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मैचों और राज्य द्वारा संचालित अन्य लीगों के टिकट सस्ते हो सकते हैं। वर्तमान में यदि किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के टिकट का बेस प्राइस 1000 रुपए है, तो करों को शामिल करने के बाद इसकी कीमत 1280 रुपए हो जाती है। इस नए बदलाव के साथ यही कीमत घटकर 1180 रुपए रह जाएगी। यह बदलाव 22 सितंबर से प्रभावी होंगे, जो भारत में होने वाले अगले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट आयोजन, महिला विश्व कप के शुरू होने से एक हफ्ता पहले है। इस आयोजन के टिकटों की बिक्री अभी शुरू नहीं हुई है। टूर्नामेंट के उद्घाटन से ठीक एक महीने पहले 30 अगस्त को आईसीसी ने प्रशंसकों से 'अपनी रुचि दर्ज कराने' के लिए कहा था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपको नवीनतम समाचार और टिकट संबंधी जानकारी सीधे आपके इनबॉक्स में सबसे पहले मिले।

सुरुचि सिंह महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल रैंकिंग में शीर्ष पर

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। इस वर्ष शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की सुरुचि सिंह महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल रैंकिंग में विश्व में नंबर वन निशानेबाज बन गई है। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) द्वारा बुधवार को जारी ताजा अपडेट के अनुसार इस साल की शुरुआत में सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण करने के बाद 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने 4162 अंकों के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल में विश्व में नंबर वन रैंकिंग हासिल की। चीन की पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन याओ कियानक्सुन ने 3195 अंकों के साथ इस वर्ग में दूसरे तथा चीन की वेई कियान 2178 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

अमित मिश्रा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लिया

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। दिग्गज स्पिनर अमित मिश्रा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट, आईपीएल और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 42 साल के मिश्रा ने गुरुवार को एक प्रेस रिलीज के माध्यम से संन्यास की घोषणा की। अमित मिश्रा ने कहा कि क्रिकेट में मेरे जीवन के 25 साल यादगार रहे हैं। मैं बीसीसीआई, हरियाणा क्रिकेट संघ, अपने साथियों, सहयोगी स्टाफ का इस दौरान साथ देने के लिए दिल से आभारी हूं। मिश्रा ने लिखा, मैं प्रशंसकों का भी आभारी हूं, जिन्होंने मुझे प्यार और समर्थन दिया। क्रिकेट ने मुझे अनगिनत यादें दी हैं। मैं उन सभी को संजोकर रखूंगा। हरियाणा की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले अमित मिश्रा ने 2003 में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए वनडे फॉर्मेट में डेब्यू किया था। 2008 में टेस्ट और 2010 में टी-20 में उन्होंने डेब्यू किया था।

क्रिकेट में मेरे जीवन के 25 साल यादगार रहे हैं। मैं बीसीसीआई, हरियाणा क्रिकेट संघ, अपने साथियों, सहयोगी स्टाफ का इस दौरान साथ देने के लिए दिल से आभारी हूं : अमित मिश्रा

2017 के बाद से उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला। अमित मिश्रा एक बेहतरीन लेग स्पिनर रहे हैं। 2003 से लेकर 2017 के बीच उन्होंने 22 टेस्ट में 76, 36 वनडे में 64 और 10 टी-20 में 16 विकेट लिए। मिश्रा निचले क्रम के उपयोगी बल्लेबाज भी थे। टेस्ट में उनके नाम 4 अर्धशतक हैं। टेस्ट में उनका सर्वाधिक स्कोर 84 है। अमित मिश्रा का आईपीएल करियर भी लंबा रहा है।

अमित मिश्रा आईपीएल में तीन हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज लेग स्पिनर रहे अमित मिश्रा ने क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी। वह आईपीएल में भी खेलते नजर नहीं आएंगे। मिश्रा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्याप्त मौके नहीं मिले , लेकिन आईपीएल का वह एक बड़ा चेहरा रहे हैं। 2008 से 2024 के बीच अलग-अलग टीमों का हिस्सा रहते हुए उन्होंने लीग के सफलतम गेंदबाजों में अपना नाम शुमार किया है। अमित मिश्रा 2008 से 2024 के बीच दिल्ली डेयरडेविल्स, डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स और एलएसजी के लिए खेले। इस दौरान मिश्रा ने 162 मैचों में 174 विकेट लिए। अमित मिश्रा आईपीएल इतिहास में तीन बार हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं।

सभी खिलाड़ियों को गोल्फ खेलना चाहिए : युवराज सिंह

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह का मानना है कि गोल्फ पेशेवर खिलाड़ियों के लिए एक आदर्श मनोरंजन गतिविधि हो सकती है क्योंकि यह बहुत आरामदायक है, इससे उन्हें तनावमुक्त होने और अपने मुख्य खेल में तरोताजा होने का मौका मिलता है।

राष्ट्रीय राजधानी में गुरूवार को इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के एक प्रचार कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अगर मैंने गोल्फ पहले शुरू किया होता, तो मैं क्रिकेट में 3000 रन ज्यादा बना सकता था। इससे हाथ-आँखों के समन्वय में मदद मिलती है और मैंने शुभमन (गिल) और अभिषेक शर्मा को गोल्फ खेलने की सलाह दी है क्योंकि इससे उनके खेल में काफी मदद मिलेगी। गोल्फ तनावमुक्त होने का एक शानदार तरीका है, गोल्फ खेलने के बाद व्यक्ति ज्यादा तनावमुक्त और तरोताजा महसूस करता है। मैं सभी खिलाड़ियों को गोल्फ खेलने की सलाह देता हूँ। युवराज आईजीपीएल के सह-संस्थापक हैं।

■ गोल्फ तनावमुक्त होने का एक शानदार तरीका

सितारों से सजी यूपी योद्धाज की जीत की हैट्रिक पर नजरें

विशाखापट्टनम, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। यूपी योद्धाज प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में लगातार तीसरी जीत की तलाश में 5 सितंबर को रात 9 बजे विशाखापट्टनम के विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में मौजूदा चैम्पियन हरियाणा स्टीलर्स से भिड़ेंगे।योद्धाज ने सीजन की शानदार शुरुआत करते हुए लगातार दो जीत दर्ज की हैं। पहले तेलुगु टाइटन्स और फिर पटना पाइरेट्स के खिलाफ जीत हासिल की योद्धाज ने। टीम फिलहाल अंकतालिका में चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। वहीं, हरियाणा स्टीलर्स आठवें स्थान पर हैं। हरियाणा ने अपने पिछले मुकाबले में यू मुम्बा को टाई-ब्रेकर में हराकर दो अंक जुटाए हैं। योद्धाज की उम्मीदें उनके अटैक और डिफेंस में आक्रामक के धुरंधरों-गगन गौड़ा और सुमित सांगवान- पर टिकी होंगी। गौड़ा अब तक दो मैचों में 21 रेड प्वॉइंट्स हासिल कर चुके हैं, जबकि कप्तान सांगवान ने अशु सिंह के साथ बेहतरीन तालमेल बिठाते हुए 13 टैकल प्वॉइंट्स जुटाए हैं।वहीं स्टीलर्स के लिए नवीन कुमार और विनय की जोड़ी ने यू मुम्बा के खिलाफ 17 अंक अर्जित किए थे। इस जोड़ी को रोकना योद्धाज के लिए जीत का अहम मंत्र साबित होगा। यूपी योद्धाज के सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने मुकाबले से पहले कहा कि जब हम किसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी का सामना करते हैं, तो हमें अपनी टीम पर पूरा भरोसा होता है कि योजनाओं पर टिके रहकर हर चुनौती का सामना कर सकते हैं।

एशिया कप : यूएई ने किया टीम का ऐलान

मतिउल्लाह और सिमरनजीत को मौका

दुबई, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। एशिया कप के लिए यूएई ने टीम का ऐलान कर दिया है। 17 सदस्यीय टीम की कमान मुहम्मद वसीम को सौंपी गई है। टीम में तेज गेंदबाज मतिउल्लाह खान और बाएं हाथ के स्पिनर सिमरनजीत सिंह को शामिल किया गया है। मतिउल्लाह खान और सिमरनजीत सिंह के अलावा एशिया कप के लिए घोषित यूएई की टीम में वही खिलाड़ी शामिल हैं, जो पाकिस्तान और अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही त्रिकोणीय टी-20 सीरीज का हिस्सा हैं।

मतिउल्लाह ने अब तक यूएई के लिए एक वनडे और पांच टी-20 मैच खेले हैं। आखिरी बार इस साल जुलाई में पर्ल ऑफ अफ्रीका सीरीज में नाइजीरिया के खिलाफ वह टी-20 मैच खेले थे। सिमरनजीत ने यूएई के लिए अब तक पांच वनडे और 11 टी-20 मैच खेले हैं। आखिरी बार दिसंबर 2024 में गल्फ टी-20 चैंपियनशिप के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह टी-20 खेले थे। यूएई ने आखिरी बार 2016 में बांग्लादेश में एशिया कप में खेला था। 2016 में एशिया कप पहली बार टी20 प्रारूप में खेला गया था। यूएई को भारत, ओमान और पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। यूएई अपना पहला मैच 10 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत से खेलेगी। इसके बाद 15 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में ओमान से भिड़ेगी और फिर 17 सितंबर को दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप मैच खेलेगी। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सुपर फोर चरण में पहुंचेंगी, जो 21 सितंबर से शुरू होगी। सुपर फोर चरण की शीर्ष दो टीमें 28 सितंबर को दुबई में होने वाले खिताबी मुकाबले में खेलेंगी।

गायकवाड़ की शतकीय पारी से वेस्ट जोन बड़े स्कोर की ओर

बेंगलुरु, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। ऋतुराज गायकवाड़ (184) की शतकीय और तनुष कोटियान (नाबाद 65) की अर्द्धशतकीय पारियों के दम पर वेस्ट जोन ने गुरुवार को दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन के खिलाफ छह विकेट पर 363 रन बनाकर बड़े स्कोर की ओर कदम बढ़ा दिया है। आज यहां वेस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट जोन की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट 10 रन के स्कोर पर गंवा दिये। यशस्वी जायसवाल (चार) और हार्दिक देसाई (एक) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आर्य देसाई और ऋतुराज गायकवाड़ की जोड़ी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी हुई।

सार संक्षेप

इंटरनेशनल लीग टी-20 के चौथे सीजन के शेड्यूल का हुआ ऐलान

नई दिल्ली। इंटरनेशनल लीग टी-20 (आईएलटी20) के चौथे सीजन के शेड्यूल का ऐलान कर दिया गया है। लीग का आगाज 2 दिसंबर 2025 को होगा जबकि समापन 4 जनवरी 2026 को होगा। टी-20 विश्व कप 2026 से टकराव से बचने के लिए पिछले सीजन की तुलना में इस बार आईएलटी-20 का शेड्यूल एक महीने पहले निर्धारित किया गया है। आईएलटी-20 2026 में कुल 34 मैच खेले जाएंगे। छह टीमें अबू धाबी नाइट राइडर्स, दुबई कैपिटल्स, गल्फ जायंट्स, डेजर्ट वाइपर्स, एमआई एमिरेट्स और शारजाह वॉरियर्स खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। सभी मैच तीन स्टेडियम दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, शारजाह क्रिकेट स्टेडियम और अबू धाबी के जायेद क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। लीग स्टेज में 30 मैच होंगे, इसके बाद चार प्लेऑफ मुकाबले खेले जाएंगे। एलिमिनेटर और फाइनल दुबई में होंगे। क्वालिफायर 1 और क्वालिफायर 2 अबू धाबी और शारजाह में आयोजित किए जाएंगे। मुकाबले स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे (भारतीय समयानुसार रात 8:00 बजे) शुरू होंगे। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन दुबई कैपिटल्स और डेजर्ट वाइपर्स के बीच होगा।

भारत की 12 सदस्यीय टीम विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भाग लेगी

नई दिल्ली। ओलंपियन दीपिका कुमारी और कंपाउंड स्टार ज्योति सुरेखा वेन्नम सहित 12 सदस्यीय भारतीय टीम शनिवार से कोरिया गणराज्य के ग्वांगजू में शुरू होने वाली विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप 2025 में भाग लेगी। कोरिया के ग्वांगजू में आयोजित होने वाली इस चैम्पियनशिप के लिए भारतीय दल में ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत भी 12 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप पहली बार 1931 में आयोजित हुई थी। 1950 के दशक से प्रत्येक दो वर्ष में इसका आयोजन हो रहा है। भारतीय तीरंदाजों ने इस प्रतियोगिता में 15 पदक जीते हैं। जिनमें तीन स्वर्ण, नौ रजत और तीन कांस्य शामिल हैं। बर्लिन 2023 में आयोजित पिछले संस्करण में तीन स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक जीत कर भारत पहले स्थान पर रहा था।

राउंडग्लास हॉकी अकादमी ने तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया

मोहाली। राउंडग्लास हॉकी अकादमी ने भारतीय खेल प्राधिकरण राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र साई, सोनीपत को 3-1 से हराकर पंजाब हॉकी लीग (अंडर 21) के दूसरे संस्करण के चौथे दिन अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह लीग ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेली जा रही है। नामधारी हॉकी अकादमी ने निर्धारित समय में 1-1 से ड्रॉ के बाद एसजीपीसी हॉकी अकादमी, अमृतसर के खिलाफ शूटआउट में जीत हासिल कर बोनस अंक हासिल किया। राउंडग्लास हॉकी अकादमी ने पहले मिनट में गुरसेवक सिंह के गोल से बढ़त बनाई और 27वें मिनट में अमनदीप सिंह के पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।

लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर सिनर सेमीफाइनल में

ओपन एरा में एक सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम मुकाबलों के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए सिनर

न्यूयार्क, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जैनिक सिनर ने बुधवार को यूएस ओपन में एक और लगभग बेदाग प्रदर्शन किया, जहाँ उन्होंने पहले इतालवी पुरुष मेजर क्वार्टर फाइनल में अपने हमवतन लोरेंजो मुसेट्टी को 6-1, 6-4, 6-2 से हराया। अलेक्जेंडर बुब्लिक को चौथे दौर में हराने के बाद, सिनर ने मुसेट्टी को शानदार अंदाज़ में हराया और ओपन एरा में एक सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम मुकाबलों के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 2008 में 22 साल के राफेल नडाल ने यह उपलब्धि हासिल की थी। सिनर ने अपनी दो घंटे की जीत के बाद मुसेट्टी के बारे में कहा कि हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। हम एक ही देश से हैं। हर बार ड्रॉ में हमारे कई इतालवी खिलाड़ी होते हैं। मुझे पता है कि यहां कई इतालवी खिलाड़ी हैं, इसलिए यहां खेलना अच्छा लगता है। जाहिर है डेविस कप और इस तरह के दूसरे मुकाबलों में साथ खेलने के कारण, हमें मैच के लिए दोस्ती को नजरअंदाज करना पड़ता है और फिर जब हम हाथ मिलाते हैं, तो सब कुछ ठीक रहता है। मेरे हिसाब से, यह एक शानदार प्रदर्शन था, बहुत ही ठोस। खासकर मैच की शुरुआत बहुत अच्छी रही। पिछले तीन हार्ड-कोर्ट मेजर टूर्नामेंटों के विजेता, गत चैंपियन सिनर ने इन प्रतियोगिताओं में अपनी जीत का सिलसिला 26 मैचों तक बढ़ाया है - जिससे वह नोवाक जोकोविच और इवान लेंडल के साथ तीसरे सबसे लंबे पुरुष हार्ड-कोर्ट मेजर जीत के सिलसिले की बराबरी पर आ गए हैं।

एटीपी रैंकिंग में विश्व नंबर 1 का सम्मान बरकरार रखने के लिए फ्लशिंग मीडोज में अपने प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्काराज से बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है।

पुरुषों के हार्ड-कोर्ट स्लैम में सबसे लंबे जीत के सिलसिले

- रोजर फेडरर 40 (2005-08)
- नोवाक जोकोविच 27 (2011-12)
- जैनिक सिनर 26 (सक्रिय)
- नोवाक जोकोविच 26 (2015-16)
- इवान लेंडल 26 (1985-88)
- जॉन मैकेनरो 25 (1979-82)

स्वियाटेक को हराकर अमांडा अनिसिमोवा यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क। अमांडा अनिसिमोवा ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे हुए विंबलडन चैंपियन इगा स्वियाटेक को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए क्वार्टर फाइनल में अमांडा अनिसिमोव ने बड़ा उलटफेर करते हुए एक घंटा 38 मिनट तक चले मुकाबले में पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही अनिसिमोवा 53 दिन पहले विंबलडन फाइनल में मिली शर्मनाक हार का बदला भी ले लिया। अनिसिमोवा पहली बार यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंची है जहां उनका सामना जापान की नाओमी ओसाका से होगा।मैच के बाद अनिसिमोवा ने कहा कि मैं सचमुच जरा भी डर के साथ मैदान पर नहीं उतरी थी। मैंने खुद को, और शायद दूसरों को भी, साबित कर दिया कि सकारात्मक सोच और जुझारूपन से अच्छे नतीजे जरूर मिलेंगे। स्वियातेक ने कहा कि मेरे लिए यह वास्तव में मायने नहीं रखता। सब जानते हैं कि अमांडा कैसे खेल सकती है। उसे वहां संघर्ष करना पड़ा, लेकिन आज वह अधिक तेज थी। मेरी सर्विस ने मुझे निराश किया।